नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 35

सोमवार, 12 से 18 अक्टूबर 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

नई दिल्ली, रतनगढ़ माता मंदिर में नवमी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब... 03

कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ुल से नीचे गिरी मिनी बस, 8 लोगों की मौत 08

NCR समाचार

हार्दिक का विकल्प ढूंढना मुश्किल 10

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

हॉलीवुड की इस बात के मुरीद हुए विद्यत 12

टाइगर श्राफ पर जुहू में फायरिंग

टाइगर श्रॉफ को सीने और बांह पर लगी है चोट

बाल-बाल बचे टाइगर, ड्राइवर घायल, लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी

मुंबई, एजेंसी। जुहू इलाके में स्थित पुष्पा पार्क में रविवार शाम को अज्ञात तीन बदमाशों ने फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच राउंड फायरिंग की। इस घटना में टाइगर श्राफ सुरक्षित बच गए, जबकि उनके ड्राइवर के हाथ में गोली लगी है और उसका इलाज नानावटी अस्पताल में हो रहा है। मामले की छानबीन जुहू पुलिस स्टेशन की टीम के साथ मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है।

टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर रविवार की शाम को हुए हमले के बाद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे एक्टर से मिलने उनके घर पहुंचे थे। अब इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आ चुकी हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि टाइगर श्रॉफ को भी चोट आई है। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि टाइगर श्रॉफ अपने घर में एकनाथ शिंदे के साथ बैठे हुए हैं और बात कर रहे हैं। उनकी बांह पर बैंडेज लगी है और सीने पर बीच में भी पट्टी लगी हुई है। मुंबई पुलिस ने बताया है कि टाइगर श्रॉफ को गोली नहीं लगी है और वह सुरक्षित हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में फायरिंग से पहले क्या-क्या हुआ, इसकी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। अधिकारी ने फिर दोहराया, "श्रॉफ सुरक्षित हैं और गोलीबारी की इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई है।" प्राथमिक जानकारी के अनुसार पुष्पा पार्क में बच्चों का कार्यक्रम आयोजित किया था, उसमें शरीक होने श्रॉफ आए थे। कार्यक्रम से निकल कर श्राफ अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे थे, उस समय उनके आस पास उन्हें देखने के लिए वहां भारी भीड़ जमा हो गई थी और उसी भीड़ के बीच से उनकी कार पर फायरिंग की गईं।

मुंबई में टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें अनिल पंडित नाम के एक आदमी ने, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग का होने का दावा कर रहा है, कहा कि टाइगर श्रॉफ उनकी हिट लिस्ट में था क्योंकि "वह हमारे निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था" और "सलमान खान के साथ काम कर रहा था"। बिश्नोई, जो गुजरात की जेल में है, ने कई बार सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी है। इस मामले की छानबीन जारी है और पुलिस की बारह टीमें गठित की गई है और तीनों आरोपितों को पकड़ने का प्रयास जारी है।

गनपाउडर और कांच से लगी चोट

समाचार एजेंसी द्वारा जारी की गई तस्वीरों में टाइगर श्रॉफ के कंधे पर भी ड्रेसिंग देखी जा सकती है। टाइगर श्रॉफ से मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि हमले में पांच राउंड गोलियां चलाई गईं, लेकिन टाइगर श्रॉफ सुरक्षित हैं। टाइगर श्रॉफ को लगी चोटों का जिक्र करते हुए एक्टर ने कहा कि बारूद और कांच के टुकड़े लगने से टाइगर श्रॉफ के हाथ में चोट आई है, हालांकि उनके ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मालूम हो कि टाइगर श्रॉफ पर यह हमला उस वक्त हुआ, जब वह फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे।

'पांच राउंड गोलियां चलाई गईं..'

एकनाथ शिंदे ने अपने बयान में कहा, यह बहुत बड़ी घटना है... पांच राउंड गोलियां चलाई गईं, लेकिन किस्मत से वह सुरक्षित बच गए। उनके ड्राइवर को चोट आई है, यह घटना निंदनीय है। मैं एक्टर से मिला हूं, उनके बाएं हाथ पर गनपाउडर और कांच के टुकड़ों की वजह से चोट आई है। वह और उनकी मां इस घटना के बाद दहल चुके हैं। मैंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि पब्लिक फिगर्स को दी जा रही खुली धमकियों के बीच राज्य सरकार उनके साथ है। किसी भी सूरत में इस तरह की धमकियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

पुलिस ने जांच के लिए 15 टीमें बनाई

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए गोलीबारी के मामले में मुंबई पुलिस ऐक्टिव हो गई है। इस घटना की जांच के लिए कुल 15 टीमें बनाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि इस गोलीबारी में दो लोग घायल हुए हैं। इनमें से एक टाइगर श्रॉफ का ड्राइवर फिरदोश है। उसके बाएं हाथ में गोली लगी है।

सेलिब्रिटीज की सुरक्षा व्यवस्था करेंगे : एकनाथ शिंदे

टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले को लेकर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, "मैंने टाइगर श्रॉफ और उनके पिता जैकी श्रॉफ से बात की है। मैंने टाइगर श्रॉफ से कहा है कि वह चिंता न करें। सरकार उनके साथ है। परेशान होने की कोई बात नहीं है। हम सभी सेलिब्रिटीज की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी और सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। अगर कोई किसी को डराने धमकाने की कोशिश करता है, तो पुलिस सरकार उसे बख्शेगी नहीं।"

महाराष्ट्र का लॉ एंड ऑर्डर बर्बाद : संजय राउत

शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के बाद सीएम फड़णवीस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था ढह गई है। राष्ट्रपति शासन ही एक मात्र तरीका है। देवेंद्र फडणवीस राज्य के सबसे फेल्ड गृह मंत्री बनने की कगार पर हैं।

डरी हुई हैं टाइगर की मां आयशा

बता दें कि टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के बाद उनकी मां आयशा श्रॉफ काफी डरी हुई हैं। एकनाथ शिंदे के साथ सामने आई तस्वीरों में टाइगर के साथ उनकी मां को भी वहां बैठे देखा जा सकता है। अटैक के कुछ ही वक्त बाद टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भी घर पहुंच गई थीं और फिर दिशा पाटनी के पहुंचने की खबर आई। वायरल वीडियो और तस्वीरों में टाइगर श्रॉफ को शर्टलेस, ब्लैक जींस में बैठे देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर एक्टर के चाहने वाले उनके जल्दी ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं और खैर मना रहे हैं कि टाइगर सुरक्षित हैं।

टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के बाद भड़कीं सुप्रिया सुले

एनसीपी एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र इस समय सूखे की स्थिति से जूझ रहा है और राज्य की आर्थिक हालत भी बेहद खराब है।

जंतर-मंतर हिंसा की जांच के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने पोर्टल शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय की ओर से जुलाई 2026 में दिल्ली के जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर विभिन्न स्थानों पर हुई हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने प्रभावित लोगों की शिकायतें और सुझाव प्राप्त करने के लिए एक पोर्टल शुरू किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार समिति ने प्रभावित लोगों, पुलिसकर्मियों और अन्य संबंधित पक्षों की सुविधा के लिए http://hpec.nic.in पोर्टल शुरू किया है। इसके माध्यम से प्रभावित व्यक्ति अपनी शिकायतें, प्रतिवेदन और संबंधित सामग्री निर्धारित प्रारूप में जमा करा सकते हैं।

समिति उच्चतम न्यायालय के 18 अगस्त 2026 के आदेश के पैराग्राफ 12 एवं 13 तथा 10 सितंबर 2026 के आदेश के पैराग्राफ 5( ) में उल्लिखित सभी मुद्दों की जांच करेगी। जांच में पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाकर की गई हिंसा और उत्पीड़न तथा दोनों पक्षों की ओर से हुई अत्यधिक हिंसा और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्रालय के अनुसार पोर्टल को इस तरह तैयार किया गया है कि संवेदनशील गवाहों को उचित सुरक्षा मिल सके। प्रभावित व्यक्तियों की इच्छा होने पर उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और सार्वजनिक नहीं की जाएगी। इन घटनाओं से संबंधित जानकारी या सुझाव देने के इच्छुक अन्य लोग भी पोर्टल के माध्यम से अपना पक्ष रख सकते हैं। शिकायतें, प्रतिवेदन और अन्य संबंधित दस्तावेज भौतिक रूप से भी समिति के कार्यालय में जमा कराए जा सकते हैं। समिति का कार्यालय शिक्षा सदन, 17, राउज एवेन्यू संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110002 में स्थित है। यहां सभी कार्यदिवसों में दोपहर दो से शाम चार बजे तक दस्तावेज जमा कराए जा सकते हैं। संबंधित सामग्री डाक से भी भेजी जा सकती है या hpec2026.enquiry@nic.in पर ईमेल की जा सकती है।

दक्षिणी दिल्ली में 62,000 करोड़ के विकास कार्यों का दावा, सांसद रामवीर सिंह ने गिनाई उपलब्धियां

नमिता चौहान

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में पिछले दो से ढाई वर्षों के दौरान सड़क, मेट्रो, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई विकास परियोजनाएं शुरू किए जाने का दावा किया गया है। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार की ओर से लगभग 62,000 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई है। उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

यह बातचीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए गए सेवा संकल्प अभियान के समापन के दौरान हुई। सांसद रामवीर सिंह ने अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए और लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत लगाए गए जनसुविधा शिविर

सांसद रामवीर सिंह के अनुसार, सेवा संकल्प अभियान के दौरान दक्षिणी दिल्ली के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच, राशन कार्ड, पेंशन, महिलाओं से जुड़ी योजनाओं और अन्य सरकारी सुविधाओं के लिए शिविर लगाए गए। इन शिविरों में स्थानीय निवासियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन और पंजीकरण संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

उन्होंने बताया कि बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के मोलरबंद एक्सटेंशन में दिल्ली सरकार की ओर से शिविर लगाया गया, जहां आंगनवाड़ी कार्यकताओं और आशा वर्कर्स को पोषण किट वितरित की गईं। यहां विभिन्न सरकारी सुविधाओं से जुड़े स्टॉल भी लगाए गए, जिनमें स्वास्थ्य जांच, राशन कार्ड और पेंशन जैसी सेवाओं से संबंधित सहायता दी गई।

इसी तरह लाल कुआं, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, खानपुर और देवली सहित अन्य इलाकों में भी जनसुविधा शिविर आयोजित किए गए। सांसद ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आम लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उनकी समस्याओं के समाधान में मदद करना था।

तुगलकाबाद एक्सटेंशन में नाटक के माध्यम से दी गई योजनाओं की जानकारी

सेवा संकल्प अभियान के दौरान तुगलकाबाद एक्सटेंशन में एक विशेष नाट्य कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सांसद रामवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार की ओर से कराए गए विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई गई।

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और नाटक के माध्यम से योजनाओं को समझने का अवसर मिला। सांसद ने आयोजन से जुड़े कार्यकताओं और जिला संगठन की सराहना करते हुए कहा कि अभियान के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी देखने को मिली।

यशोभूमि और अर्बन एक्सटेंशन रोड-क्क का किया उल्लेख

विकास परियोजनाओं की चर्चा करते हुए सांसद ने द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना दिल्ली में बड़े आयोजनों और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही उन्होंने अर्बन एक्सटेंशन रोड-क्क का भी जिक्र किया, जिसे दिल्ली में यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना बताया।

सांसद ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़े मार्गों और विभिन्न प्रमुख सड़कों के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने यह भी बताया कि दक्षिणी दिल्ली में कई सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें सड़क चौड़ीकरण, यातायात जाम कम करने और प्रमुख मार्गों पर आवागमन को सुगम बनाने से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

बदरपुर में पार्क और हरित क्षेत्र विकसित करने का दावा

बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में एनटीपीसी के पुराने पावर हाउस की जमीन का उल्लेख करते हुए सांसद रामवीर सिंह ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले राख उड़ने के कारण आसपास के निवासियों को परेशानी होती थी। उन्होंने दावा किया कि इस जमीन पर पार्क और हरित क्षेत्र विकसित किया गया है, जहां लोगों के लिए जॉगिंग ट्रैक, साइकिल ट्रैक, योग केंद्र, बोटिंग और अन्य मनोरंजन संबंधी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

सांसद के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और स्थानीय लोगों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पार्क के उद्घाटन और अन्य औपचारिकताओं को लेकर आगे की प्रक्रिया की जानकारी संबंधित स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी।

सड़क और मेट्रो कनेक्टिविटी बढ़ाने पर जोर

सांसद ने दक्षिणी दिल्ली में सड़क नेटवर्क और मेट्रो कनेक्टिविटी के विस्तार को भी प्रमुख मुद्दा बताया। उन्होंने मथुरा रोड, महरौली-बदरपुर रोड और अन्य प्रमुख मार्गों पर किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, सड़क सुधार और नई परियोजनाओं से रोजाना यात्रा करने वाले लोगों को राहत मिल सकती है।

उन्होंने भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि विभिन्न इलाकों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन से जोड़ने की योजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से दक्षिणी दिल्ली के कई क्षेत्रों में यात्रा का समय कम करने और यातायात का दबाव घटाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, इन परियोजनाओं की समयसीमा, लागत और वर्तमान प्रगति की पुष्टि संबंधित विभागों से किया जाना आवश्यक है।

संगम विहार और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल समस्या का मुद्दा

दक्षिणी दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल संकट और सीवर व्यवस्था की समस्याएं लंबे समय से स्थानीय निवासियों के लिए चिंता का विषय रही हैं। सांसद रामवीर सिंह ने अपने संबोधन में संगम विहार, छतरपुर और बदरपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में भूमिगत जलाशयों (वत्रक्र) के निर्माण, पानी की आपूर्ति बेहतर करने और सीवर लाइन बिछाने से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कुछ परियोजनाओं के लिए जमीन उपलब्ध होने और धनराशि स्वीकृत किए जाने की बात कही गई है। इन कार्यों के शुरू होने और पूरा होने के बाद संबंधित इलाकों में पेयजल आपूर्ति तथा जल निकासी व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है।

सांसद ने कहा कि क्षेत्र के विकास में सड़क, पानी और सीवर जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इन परियोजनाओं की वास्तविक प्रगति का आकलन उनके निर्माण कार्य और स्थानीय स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं के आधार पर किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा

अपने संबोधन में सांसद ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अटल कैंटीन, स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं, पेंशन, राशन कार्ड और अन्य सामाजिक सहायता कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारी शिविरों के माध्यम से लोगों को इन योजनाओं के लिए आवेदन करने और जानकारी प्राप्त करने में सहायता दी जा रही है।

इसके अतिरिक्त, बदरपुर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े अस्पतालों तथा स्वास्थ्य संस्थानों से जुड़ी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया। सांसद ने इन सुविधाओं को क्षेत्र के निवासियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

जिला संगठन और कार्यकर्ताओं की सराहना

सेवा संकल्प अभियान के समापन पर सांसद रामवीर सिंह ने जिला अध्यक्ष मायावी और उनकी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान अलग-अलग वार्डों और विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करने में पार्टी कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उन्होंने विशेष रूप से संगम विहार विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं को बधाई दी। सांसद के अनुसार, सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाना था।

विकास कार्यों को लेकर सांसद ने क्या कहा?

सांसद रामवीर सिंह ने कहा कि दक्षिणी दिल्ली में विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में सड़क, मेट्रो, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं का लाभ स्थानीय निवासियों तक पहुंचेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाना जरूरी है, ताकि लोग इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

इंटरनेट का इस्तेमाल बच्चों का भी मौलिक अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट के इस्तेमाल और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि इंटरनेट तक पहुंचने के अधिकार से बच्चों को पूरी तरह वंचित करना उचित नहीं होगा। बच्चों को भी अन्य लोगों की तरह संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मौलिक अधिकार हासिल हैं। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोध में नहीं हैं।

बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर कर देना उनकी ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने का सही समाधान नहीं है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने से बच्चे असुरक्षित और अनियंत्रित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की ओर जा सकते हैं, जिससे उनके सामने नए जोखिम पैदा हो सकते हैं। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री पर नियंत्रण के लिए कई उपाय भी सुझाए। इनमें बच्चों के ऑनलाइन खातों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, माता-पिता की सहमति और मार्गदर्शन को बढ़ावा देना तथा बच्चों के निजी खातों को प्राथमिकता देना शामिल है। इसके साथ ही अनजान वयस्कों की ओर से बच्चों को भेजे जाने वाले संदेशों को सीमित करने जैसे सुरक्षा उपायों पर भी जोर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार बच्चों को अश्लील वेबसाइटों और अन्य हानिकारक ऑनलाइन सेवाओं से दूर रखने के लिए उचित प्रतिबंध लगा सकती है। इसका उद्देश्य बच्चों को ऑनलाइन दुनिया में मौजूद खतरों से बचाना और उनके लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करना होना चाहिए। कोर्ट ने बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए सरकार को एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने का निर्देश भी दिया है।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गई

पंकज कुमार

उत्तर प्रदेश: उच्च प्राथमिक विद्यालय झट्टा की बालिकाओं ने बैंकिंग सेवाओं से लेकर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं तक की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास की ओर बढ़ाए कदम झट्टा, गौतमबुद्धनगर, 16 अक्टूबर 2026। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय झट्टा में 15 एवं 16 अक्टूबर को बालिका सशक्तीकरण, वित्तीय साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता एवं आत्मसम्मान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण एक्सपोजर विजिट आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन में उपयोगी जानकारी, व्यवहारिक कौशल तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया गया।

बैंकिंग साक्षरता से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर 15 अक्टूबर को पंजाब नेशनल बैंक, बदौली बांगर में आयोजित वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के दौरान बैंक प्रबंधक श्रीमती महिमा वर्मा ने स्वयं एवं बैंक स्टाफ के माध्यम से बालिकाओं को बैंकिंग सेवाओं, बैंक खाते के संचालन, बचत के महत्व तथा धन के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। बालिकाओं ने बैंकिंग प्रक्रियाओं को समझा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के महत्व को जाना। स्वास्थ्य जागरूकता एवं आत्मसम्मान से सशक्त व्यक्तित्व की ओर 16 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दाढ़ा, कासना, गौतमबुद्धनगर में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र के वार्ड बॉय श्री राजकुमार ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बालिकाओं को विभिन्न स्वास्थ्य विभागों की कार्यप्रणाली से परिचित कराया तथा चिकित्सकों से मिलवाकर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, पंजीकरण एवं पर्चा बनवाने की प्रक्रिया, चिकित्सकीय परामर्श और स्वास्थ्य जांच संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दिलवाईं।

इस दौरान बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, आवश्यकता पड़ने पर उचित चिकित्सा सहायता प्राप्त करने, अपनी समस्याओं को निःसंकोच व्यक्त करने तथा आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर बालिकाओं में विशेष उत्साह, जागरूकता एवं आत्मविश्वास देखने को मिला। व्यवहारिक शिक्षा से आत्मविश्वासी भविष्य का निर्माण दोनों कार्यक्रमों में परी, आरती, राधा, अनुष्का, पूनम, नाजिश, अंजली, अनुराधा, प्रीति, अंशिका, मानसी सहित अनेक बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बैंकिंग एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित प्रत्यक्ष अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि जागरूकता, सही जानकारी और आत्मविश्वास जीवन में बेहतर निर्णय लेने के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रमों को सफल एवं सार्थक बनाने में मीना मंच एवं मिशन शक्ति गतिविधियों को प्रमुखता से संचालित कर रहीं शिक्षिका सुनीता चौरसिया, श्री राजीव शर्मा तथा विद्यालय परिवार की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री सतीश पीलवान ने बालिका सशक्तीकरण के ऐसे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बालिकाओं को शिक्षा के साथ वित्तीय समझ, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, आत्मसम्मान एवं निर्णय लेने की क्षमता से सुसज्जित करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री सतीश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना भी है। ऐसे अनुभवात्मक कार्यक्रम बालिकाओं में आत्मविश्वास विकसित करने के साथ उन्हें अपने अधिकारों, जिम्मेदारियों एवं भविष्य के प्रति जागरूक बनाते हैं।

कार्यक्रम का मूल संदेश: बालिका जब आर्थिक रूप से जागरूक, स्वास्थ्य के प्रति सजग और आत्मसम्मान से परिपूर्ण होती है, तभी आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाती है। मिशन शक्ति अभियान की ऐसी पहलें सुरक्षित, समानतापूर्ण एवं सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मिशन शक्ति का संकल्प–हर बालिका को ज्ञान, हर बालिका को सम्मान और हर बालिका को आत्मनिर्भरता की उड़ान।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में डांडिया महोत्सव की मची धूम, माता रानी के जयकारों से गूंजा परिसर

दिनेश कुमार गुप्ता

बिहार: नवादा नवरात्र के पावन अवसर पर कुंती नगर स्थित मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में डांडिया महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर माता रानी के जयकारों और देवी गीतों से गूंज उठा। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने गीत-संगीत और डांडिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में भक्ति, उल्लास और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। महोत्सव में विद्यार्थियों ने अपनी गायन और नृत्य प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा सातवीं और आठवीं की आराध्या, निकिता, रंजल, अनुप्रिया, आस्था और परिणिति ने 'आए मेरे भवन' गीत प्रस्तुत किया। वहीं, कक्षा ग्यारहवीं की अनुराधा कुमारी ने 'मन लेके आना माता रानी के भवन में' गीत गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

नृत्य प्रस्तुतियों में कक्षा चौथी की आस्था, सत्या, करिना, आरोही, सुहानी, श्रेयाजंन, श्रेया, अंशु और पलक ने 'हाथ जोड़ के खड़ी हूं' गीत पर आकर्षक नृत्य किया। कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने 'ओ आए मेरे भवन' गीत पर अपनी प्रस्तुति से दर्शकों की तालियां बटोरीं। वहीं, कक्षा नौवीं के रितांश राज ने 'माई के दरबार में' गीत गाकर अपनी गायन प्रतिभा का परिचय दिया। इसके अलावा कक्षा सातवीं की पलक, आरोही, श्रेया, मेधा, रचना और उनके साथियों ने 'हे राम, सबसे बड़ा तेरा नाम है' गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा आठवीं की दीक्षा, अलिशा, लक्ष्मी, रिंकी, चांदनी, प्रिया और उनके साथियों ने 'थाकड़ नारी' गीत पर प्रस्तुति दी। वहीं, कक्षा नौवीं की सुहानी, शिवांशी, रिया, अनामिका, आस्था और प्रमुखा ने 'अपनी संतोषी मां' गीत के माध्यम से भक्ति भाव की सुंदर अभिव्यक्ति की।

कार्यक्रम के दौरान निशांत अंकित, अदिति प्रियल, ज्योत्सना और अंशिका ने उद्घोषक की भूमिका निभाई। उनकी प्रभावशाली उद्घोषणा ने कार्यक्रम को और भी रोचक बनाया। विद्यालय में इस महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना था। इस तरह के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, सहयोग और सामूहिकता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ डांडिया महोत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम ने न केवल बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया, बल्कि भारतीय संस्कृति और त्योहारों के महत्व को भी उजागर किया।

चारामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 2 लाख रुपये के कथित घोटाले का मामला, कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवाल

नरेंद्र यादव

छत्तीसगढ़: कांकेर छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के चारामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करीब 2 लाख रुपये के कथित घोटाले का मामला चर्चा में है। इस प्रकरण में कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों द्वारा मामले को प्रभावित करने और कार्रवाई रुकवाने के लिए कथित तौर पर पैसों के लेन-देन की चर्चा किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और न ही इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने आई है।

मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। चर्चा है कि स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक (जेडी) की ओर से अब तक जांच या कार्रवाई के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि मामले की जांच किस स्तर पर पहुंची है और जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं राजनीतिक दबाव के कारण मामले की कार्रवाई प्रभावित तो नहीं हो रही है। हालांकि, राजनीतिक हस्तक्षेप या अधिकारियों पर दबाव बनाए जाने के आरोपों की पुष्टि के लिए ठोस साक्ष्य और आधिकारिक बयान आवश्यक हैं।

इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होती है, तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बताया जा रहा है कि नए सीएमओ के बुधवार तक कार्यभार संभालने की संभावना है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभागीय अधिकारी मामले में क्या कदम उठाते हैं।फिलहाल, कथित घोटाले, संभावित लेन-देन और कार्रवाई में देरी से जुड़े आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। पारदर्शी जांच और आधिकारिक जानकारी से ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

धुलियान नर्सिंग होम में मरीज के परिजनों से मारपीट का आरोप, पुलिस मौके पर पहुंची

सुभाष शर्मा

वेस्ट बंगाल: मुर्शिदाबाद जिले के सामशेरगंज इलाके में स्थित धुलियान नर्सिंगहोम में शुक्रवार शाम तनाव बढ़ गया। यह तनाव तब पैदा हुआ जब एक मरीज के परिजनों के साथ मारपीट किए जाने के आरोप लगे। परिजनों के अनुसार, झारखंड के महेशघाटी गांव के दो लोगों की नर्सिंगहोम में एक महिला नर्स के साथ बहस हो गई, जिसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। बताया जा रहा है कि उनमें से एक, जिसकी पहचान शेर अली के रूप में हुई है, घायल हो गया और उसे चोटें आईं, जिससे खून बहने लगा। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सामशेरगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार के अनुसार, झारखंड के महेशघाटी गांव की रहने वाली रशीदा बीबी अभी बीमारी के कारण धुलियान नर्सिंगहोम में भर्ती हैं।

परिजनों ने बताया कि उनका इलाज क्ळव में चल रहा है। आरोप है कि शुक्रवार शाम करीब 4:00 बजे जब परिजन रशीदा बीबी से मिलने नर्सिंग होम पहुंचे, तो वहां उनकी एक महिला नर्स के साथ बहस हो गई। इसके बाद स्थिति और बिगड़ गई, और कथित तौर पर दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हो गई। उनके परिवारों के अनुसार, इस घटना के दौरान झारखंड के महेशघाटी गांव के दो लोगों के साथ मारपीट की गई; इनमें से एक, जिसकी पहचान शेर अली के रूप में हुई है, कथित तौर पर घायल हो गया और उसे चोटें आईं जिससे खून बहने लगा। इस घटना से धुलियान स्थित नर्सिंग होम परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर सामशेरगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। मारपीट के आरोपों को लेकर नर्सिंगहोम प्रशासन की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया है।

तीन साल बाद लहुरियादह पहुंचीं पूर्व डीएम दिव्या मित्तल, ग्रामीणों से मिलकर हुईं भावुक

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर हलिया विकासखंड के पहाड़ी गांव लहुरियादह में करीब तीन साल बाद पहुंचीं पूर्व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ग्रामीणों से मिलकर भावुक हो गईं। ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान भावनात्मक माहौल देखने को मिला। गांव से जुड़ी पुरानी यादें और लोगों के साथ आत्मीय संवाद इस दौरे का प्रमुख आकर्षण रहा। दिव्या मित्तल के जिलाधिकारी कार्यकाल के दौरान लहुरियादह गांव तक पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। उनके दोबारा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों के साथ पुराने अनुभवों और गांव की मौजूदा स्थिति को लेकर बातचीत हुई। इस दौरान पेयजल के अलावा शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दे भी सामने आए। ग्रामीणों ने गांव के विकास और आवश्यक सुविधाओं को लेकर अपनी अपेक्षाएं रखीं।

राजनीतिक दृष्टि से भी चर्चा में दौरा प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद दिव्या मित्तल द्वारा जननीति भारत पार्टी की घोषणा और वर्ष 2027 में मीरजापुर सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की बात कहे जाने के बाद उनका यह दौरा राजनीतिक चचाओं का विषय बन गया है। ऐसे में लहुरियादह में ग्रामीणों से उनकी मुलाकात को सामाजिक जुड़ाव के साथ-साथ राजनीतिक नजरिये से भी देखा जा रहा है।पूर्व जिलाधिकारी के गांव पहुंचने और ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की चर्चा क्षेत्र में बनी हुई है।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत महुली पुलिस की कार्रवाई, एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में दर्ज है मुकदमा

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: संतकबीरनगर महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत महुली पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने और धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्र के निकट पर्यवेक्षण में महिलाओं से संबंधित अपराधों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में महुली पुलिस ने बृहस्पतिवार, 15 अक्टूबर को मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया।

12 अक्टूबर को दर्ज कराया गया था मुकदमा

पुलिस के अनुसार, मामले में पीड़िता की ओर से दिए गए प्रार्थनापत्र के आधार पर 12 अक्टूबर 2026 को थाना महुली में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि इरसाद अहमद ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में धमकी दी।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले में अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई। इसके बाद मुकदमे में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत कार्रवाई

महिलाओं की सुरक्षा और उनके खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से मिशन शक्ति 6.0 अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत महिला संबंधी अपराधों में शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। महुली पुलिस ने भी इसी अभियान के तहत मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय भेजने की जानकारी दी है।

इन धाराओं में दर्ज है मुकदमा

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान इरसाद अहमद पुत्र मुस्ताक अहमद, निवासी ग्राम वनरहिया, थाना महुली, जनपद संतकबीरनगर के रूप में हुई है। इस मामले में थाना महुली में मुकदमा संख्या 425/2026 दर्ज है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69, 352 और 351(3) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(ध), 3(2)(५) और 3(2)(५ं) के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

इन पुलिसकर्मियों ने की गिरफ्तारी

आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अजीत सिंह, हेड कांस्टेबल आनंद दूबे और कांस्टेबल आदित्य सिंह शामिल रहे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए विशेष कैंप, डीएम अनुपम शुक्ला ने बूथों का किया औचक निरीक्षण

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से छूटे पात्र नागरिकों तथा पहली बार मतदाता बनने जा रहे युवाओं के पंजीकरण के लिए जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदेय स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुपम शुक्ला ने लूर्दस कॉन्वेंट बालिका इंटर कॉलेज एवं राजकीय सिटी इंटर कॉलेज, गाजीपुर में आयोजित विशेष कैंपों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने लूदर्स कॉन्वेंट बालिका इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 231 से 237 तक कुल सात बूथों तथा राजकीय सिटी इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 254 से 259 तक कुल छह बूथों पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित बीएलओ से फार्म 6, 7, 8 के संबंध में जानकारी ली। मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की उपस्थिति में हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। इन हेल्प डेस्क के माध्यम से नागरिकों को मतदाता पंजीकरण से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

जिलाधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए पात्र नागरिकों को फॉर्म-6 भरना होगा। वहीं, मतदाता सूची में संशोधन एवं अन्य निर्धारित परिवर्तनों के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी मतदाता को अधिकतम 10 ही फॉर्म-7 उपलब्ध कराए जाएं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देशित किया कि युवा एवं महिला मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसी क्रम में जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा भी स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

रतनगढ़ माता मंदिर में नवमी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, सुरक्षा के लिए बसई से वाहनों की आवाजाही बंद

अरबिंद्र कुमार गुप्ता

मध्य प्रदेश: रतनगढ़ माता मंदिर पर पिछले वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष अभूतपूर्व जन सैलाब नवमी के दिन देखने मिल रहा है। अष्टमी की रात्रि की शुरूआत से ही पहली बार जिला पुलिस अधीक्षक ने बढ़ती हुई भीड़ को देख रात्रि 8:00 बजे से बसई चौराहे पर से ही सख्त निर्देशों के साथ नो व्हीकल जॉन घोषित कर दिया। बसई से रतनगढ़ माता मंदिर तक केवल पैदल यात्रा जारी है ड्यूटी में लगे कर्मचारियों तक को बसई की पार्किंग पर उनके वाहनों को रखवाया गया है। जवारे वाले चबूतरे पर जवारे चढ़ाया जा रहे हैं अनगिनत बारिया आज रतनगढ़ माई पर आ रही है। दीपावली की दूज पर आने वाली लकी भीड़ जैसा नजारा इस बार नवरात्रि की अष्टमी और नौवीं पर देखा जा रहा है। सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए रतनगढ़ माता मंदिर परिसर के लिए चाय दूल्हा देव वाली पार्किंग हो चाहे बसई की पार्किंग हो या अन्य पार्किंग आज सुबह से ही सभी पार्किंग फूल चल रही है जिधर तक नजर पसारो वाहन ही वाहन नजर आ रहे हैं इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार बाहरी श्रद्धालुओं की आवक अधिक है जबकि लोकल श्रद्धालुओं की आवक वमुश्किल 5 से 10 परसेंट देखी जा रही है।

धन्य है एसडीम सेवढ़ा अगर हम कहें की सेवढ़ा एसडीएम अशोक अवस्थी जी माई के अनन्य भक्त हैं और तन मन धन से समर्पित हैं। उन्हें इस क्षेत्र का बहुत पुराना अनुभव है उनकी लगन उनकी मेहनत उनकी दूर दृष्टि आज इतने बड़े लकी मेले का जो डाइट निर्वहन कर रही है हर किसी के बस की बात नहीं। श्रद्धालुओं की सुविधा सुरक्षा व्यवस्था से लेकर किसी भी प्रकार की परेशानी मैं के दरबार में आए भक्तों को ना हो इस हेतु हर छोटी से बड़ी व्यवस्था पर उनकी नजर है और कभी भी कहीं कोई परिवर्तन अगर व्यवस्था में करना है तो वह विवेक से त्वरित निर्णय लेने में सक्षम है। रतनगढ़ नदी पर श्रद्धालुओं की भीड़ के नजारे जो दीपावली दौज पर देखे जाते हैं इस बार अष्टमी एवं नवमी पर देखने मिल रहे हैं नदी में मगरों के मूवमेंट को देखते हुए भक्तों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए प्रशासन ने स्नान क्षेत्र में लगभग 300 मीटर लंबी जाली की व्यवस्था की है जिससे भक्तगण सुरक्षित स्नान कर सकें साथ ही घाट पर चेंजिंग रूम बनाए गए हैं सुरक्षा व्यवस्था का एक विशेष नदी के किनारे तैनात है आपदा प्रबंधन की टीम तैनात है रात्रि के पैर में लाइट की पर्याप्त व्यवस्था जो आने वाले श्रद्धालुओं को अकल्पनीय लग रहा है वास्तव में पिछले तीन वर्षों से रतनगढ़ माता मंदिर पर चाक-चौबंद व्यवस्थाएं देखने मिल रही हैं।पूरे जिले का प्रशासन माई की कृपा से उनकी सेवा में लगा है कुछ नए अधिकारी कर्मचारी भी लगे हैं जिन्हें रतनगढ़ पर आने वाली भीड़ का सही अंदाजा नहीं है तो वह लाखों की भीड़ देखकर अचंभित हो रहे हैं।

दशहरा और मूर्ति विसर्जन को लेकर दुधारा पुलिस अलर्ट, थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने दिए सुरक्षा निर्देश

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: आगामी दशहरा पर्व और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए दुधारा थाना परिसर में 18 अक्टूबर 2026 को पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में हुई बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने की। इसमें क्षेत्र के हल्का प्रभारी, चौकी प्रभारी और थाने व चौकियों पर तैनात पुलिसकर्मी शामिल हुए।

बैठक में त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, जुलूसों की निगरानी करने और मूर्ति विसर्जन को सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने पर चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि डीजे संचालकों और मूर्ति आयोजकों के साथ पहले ही बैठक कर शासन-प्रशासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जा चुकी है।

पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे पर अश्लील या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले गाने नहीं बजने चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विसर्जन स्थलों पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर व्यवस्था संभालने और अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिमाओं के साथ सुरक्षा निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

अपराध नियंत्रण और पुलिस कार्यप्रणाली की भी हुई समीक्षा

बैठक में त्योहारों की तैयारियों के साथ पुलिस के अन्य कार्यों की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने तथा ई-समन की तामील निर्धारित समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा, त्रिनेत्र अभियान के तहत प्रमुख स्थानों और चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया गया। पुलिस की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए यक्ष ऐप के उपयोग और उससे संबंधित प्रक्रियाओं पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दुधारा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि दशहरा और मूर्ति विसर्जन का पर्व आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भांडेर में निकली 12वीं चुनरी यात्रा, 20 हजार श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

तारिक अली

मध्य प्रदेश: भांडेर शारदीय नवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को पंचमी तिथि पर जय माई सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की मोंठ तहसील स्थित ध्वार की शीतला माता मंदिर से मध्य प्रदेश के दतिया जिले की भांडेर तहसील स्थित रामगढ़ काली मंदिर तक निकली इस यात्रा में अनुमानित 20 हजार श्रद्धालु शामिल हुए। यह आयोजन का 12वां वर्ष था। चुनरी यात्रा सुबह करीब सात बजे शीतला माता मंदिर से शुरू हुई। मंदिर के पुजारी रमेश पंडा ने मां रामगढ़ काली की तस्वीर, 201 मीटर लंबी चुनरी और पहुज नदी से लाए गए पांच कलशों का विधि-विधान से पूजन कराया। इसके बाद भजन और डीजे की धुन के बीच श्रद्धालु चुनरी लेकर भांडेर के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश क्षेत्र में जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत के साथ जलपान की व्यवस्था की गई। शाहजहांपुर थाना पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए मौजूद रही।

शाहपुर रपटा पहुंचने पर पहले से मौजूद महिलाओं ने पहुज नदी के जल से 351 कलश भरे। इसके बाद यात्रा ने भांडेर नगर में प्रवेश किया। नगर में जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने यात्रा में शामिल भक्तों को पानी, शरबत और फल वितरित कर स्वागत किया। भांडेर थाना प्रभारी सपना शर्मा ने भी थाना परिसर के सामने श्रद्धालुओं को पानी की बोतलें देकर जलसेवा की। इस बार शीतला माता मंदिर से रामगढ़ काली मंदिर तक करीब 12 किलोमीटर की यात्रा पूरी होने में लगभग दस घंटे लगे। यात्रा शाम पांच बजे रामगढ़ पहुंची, जहां 201 मीटर लंबी चुनरी मां काली को अर्पित की गई। आयोजकों के अनुसार, चुनरी को छोटी-छोटी चुनरियों में विभाजित कर नवरात्रि की नवमी पर आयोजित भंडारे में कन्याओं को भेंट किया जाएगा। यात्रा में 51 किलोग्राम की नींबू की माला भी आकर्षण का केंद्र रही। केवट और कुशवाहा समाज के युवकों द्वारा तैयार कराई गई इस माला को बग्घी पर सजाकर लाया गया और चुनरी अर्पित करने के बाद मां काली को समर्पित किया गया। विगत वर्षों की परंपरा के अनुसार रामगढ़ में जय मां भद्रकाली सेवा समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। आयोजकों के मुताबिक, इसमें 12 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोजन-प्रसादी ग्रहण की। चुनरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।

कावेरी बीज कंपनी के खिलाफ 23 अक्टूबर को रायपुर कार्यालय का घेराव करेंगे किसान, करीब 4 करोड़ रुपये के भुगतान का दावा

डॉक्टर कुमार सेन

छत्तीसगढ़: कावेरी बीज कंपनी से भुगतान नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए महासमुंद, रायपुर, बेमेतरा और बलौदाबाजार जिलों के किसान 23 अक्टूबर 2026 को रायपुर स्थित कंपनी के कार्यालय का घेराव करेंगे। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत), छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में यह निर्णय महासमुंद के पन्नालाल टावर में आयोजित बैठक के दौरान लिया गया। बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में शामिल किसानों का आरोप है कि कावेरी बीज कंपनी की ओर से कई किसानों और मजदूरों का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। किसानों के अनुसार, चार जिलों के सैकड़ों किसानों और मजदूरों की करीब चार करोड़ रुपये की राशि बकाया है। भुगतान नहीं होने के कारण किसानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते अब किसान महासमुंद से रायपुर पहुंचकर कंपनी के कार्यालय का घेराव करने की तैयारी कर रहे हैं।

किसानों ने बताया कि इससे पहले भी भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन किया गया था। 20 फरवरी 2026 को बड़ी संख्या में किसान और मजदूर ट्रैक्टरों के साथ महासमुंद से रायपुर स्थित धनेली के प्रसंस्करण प्लांट का घेराव करने निकले थे। हालांकि, प्रशासन ने बेलसोंडा के पास किसानों को समझाइश दी और समाधान का आश्वासन देकर उन्हें वापस भेज दिया था। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही का कहना है कि प्रशासन की ओर से आश्वासन मिलने के करीब सात महीने बाद भी किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ है और भुगतान भी नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने 8 अक्टूबर को कावेरी बीज कंपनी, रायपुर के सहायक संचालक को पत्र देकर 15 अक्टूबर तक भुगतान करने की मांग की थी। लेकिन संगठन के अनुसार, निर्धारित समय तक भुगतान को लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भुगतान नहीं मिलने से किसानों और मजदूरों में नाराजगी बढ़ रही है। अब उन्होंने 23 अक्टूबर को कंपनी के रायपुर कार्यालय का घेराव करने का फैसला किया है। किसानों की मांग है कि उनकी बकाया राशि का जल्द भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके। फिलहाल, कंपनी की ओर से इन आरोपों और बकाया भुगतान के संबंध में आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। अब देखना होगा कि किसानों के प्रस्तावित आंदोलन से पहले भुगतान को लेकर कोई समाधान निकलता है या 23 अक्टूबर को घेराव किया जाएगा।

गाजीपुर में बीसी सखियों की समस्याओं पर डीएम हुए सख्त, लंबित मानदेय और आईडी कार्ड जारी करने के दिए निर्देश

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: गाजीपुर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बीसी सखियों की समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बीसी सखियों के आईडी कार्ड, लंबित मानदेय, नए राष्ट्रीयकृत बैंकों से जोड़ने और मनरेगा मजदूरों के भुगतान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीसी सखियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने पंचायत भवनों में बीसी सखियों के बैठने की व्यवस्था दोबारा सुनिश्चित करने और आईडी कार्ड बनवाने के लिए आवश्यक फोटो व विवरण संबंधित ब्लॉक में जमा कराने के निर्देश दिए। बैठक में नए राष्ट्रीयकृत बैंकों को जोड़ने संबंधी शासनादेश के अनुपालन में हो रहे विलंब का मुद्दा भी उठाया गया। इस पर जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) को निर्देश दिए कि शासनादेश का जल्द अनुपालन सुनिश्चित करते हुए बीसी सखियों को संबंधित बैंकों से जोड़ने और उनकी ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही, मनरेगा मजदूरों के भुगतान का कार्य बीसी सखियों के माध्यम से कराने के विषय पर भी चर्चा हुई।

बैठक में सामने आया कि जनपद में कुल 1,017 सक्रिय बीसी सखियां कार्यरत हैं। इनमें से 705 को छह महीने का पूरा मानदेय मिल चुका है, जबकि अन्य बीसी सखियों का कुछ महीनों का मानदेय अभी लंबित है। वहीं, 104 बीसी सखियों के छह महीने का मानदेय बकाया है। अधिकारियों ने बताया कि शासन की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार बीसी सखियों को मानदेय प्राप्त करने के लिए प्रत्येक माह न्यूनतम 15 लेनदेन पूरे करना आवश्यक है। निर्धारित शर्त पूरी होने पर उन्हें मानदेय का भुगतान किया जाता है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद, डीसी एनआरएलएम वी.के. यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बीसी सखियां मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबरों व सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, स्वावलमंबन, सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के अन्तर्गत पुलिस विभाग द्वारा थाना बिरनो, भुड़कुड़ा, रामपुर मांझा, मोहम्मदाबाद, खानपुर, एवं जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले/कस्बो, बाजारों, स्कूल/कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक स्थलों आदि के आस-पास मिशन-शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिलाओं/बालिकाओं को जागरुक किया गया।

अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी महिलाओं एवं बच्चियों के सम्मान व सुरक्षा से संबंधित जारी हेल्प लाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102/108 एंबुलेंस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई पोर्टल, साइबर सुरक्षा से संबंधित, 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं ओटीपी, मीडिया लिंक, एस0एम0एस लिंक, वेबसाईट लिंक, एण्ड प्राइवेसी से संबंधित जानकारी दी गई, तथा नए कानून बी0एन0एस0, बी0एन0एस0स0 के बारे में भी जानकारी दी गई। स्थानीय थाने पर मिशन शक्ति केन्द्र आदि के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए पंफलेट आदि के माध्यम से जागरुक किया गया तथा महिला केन्द्रित विभिन्न सरकारी योजनाओं (निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, आयुष्मान योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना आदि) के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरुक किया गया।

त्योहारों से पहले परिवहन विभाग की सख्ती, 12 बसों के चालान से 1.56 लाख रुपये का जुर्माना

विजय कुमार

उत्तर प्रदेश: आगामी त्योहारों के दृष्टिगत यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद बलरामपुर में परिवहन आयुक्त महोदय, उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी महोदय, के निदेशों के क्रम में आज 17 अक्टूबर 2026 को यात्री बसों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बसों में आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट), अग्निशमन यंत्र, सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपकरणों, लाइटों तथा अन्य सुरक्षा मानकों की सघन जांच की गई। इसके अतिरिक्त बसों की छत पर निर्धारित सीमा से अधिक सामान लादने तथा चालकों द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाने की आशंका के दृष्टिगत ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से जांच की गई।

इस दौरान चालकों एवं परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा किसी भी परिस्थिति में नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 12 बसों का चालान करते हुए 1,56,000/- (एक लाख छप्पन हजार रुपये)की पेनाल्टी लगाई गई है।परिवहन विभाग ने बताया कि आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के चेकिंग एवं जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहेंगे। वाहन संचालकों एवं चालकों से अपील की गई है कि वे सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें तथा यात्रियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न करें।

दिल्ली में चलो यमुना के तहत सफाई अभियान, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से चलो यमुना (स्वच्छ यमुना प्रहरी) अभियान के तहत सफाई कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आईटीओ स्थित हाथी घाट पर यमुना किनारे आयोजित सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने नदी को स्वच्छ रखने के लिए आम लोगों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। अभियान में दिल्ली के हजारों युवाओं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने

अभियान में लोगों की भागीदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि यमुना स्वच्छता अभियान के आह्वान पर बड़ी संख्या में युवा और सामाजिक संगठन आगे आए हैं। दिल्ली में यमुना के पूरे किनारे पर लोग सक्रिय रूप से सफाई अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका होना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सफाई अभियान के दौरान नदी किनारे मिले कचरे का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां देवी-देवताओं के वस्त्र, टूटी हुई मूर्तियां और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल होने वाली कई वस्तुएं पड़ी थीं। लोग अक्सर पूजा-पाठ से जुड़ी सामग्री और अन्य अवशेष नदी में विसर्जित करने के लिए छोड़ देते हैं, जिससे यमुना प्रदूषित होती है। इसके अलावा, लोग प्लास्टिक और खाद्य पदार्थों के रैपर भी नदी किनारे फेंक देते हैं। रेखा गुप्ता ने लोगों से अपील की कि वे अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं और यह सुनिश्चित करें कि पूजा सामग्री, धार्मिक वस्त्र, टूटी मूर्तियां, प्लास्टिक या किसी अन्य प्रकार का कचरा यमुना में न पहुंचे। उन्होंने कहा कि नदी को स्वच्छ रखना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यमुना प्रदूषण के कई अन्य कारण हैं, जिन पर सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

देश-दुनिया से 40 हजार लोगों ने वेदांता मैराथन में हिस्सा लिया, दिल्ली में इस इवेंट का होना गर्व की बात: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को वेदांता हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 40 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। मैराथन को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हरी झंडी दिखाते हुए शुरू किया।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में हर साल इस इवेंट का होना गर्व की बात है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, वेदांता हाफ मैराथन में देश और दुनियाभर से 40 हजार लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें 10 हजार महिलाएं शामिल रहीं। यह खास इवेंट है और यह सिर्फ स्पोर्टिंग इवेंट नहीं है। इस इवेंट ने दिल्ली में ऐसा माहौल बनाया है, जिसमें लोगों ने समुदाय

के अलावा, सरहदों को तोड़ते हुए एक साथ कदम आगे बढ़ाए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, फिट इंडिया मूवमेंट, जिसे लेकर देश के प्रधानमंत्री हमेशा आह्वान करते हैं, आज दिल्ली उस ओर लगातार बढ़ रही है।

मैं इस इवेंट के आयोजकों को बहुत बधाई देती हूं, जिन्होंने इस इवेंट को दिल्ली का फीचर बनाया। दिल्ली में हर साल इस इवेंट का होना हमारे लिए गर्व की बात है। मैं इस मैराथन में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देती हूं। आरजे नावेद भी इस मैराथन का हिस्सा बने। उन्होंने पत्रकारों से कहा, इस बार मुझे दिल्ली का उत्साह दस गुना ज्यादा लग रहा है।

युवाओं को रामायण की सकारात्मकता और मूल्यों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए: तरनजीत सिंह संधू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लाल किला मैदान में चल रही लव कुश रामलीला में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शामिल हुईं। लाल किला की यह रामलीला हर साल बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करती है। इस मौके पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा, यह लाल किले की रामलीला है, और हम रामायण से तथा भगवान राम द्वारा स्थापित राम राज्य की अवधारणा से बहुत प्रेरणा लेते हैं।

हम दिल्ली के लोगों की समस्याओं को हल करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और अंततः राम राज्य की ओर बढ़ रहे हैं। रामायण और भगवान राम ने पूरी दुनिया को जो प्रेरणा दी है, वह आज भी प्रासंगिक है। हमारे युवा, जो दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी हैं, उन्हें रामायण की सकारात्मकता और मूल्यों से

प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। वहीं अभिनेता मनीष चतुर्वेदी ने कहा, युवा पीढ़ी को जरूर रामलीला में आना चाहिए। हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के दौरान जिस तरह की गाली-गलौज और अश्लील भाषा का इस्तेमाल हुआ, उसे देखते हुए हमारे युवाओं में अपार क्षमता और ऊर्जा है। उनमें देश के लिए बहुत कुछ करने का जुनून और काबिलियत है, उन्हें सिर्फ सही दिशा और मार्गदर्शन की जरूरत है, जो रामलीलाओं और भगवान राम के चरित्र के माध्यम से मिल सकता है। इसलिए मैं युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे जरूर रामलीला में आएं, उसे देखें और भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। दिल्ली के लाल किले के पास और मैदानों में रामलीला का आयोजन ऐतिहासिक रूप से 100 से अधिक वर्षों से श्री धार्मिक लीला कमेटी द्वारा किया जा रहा है।

महापौर प्रवेश वाही ने यमुना सफाई अभियान में किया श्रमदान

12**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आह्वान पर वजीराबाद स्थित राम घाट पर आयोजित यमुना सफाई अभियान में श्रमदान किया। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, नगर निगम अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। महापौर ने बताया कि दिल्ली के 70 घाटों पर नागरिकों के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि यमुना को स्थायी रूप से स्वच्छ बनाने के लिए केवल विशेष अभियानों तक सीमित रहने के बजाय प्रतिदिन सफाई और संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि यमुना नदी देश की आस्था, संस्कृति और जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। इसकी स्वच्छता और संरक्षण प्रत्येक दिल्लीवासी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभियान में शामिल स्थानीय निवासियों, स्वयंसेवकों और सफाई

कर्मचारियों का आभार जताते हुए कहा कि यमुना तटों की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास जारी रहेंगे। महापौर ने पिछली सरकारों पर यमुना की सफाई को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं देने का आरोप भी लगाया।

दिल्ली भाजपा प्रमुख मल्होत्रा ने लिया सफाई अभियान में हिस्सा

यमुना प्रदूषण को लेकर केजरीवाल की आलोचना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को यमुना घाट पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान वह नदी की सफाई के लिए कोई ठोस योजना नहीं बना पाई। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी से होकर बहने वाली यमुना के 33 किलोमीटर के हिस्से को साफ करने की योजना तैयार की है। उन्होंने कहा, दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद, रेखा जी के नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली से होकर बहने वाली यमुना नदी के 33 किलोमीटर के हिस्से को साफ करने की योजना बनाई। केजरीवाल के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने यमुना के नाम पर सिर्फ राजनीति की और लोगों को यह भरोसा दिलाकर गुमराह किया कि वे इसे साफ कर देंगे। पिछली सरकार पर अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए मल्होत्रा ने कहा कि लोगों को भरोसा दिलाया गया था कि नदी को साफ किया जाएगा, लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी कोई ठोस नतीजा नहीं

निकला। उन्होंने कहा, लोग उनकी बातों में आ गए, लेकिन जब पांच साल बाद भी यमुना साफ नहीं हुई, तो उन्होंने माफी मांगी और अगले पांच साल में इसे साफ करने का वादा किया। जब वह समय आया, तो उन्होंने फिर वही काम किया, क्योंकि उन्होंने कभी इसके लिए कोई योजना बनाई ही नहीं थी। हर्ष मल्होत्रा ने पिछली दिल्ली सरकार की ओर से नदी की सफाई के लिए केंद्र से मिले फंड के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार को लगभग 2,900 करोड़ रुपए दिए थे। मल्होत्रा ने आगे कहा, मोदी जी की केंद्र सरकार की ओर से केजरीवाल सरकार को दिए गए लगभग 2,900 करोड़ रुपए के साथ भी कोई ठोस कार्य योजना नहीं जुड़ी थी।

रामलीला कमेटियों ने वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट हरीश गोला को किया सम्मानित

नई दिल्ली। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की असीम कृपा से दिल्ली में आयोजित भव्य रामलीला समारोहों में वरिष्ठ समाजसेवी एवं हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई एकता अमन कमेटी के संगठन सचिव एडवोकेट हरीश गोला को सादर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। रामलीला कमेटियों के पदाधिकारियों एवं आयोजकों ने उन्हें शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान प्रदान किया। वहीं, श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी की ओर से उन्हें कामधेनु गाय एवं बछड़े की प्रतिमा भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। एडवोकेट हरीश गोला ने श्री गणेश नगर कला संगम रामलीला कमेटी (रजि.) द्वारा आयोजित 41वें भव्य श्रीरामलीला

मंचन तथा शकरपुर स्थित रामलीला मैदान में श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला मंचन का अपने मित्रों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ अवलोकन किया। प्रभु श्रीराम, माता सीता, भ्राता लक्ष्मण एवं परम भक्त हनुमान जी की दिव्य लीलाओं के दर्शन कर उन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव व्यक्त किया। श्री गणेश नगर कला संगम रामलीला कमेटी (रजि) के आयोजन में वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी श्री बी.बी. त्यागी, समाजसेवी श्री कौशल कपूर, पांडव नगर निवासी श्री नरेश शर्मा, आयोजन समिति के सदस्य एवं समाजसेवी मोहम्मद शमी, श्रीमती प्रियंका चौधरी, चेयरमैन श्री रामनाथ बिट्टू भाई तथा वरिष्ठ महामंत्री श्री रविंदर शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री धार्मिक रामलीला दक्षिण दिल्ली में विभीषण, रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण मूर्छा का भावपूर्ण मंचन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के चिराग दिल्ली स्थित श्री धार्मिक रामलीला दक्षिण दिल्ली में विभीषण शरणागति, सेतु बंधन, रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण मूर्छा के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। इन प्रसंगों ने सभी भक्तगणों को भावविभोर कर दिया। कलाकारों के सजीव अभिनय और प्रभावशाली संवादों ने रामायण के आदर्शों, धर्म, भक्ति, साहस और मयार्दा को मंच पर जीवंत कर दिया। मुख्य संरक्षक राकेश गुलिया ने बताया कि आयोजन में भारतीय परंपराओं के साथ पर्यावरण संरक्षण

के संदेश को भी प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में पूर्व निगम पार्षद सुनीता गुलिया, प्रधान आनंद जैन, सोमनाथ मुखर्जी, कपिल शर्मा, सुदन गुप्ता, प्रदीप तेवतिया, धर्मेंद्र गुलिया, वरुण सुदन, जितेंद्र अहलावत, विक्रांत गुलिया और मीडिया प्रभारी भूपेश गुप्ता सहित रामलीला कार्यकारिणी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सत्या शर्मा ने यमुना सफाई अभियान में किया श्रमदान, नागरिकों से यमुना प्रहरी बनने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आह्वान पर चलो यमुना अभियान के तहत सोनिया विहार स्थित ढाई पुस्ता पर आयोजित स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया। उन्होंने नागरिकों से यमुना की स्वच्छता और संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। अभियान में दिल्ली प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष कौशल मिश्रा, निगम पार्षद अनिल गौड़, युवाओं,

स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। सभी ने यमुना के घाटों और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। सत्या शर्मा ने कहा कि यमुना दिल्ली की जीवनरेखा होने के साथ करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र भी है। इसकी स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से घाटों पर कचरा नहीं फैलाने, प्लास्टिक और पूजा सामग्री नदी में प्रवाहित नहीं करने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का आग्रह किया।

एचएनजीआईएल की नई भट्ठी शुरू, क्षमता होगी दोगुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल ग्लास एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एचएनजीआईएल) ने बहादुरगढ़ स्थित अपने संयंत्र में नई भट्ठी संख्या 4 चालू कर दी है। संयंत्र के विस्तार पर 280 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, जिससे उत्पादन क्षमता 300 टन से बढ़कर 600 टन प्रतिदिन हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूरी की गई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक कुमार कृष्णन ने कहा कि निर्धारित समय पर भट्ठी चालू होना बहादुरगढ़ की टीम के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को प्रत्येक चरण में जाँच करने के निर्देश दिए हैं। कुल निवेश में अगले तीन वर्षों के दौरान 180 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय और 100 करोड़ रुपये का परिचालन व्यय शामिल है। कंपनी को इस विस्तार से उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होने की भी उम्मीद है।

राजनेताओं को सद्बुद्धि देने के लिए नवरात्र पूजन, कालरात्रि और महागौरी की आराधना

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा के गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में 125वें नवरात्र महोत्सव के आठवें दिन मां कालरात्रि और मां महागौरी का संयुक्त पूजन किया गया। स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित पूजा में राजनेताओं को सद्बुद्धि देने और समाज को भयमुक्त बनाने की प्रार्थना की गई। सद्गुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि जातिगत भेदभाव, धार्मिक उन्माद और जनहित की उपेक्षा जैसी समस्याओं से मुक्ति के लिए शक्ति की आराधना का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक साधना से मन को शांति और भय से मुक्ति पाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में यशराज योगी की भेंटों पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। देवी-देवताओं पर आधारित नृत्य-नाटिका में बालिका वामिका खन्ना ने मां शेरावाली का स्वरूप धारण कर मनमोहक प्रस्तुति दी। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी अमित शर्मा ने भी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। सामूहिक दुर्गा चालीसा पाठ, फलाहार भंडारे और प्रसाद वितरण के साथ धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ।

हादसे के बाद शुरूआती मदद से बच सकती है जान, यशोदा मेडिसिटी में 100 लोगों को प्रशिक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क दुर्घटना हो या कोई अन्य गंभीर हादसा, घायल व्यक्ति की जान बचाने में शुरूआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। दुर्घटना के बाद समय पर सहायता मिलना और घायल को सही तरीके से संभालना उसके जीवन की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। हालांकि, जानकारी और प्रशिक्षण के अभाव में कई बार लोग घटनास्थल पर मौजूद होने के बावजूद घायल की प्रभावी सहायता नहीं कर पाते। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए यशोदा

मेडिसिटी ने विश्व आघात दिवस के अवसर पर भारतीय आघात एवं तीव्र चिकित्सा देखभाल संस्था के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें करीब 100 लोगों को दुर्घटना के समय प्राथमिक सहायता देने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, राहत एवं बचाव कार्यों से जुड़े कर्मचारियों, समुदाय के सदस्यों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य लोगों को दुर्घटना के समय घबराने के बजाय स्थिति का सुरक्षित आकलन करने, आपातकालीन सहायता बुलाने और चिकित्सकीय दल के पहुंचने तक घायल व्यक्ति को आवश्यक शुरूआती मदद देने के लिए तैयार करना था।

एक नजर

भाजपा ने 2030 तक यमुना को स्नान योग्य बनाने का संकल्प लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान का समापन रविवार को यमुना तट सफाई अभियान के साथ हुआ। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने गांधी नगर के पास यमुना तट की सफाई की। उन्होंने 2030 तक यमुना को स्नान योग्य बनाने का संकल्प लिया। दिल्ली सह-प्रभारी दर्शना जरदोश, चिल्ला गांव घाट पर संगठन महामंत्री पवन राणा और प्रदेश महामंत्री मोहन लाल गिहारा ने प्लास्टिक मुक्त निर्मल यमुना बनाने पर जोर दिया। सांसद मनोज तिवारी ने सोनिया विहार ढाई पुश्ता, योगेंद्र चंदोलिया ने सैनी मंदिर रैंप नंबर 2 के पास, रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कालिंदी कुंज, बांसुरी स्वराज ने राम घाट-1, प्रवीण खंडेलवाल ने यमुना बाजार घाट, राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने प्रथम पुश्ता पर सफाई की। प्रदेश महामंत्रीविष्णु मित्तल ने आईटीओ और योगिता सिंह ने यमुना बैंक में तट की सफाई की।

झंझारपुर के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों के समय यात्रियों की सुविधा के लिए शकूर बस्ती से झंझारपुर के लिए विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 04410 शकूर बस्ती से 5 से 14 नवंबर (8 और 9 नवंबर छोड़कर) तक दोपहर 1 बजे चलकर अगली शाम 4 बजे झंझारपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04409 झंझारपुर से 6 से 15 नवंबर (9 और 10 नवंबर छोड़कर) तक शाम शाम 6.15 बजे चलकर अगली रात 1.40 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी।

रावण-अंगद संवाद व लक्ष्मण मूर्छा संवाद की लीला का हुआ मंचन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ग्राउंड नजदीक रेडिसन होटल पश्चिम विहार में आयोजित प्रभु श्रीराम की भव्य लीला में आज रावण- अंगद संवाद व लक्ष्मण मूर्छा की लीला का भव्य मंचन हुआ। पश्चिम विहार रामलीला कमेटी के चेयरमैन योगेश शर्मा टीटू, प्रधान भारत भूषण दुआ व महामंत्री अशवनी बागडी के अनुसार क्षेत्र के जाने माने समाजसेवी एवं रामलीला कमेटी के मुख्य प्रेरणा स्रोत नरेश कुमार ऐरन सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आज गणेश पूजन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा रामलीला के प्रमुख दृश्य भी मंचित किए गए। आगामी 20 अक्टूबर को भव्य दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा। लीला आयोजन में पवन सोनी,राजेंद्र कात्याल, आशीष खंडेलवाल, संजय त्यागी, गौरव अग्रवाल प्रकाश चंद जैन सतीश राम गोयल का विशेष योगदान रहता है। रामलीला कमेटी के महामंत्री अश्वनी बागड़ी ने मंच संचालन किया। उन्होंने कहा कि 1981 से निरंतर रामलीला महोत्सव आयोजित किया जा रहा।

नॉरसेट-11 के परिणाम पर अभ्यर्थी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स नॉरसेट-11 मुख्य परीक्षा के परिणाम को लेकर एक अभ्यर्थी ने अंकों में गड़बड़ी की आशंका जताई है। अभ्यर्थी ने परीक्षा अधिकारियों को ईमेल भेजकर अपने अंकों की दोबारा जांच करने और मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट करने की मांग की है। अभ्यर्थी के अनुसार, 30 सितंबर 2026 को आयोजित मुख्य परीक्षा में अपने उत्तरों का मिलान करने के बाद उसे करीब 110 अंक मिलने की उम्मीद थी। हालांकि, घोषित परिणाम में उसे 83 अंक और 51.97 प्रतिशत अंक मिले हैं। अंकों में इस अंतर को लेकर अभ्यर्थी ने सवाल उठाए हैं। अभ्यर्थी ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उसके परिणाम और अंकों की गणना की दोबारा जांच की जाए।

समालखा में 79वें निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ अंतिम चरण में

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस समागम में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में होगा।

संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि समागम की व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित ढंग से की जा रही हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुचारु आवागमन और आयोजन के बेहतर संचालन के लिए पूरे परिसर को चार प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। संतों और स्वयंसेवकों द्वारा निस्वार्थ भाव से सेवा करते हुए परिसर को व्यवस्थित रूप दिया जा रहा है। समागम का उद्देश्य ब्रह्मज्ञान, प्रेम, भक्ति और सेवा के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना को जागृत करना है। इस अवसर पर श्रद्धालु सत्संग में भाग लेकर आत्मिक शांति और परमात्मा से जुड़ने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी महाविद्यालय (सांध्य) में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। संस्कृत विभाग, वैश्विक संस्कृत मंच (दिल्ली प्रांत) और दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन में देश-विदेश के करीब 180 विद्वानों, शिक्षकों और शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। नौ सत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि विजय शंकर ने गणित, आयुर्वेद, ज्योतिष, अंतरिक्ष और दर्शन के क्षेत्र में भारत के योगदान का उल्लेख किया।

शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त निदेशक डॉ. शुभंकर मिश्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम से जोड़ने और समालोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्या प्रो. कृष्णा शर्मा ने की।

आईआईवीआर में जीनोम एडिटिंग लैब, बीएसएल-3 प्रयोगशाला और स्पीड ब्रीडिंग सुविधा शुरू

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. मांगी लाल जाट ने भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) वाराणसी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में बीएसएल-3 प्रयोगशाला और स्पीड ब्रीडिंग सुविधा का उद्घाटन किया, जबकि निमार्णाधीन जीनोम एडिटिंग प्रयोगशाला के शिलान्यास के लिए भूमि पूजन किया । इन आधुनिक सुविधाओं से सब्जी फसलों की

उन्नत किस्मों के विकास, अनुसंधान कार्यों में तेजी और रोग-कीट प्रतिरोधी तथा जलवायु-अनुकूल किस्में तैयार करने में मदद मिलेगी। दौरे के दौरान आईसीएआर के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. राजवीर सिंह तथा सहायक महानिदेशक (फसल एवं बागवानी विज्ञान) डॉ. सुधाकर पांडेय भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों ने संस्थान परिसर में रक्तचंदन का पौधा रोपित किया। जीनोम एडिटिंग से विकसित होंगी उन्नत किस्में संस्थान परिसर में निमार्णाधीन जीनोम एडिटिंग प्रयोगशाला सब्जी फसलों के आनुवंशिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके माध्यम से उच्च उत्पादकता, बेहतर पोषण गुणवत्ता, रोग एवं कीट प्रतिरोध तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल किस्मों के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। बीएसएल-3 प्रयोगशाला से सुरक्षित अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा संस्थान में स्थापित बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया गया। यह अत्याधुनिक सुविधा निर्धारित जैव सुरक्षा मानकों के तहत उन्नत अनुसंधान कार्यों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएगी।

इससे संस्थान की अनुसंधान क्षमता को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बरेका में दशहरा पर होगा रावण दहन, खड़े किए गए विशालकाय पुतले, रामायण के प्रसंगों का होगा मंचन

वाराणसी, एजेंसी। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक विजयदशमी पर्व को लेकर बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के मैदान में रावण दहन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मैदान में रावण, मेघनाद और कुंभकरण के विशाल पुतलों को खड़ा कर दिया गया है। पुतलों के तैयार होने के साथ ही आयोजन स्थल पर उत्सवी माहौल बनने लगा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। दर्शकों की सुरक्षा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मैदान में बैरिकेडिंग की गई है। चार

घंटे के नाट्य मंचन में दिखे रामायण के प्रसंग रावण दहन से पहले बरेका मैदान में रामायण पर आधारित लगभग चार घंटे के नाट्य रूपांतरण का मंचन किया गया। इसमें भगवान श्रीराम के जीवन, सीता हरण, रावण के अत्याचार और लंका विजय से जुड़े प्रसंग प्रस्तुत किए गए। मंचन के माध्यम से दर्शकों को सत्य, धर्म और मयार्दा का संदेश दिया गया। विजयदशमी पर रावण दहन इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहता है।

बीएलडब्ल्यू-नेवादा में दुकान का ताला तोड़कर 12 लाख की चोरी

गार्ड से मारपीट और सीसीटीवी कैमरे तोड़े, पीड़ित ने पुलिस पर कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

वाराणसी, एजेंसी। चितईपुर थाना क्षेत्र के बीएलडब्ल्यू-नेवादा में हरशंकरानंद अस्पताल के पास स्थित श्रीराम ग्लास एंड प्लाई और रॉयल पेट मार्ट में तोड़फोड़ कर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। दुकानदार ने करीब दो दर्जन लोगों पर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसने, सुरक्षा गार्ड से मारपीट करने और नकदी, लैपटॉप सहित करीब 12 लाख रुपये का सामान चोरी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने चितईपुर थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में एसीपी भेलूपुर ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है। गार्ड से मारपीट कर दुकान में घुसने का आरोप केदार नगर कॉलोनी निवासी दुकानदार जयप्रकाश चौरसिया और ओमप्रकाश चौरसिया के अनुसार, दुकान पर सुरक्षा गार्ड ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान करीब दो दर्जन लोग वहां पहुंचे और कथित तौर पर गार्ड के साथ मारपीट करने लगे। जान बचाने के लिए गार्ड वहां से भाग निकला। इसके बाद आरोपितों ने दुकान का ताला तोड़कर शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए और अंदर प्रवेश कर गए। दुकानदार का आरोप है कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए गए। नकदी और लैपटॉप ले जाने का दावा जयप्रकाश चौरसिया ने आरोप लगाया कि दुकान के

कैश काउंटर में रखी नकदी, एप्पल कंपनी का लैपटॉप और अन्य महंगे सामान चोरी कर लिए गए। उनके मुताबिक, चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 12 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी कैमरे क्षतिग्रस्त होने से पहले की घटना के कुछ अंश रिकॉर्ड हुए हैं। करीब दो से तीन मिनट की फुटेज सुरक्षित होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि इससे घटना की जांच में मदद मिल सकती है। पुराने विवाद से जोड़कर जताई आशंका ओमप्रकाश चौरसिया ने बताया कि सुरेंद्र, महेंद्र और नागेंद्र पटेल के साथ उनका विवाद चल रहा है, जिसका मामला न्यायालय में लंबित है। दुकानदार ने इसी विवाद के बीच दुकान को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई है।

राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना में पंजीकरण में एक दिन और मिला, 19 अक्टूबर तक होगा रजिस्ट्रेशन

मुरादाबाद, एजेंसी। राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत पंजीकरण कराने की तिथि एक दिन और बढ़ाकर 19 अक्टूबर तक कर दी गई है। इस योजना के तहत अधिक से अधिक युवाओं को प्रतिशित किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) मृणाली अविनाश जोशी ने रविवार को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के वित्तीय वर्ष

2026-27 में योजना के तहत 2,800 पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसकी तुलना में अभी तक 222 प्रशिक्षणार्थियों का पंजीकरण हुआ है। इसके अतिरिक्त, भारत कौशल प्रतियोगिता-2026 के लिए जिले में 1465 युवाओं का पंजीकरण कराया जा चुका है। सीडीओ ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर अधिक से अधिक पात्र युवाओं का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए हैं।

एक नजर

घरेलू विवाद के बाद अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान

हाथरस, एजेंसी। उत्तर प्रदेश हाथरस जनपद में थाना सदर क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते 40 वर्षीय व्यक्ति ने संदिग्ध हालत में बीती रात शनिवार फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की। सदर कोतवाल योगेश कुमार ने रविवार को बताया कि मूल रुप से सहपऊ क्षेत्र के नगला मनी गांव के निवासी गिरिराज (40) पुत्र रामनिवास कुछ समय से गिजरौली में किराए के मकान में परिवार के साथ रह रहे थे। बीती रात उन्होंने संदिग्ध हालत में फांसी लगा ली। इस सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों से पूछताछ की। कोतवाल ने बताया कि परिजनों के मुताबिक मृतक शराब पीने की आदी थे, जिसको लेकर घर में अक्सर विवाद होता था। बीती देर रात करीब 12 बजे शराब पीने से मना करने पर गिरिराज की पत्नी से कहासुनी हो गई। इसके बाद वह घर के एक कमरे में चले गए। जहां उन्होंने फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे छह बच्चों को छोड़ गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का स्पष्ट पता रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

हाथरस, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के सिथरौली गांव के पास रविवार सुबह सड़क हादसे में 32 वर्षीय बाइक सवार राहुल कुमार की मौत हो गई। वह नया बास, शाहपुर कलां गांव का निवासी था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। राहुल कुमार जयपुर में अपनी बीमार बहन को देखकर घर लौट रहा था। रविवार सुबह हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद वह बाइक से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान सुबह करीब 6:30 बजे खेड़ा चतुर्भुज और सिथरौली के बीच किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बाइक सवार दीवार से टकराया मौके पर मौत

बागपत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत के सहवानपुर गांव के पास शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। मृतक की पहचान गाजियाबाद के निठारी गांव निवासी चेतन (26) पुत्र बबलू के रूप में हुई है। चेतन चिरोड़ी, गाजियाबाद में रहकर पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। शनिवार- रविवार रात वह ललियाना मेले में रागनी कंपटीशन देखने गया था। वहां से बाइक से चिरोड़ी लौटते समय सहवानपुर गांव के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रविवार भोर में करीब तीन बजे गांव के सतबीर ने चेतन को बाइक के पास पड़ा देखा। उन्होंने ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची चांदीनगर पुलिस ने युवक की जांच की और उसके पास मिले आधार कार्ड से पहचान की। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए बागपत भेज दिया। चांदीनगर थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिली थी मौके पर जाकर देखा तो बाइक सवार युवक पड़ा हुआ था। उसे बागपत अस्पताल भेजा गया लेकिन डॉक्टरों ने से मृत घोषित कर दिया।

मानसिक बीमारी से परेशान व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के नवीन नगर में मानसिक बीमारी से परेशान 55 वर्षीय सुरेश चंद्र सोनी (55) पुत्र रमेश चंद्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। वे काफी दिनों से मानसिक बीमारी से परेशान थे और उनका इलाज चल रहा था। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र दिया है। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात वह अपनी पत्नी गीता सोनी के साथ घर पर थे। दोनों रातभर जागते रहे और आपस में बातचीत करते रहे। रविवार सुबह करीब पांच बजे सुरेश चंद्र ने पत्नी से कमरे के अंदर सोने की कोशिश करने की बात कही। इसके बाद वह कमरे के अंदर चले गए और पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी।घटना के समय उनके बेटे शिवम सोनी और बेटी अंशिका सोनी नौकरी के सिलसिले में नोएडा में थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार राजपूत ने बताया कि सुरेश चंद्र मानसिक रूप से बीमार रहते थे और उनका इलाज चल रहा था। परिजनों के अनुसार, उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

अमेठी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जामो थाना क्षेत्र में बीती रात तेज रफ्तार पल्सर मोटरसाइकिल की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद घायल बुजुर्ग को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जामो पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जामो थाना क्षेत्र के कटारी गांव निवासी दानबहादुर (70) साइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही पल्सर मोटरसाइकिल के चालक अमलेश पुत्र कामता प्रसाद, निवासी सूखीबाजगढ़, थाना जामो ने कथित तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दानबहादुर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तत्काल एंबुलेंस से सीएचसी जामो ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बुजुर्ग की मौत की खबर से परिजनों में शोक छा गया। जामो थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि मृतक के पुत्र अशोक कुमार की तहरीर पर जामो पुलिस ने मोटरसाइकिल चालक अमलेश के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा में मुकदमा दर्ज किया है।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत 251 कन्याओं को कराया कन्या भोज

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के आदेश एवं निर्देशन के अनुपालन में मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत फफूंद थाना क्षेत्र के चमनगंज स्थित मां दुर्गा के पंडाल में रविवार को कन्या भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महिला थानाध्यक्ष पूजा सिंह राठौर ने पुलिस टीम के साथ 251 कन्याओं को कन्या भोज कराया। कार्यक्रम के दौरान महिला थानाध्यक्ष पूजा सिंह राठौर ने कन्याओं के माथे पर चुनरी बांधकर उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद सभी कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। कार्यक्रम में कन्याओं और उपस्थित लोगों में उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर महिला थानाध्यक्ष पूजा सिंह राठौर ने मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण का संदेश दिया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में महिला थानाध्यक्ष पूजा सिंह राठौर के साथ महिला थाना पुलिस स्टाफ एवं जनप्रतिनिधि

मौजूद रहे। मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

सीर गोवर्धन स्थित रविदास मंदिर के आसपास छुट्टा पशुओं का जमावड़ा, हादसों का खतरा

वाराणसी, एजेंसी। सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर के आसपास छुट्टा पशुओं का जमावड़ा राहगीरों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। मंदिर के आसपास और सड़क पर बड़ी संख्या में पशुओं के घूमने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। अचानक सड़क के बीच में आ जाने वाले पशुओं के कारण वाहन चालकों को संभलकर चलना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की आशंका जताते हुए नगर निगम से समस्या के समाधान की मांग की है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, कुछ पशुपालक अपने पशुओं को खुले में छोड़ देते हैं। इसके कारण पशु दिनभर सड़क और मंदिर के आसपास घूमते रहते हैं। कई बार पशुओं के सड़क पर आ जाने से वाहन चालकों को रास्ता बदलना पड़ता है। इससे यातायात प्रभावित होने के साथ ही दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। संत रविदास मंदिर क्षेत्र धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में सड़क पर छुट्टा पशुओं की मौजूदगी लोगों के लिए अतिरिक्त परेशानी खड़ी कर रही है। मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को भी इन पशुओं के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ पशु कभी-कभी आक्रामक हो जाते हैं। उनके अचानक दौड़ने या आपस में भिड़ने से आसपास मौजूद लोगों के चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए सड़क पर घूमते पशुओं के बीच से गुजरना विशेष रूप से जोखिम भरा हो सकता है।

एयर शो से पहले काशी पहुंचा वायुसेना का विशालकाय चिनूक हेलिकॉप्टर, गंगा के ऊपर रिहर्सल, गरजेंगे राफेल-सुखोई

वाराणसी, एजेंसी। गंगा के ऊपर भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनने के लिए काशी तैयार हो रही है। एयर शो से पहले वायुसेना का विशालकाय चिनूक हेलीकॉप्टर वाराणसी पहुंच गया है। इसके साथ ही नमो घाट पर होने वाले विंग्स ओवर गंगा एरियल डिस्प्ले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 22, 24 और 25 अक्टूबर को प्रस्तावित एयर शो में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस और प्रचंड जैसे विमानों की ताकत के साथ सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के रोमांचक हवाई करतब देखने को मिलेंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग युद्ध स्तर पर जुटे हैं। भीड़ प्रबंधन से लेकर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और स्वास्थ्य सेवाओं तक की व्यवस्था तैयार की जा रही है।

एयर शो में करीब 30 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत विशिष्ट अतिथियों के आगमन को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। गंगा किनारे के इलाकों को समतल कराया जा रहा है, जबकि दर्शकों की सुविधा के लिए सेक्टर और जोन बनाकर भीड़ प्रबंधन की योजना तैयार की जा रही है। चिनूक की एंट्री से बढ़ा उत्साह, नमो घाट पर तैयारियां तेज एयर शो से पहले चिनूक हेलीकॉप्टर के वाराणसी पहुंचने से आयोजन को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। भारी वजन उठाने और सैन्य अभियानों में अपनी क्षमता के लिए पहचाना जाने वाला यह हेलीकॉप्टर वायुसेना के प्रमुख परिवहन हेलीकॉप्टरों में शामिल है। इसके आगमन के साथ ही काशी में हवाई प्रदर्शन की तैयारियां चर्चा में आ गई हैं। नमो घाट और गंगा किनारे के क्षेत्रों में आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए संबंधित विभाग समन्वय से काम कर रहे हैं। मंडलायुक्त बोले-मुकम्मल तैयारी की जा रही मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने बताया कि एयर शो को लेकर मुकम्मल तैयारी की जा रही है। भीड़ प्रबंधन, विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही, स्वास्थ्य, पेयजल, पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुरादाबाद मंडल में 107 केंद्रों पर होगी पीईटी 2026 परीक्षा

तीन दिनों में 2.80 लाख अभ्यर्थी होंगे शामिल

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के लिए मुरादाबाद मंडल के चार जिलों में 107 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। 25 और 30 अक्टूबर तथा 01 नवंबर को प्रस्तावित परीक्षा में कुल छह पालियों के दौरान 2,80,656 अभ्यर्थियों के शामिल होने की व्यवस्था की गई है। परीक्षा की तैयारियों को लेकर रविवार को मंडलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक हुई, जिसमें केंद्रों की व्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि परीक्षा प्रत्येक निर्धारित तिथि पर दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली अपराह्न तीन बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित है। इस तरह तीन दिनों में छह पालियों में परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। मुरादाबाद में सबसे अधिक 52 केंद्र जिला विद्यालय निरीक्षक रितु तोमर के अनुसार, मुरादाबाद जिले में परीक्षा के लिए 52 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। यहां 23,352 अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने की व्यवस्था की गई है। वहीं, बिजनौर में 23 केंद्रों पर 10,656, रामपुर में 17 केंद्रों पर 5,664 और अमरोहा में 15 केंद्रों पर 7,104 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

काशी में दुर्गोत्सव की अनूठी छटा, कहीं 18 फीट की दुर्गा प्रतिमा तो कहीं सिंदूरदान की परंपरा, पंडालों में उमड़ रहे श्रद्धालु

वाराणसी, एजेंसी। धर्म और संस्कृति की नगरी काशी में शारदीय नवरात्र के अवसर पर दुर्गा पूजा की छटा देखते ही बन रही है। शहर के अलग-अलग पूजा पंडालों में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही हैं। कहीं बंगाल की पारंपरिक मूर्तिकला और पूजा पद्धति के दर्शन हो रहे हैं तो कहीं वर्षों पुरानी धार्मिक परंपराएं निभाई जा रही हैं।

भेलूपुर स्थित जिम स्पोर्टिंग क्लब में मां दुर्गा की 18 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है, जबकि नवापुरा स्थित माता लक्ष्मी दुर्गा पूजा नवयुवक समिति के पंडाल में सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूरदान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एकचाला प्रतिमा और चांदी के आभूषण आकर्षण भेलूपुर के जिम स्पोर्टिंग क्लब में वर्ष 1960 से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा चली आ रही है। इस बार यहां लगभग 18 फीट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। बंगाल की पारंपरिक शैली में बनी एकचाला प्रतिमा में मां दुर्गा के साथ अन्य देवी-देवताओं के स्वरूप भी एक ही कलात्मक संरचना में समाहित हैं। प्रतिमा को चांदी के मुकुट और आभूषणों से सजाया गया है। मां के मस्तक पर सुशोभित चांदी का मुकुट और चंद्रमा विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। यहां बंगाली विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया जा रहा है। दर्शन के लिए श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं। पंडाल में प्रसाद वितरण और भंडारे की व्यवस्था भी की गई है।

बीएचयू के समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र में मेहंदी प्रशिक्षण का समापन, 50 प्रतिभागियों को मिले प्रमाण-पत्र

वाराणसी, एजेंसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय स्थित समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र की ओर से आयोजित ह्यमेहंदी प्रशिक्षण-बेसिक से ब्राइडलह्ण कार्यक्रम का समापन 17 अक्टूबर को प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। 21 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चले इस प्रशिक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं, बीएचयू की छात्राओं और सिलाई केंद्र से जुड़ी कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार के

अवसरों से जोड़ना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मेहंदी लगाने की बुनियादी तकनीकों से लेकर आकर्षक ब्राइडल डिजाइन तैयार करने तक का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। इसके माध्यम से उनकी रचनात्मकता और कलात्मक दक्षता विकसित करने के साथ मेहंदी कला को आजीविका का साधन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। समापन समारोह में बीएचयू के छात्र अधिष्ठाता प्रो. रंजन कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि कौशल विकास महिला सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम है।

संपादकीय

थोक महँगाई की मार और अर्थव्यवस्था की चुनौती

महँगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह पूरी अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता, आम आदमी की क्रय शक्ति और सरकार की आर्थिक नीतियों की परीक्षा भी है। जब वस्तुओं के उत्पादन और थोक कारोबार के स्तर पर कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे खुदरा बाजार, घरेलू बजट और औद्योगिक गतिविधियों तक पहुँचता है। भारत में थोक महँगाई का बढ़ना इसी व्यापक आर्थिक चुनौती की ओर संकेत करता है। सितंबर 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महँगाई दर 11.39 प्रतिशत तक पहुँचने का आँकड़ा, यदि आधिकारिक रूप से पुष्ट है, तो यह उत्पादन लागत और आपूर्ति व्यवस्था पर बढ़ते दबाव की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। ईंधन, खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इस दबाव को और व्यापक बनाती है।

थोक मूल्य सूचकांक उन वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलाव को मापता है, जिनका कारोबार थोक स्तर पर होता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के विपरीत, यह मुख्यतः उत्पादकों और व्यापारियों के स्तर पर कीमतों की स्थिति को दशार्ता है। थोक महँगाई में तेजी आने का अर्थ यह नहीं कि खुदरा महँगाई भी उसी अनुपात में बढ़ेगी, लेकिन यदि उत्पादन लागत लंबे समय तक ऊँची बनी रहती है, तो उसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं तक पहुँच सकता है। थोक महँगाई के प्रमुख कारणों में ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि सबसे महत्त्वपूर्ण है। पेट्रोलियम पदार्थों का उपयोग केवल वाहनों में ही नहीं, बल्कि कृषि, उद्योग, बिजली उत्पादन और माल ढुलाई में भी होता है। डीजल महँगा होने से खेतों की जुताई, सिंचाई और कृषि उपज को मंडियों तक पहुँचाने का खर्च बढ़ता है। इसी प्रकार, औद्योगिक इकाइयों के लिए बिजली और ईंधन की बढ़ती लागत उत्पादन को महँगा बना देती है। जब ऊर्जा की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है, तो उसका प्रभाव वस्तुओं के उत्पादन से लेकर उनके अंतिम उपभोक्ता तक पहुँचने की पूरी प्रक्रिया पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में तनाव, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अनिश्चितता और आपूर्ति मार्गों में व्यवधान भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए विशेष चुनौती पैदा करते हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल का असर घरेलू उत्पादन लागत, व्यापार संतुलन और महँगाई पर पड़ सकता है। यदि ईंधन एवं बिजली की महँगाई में वास्तव में 25.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, तो यह औद्योगिक और परिवहन लागत पर गंभीर दबाव का संकेत होगा। हालाँकि, इस विशिष्ट आँकड़े की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की पाबंदी और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका

जंतर-मंतर लंबे समय से देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के लिए अपनी बात रखने का प्रमुख स्थान रहा है। संसद और केंद्रीय सरकारी संस्थानों के निकट होने के कारण यहां होने वाले प्रदर्शनों का संदेश जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों तक अपेक्षाकृत आसानी से पहुंचता है। यदि इस स्थान को पूरी तरह प्रदर्शन सूची से बाहर कर दिया जाता है और रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान तथा सीबीडी मैदान जैसे दूसरे स्थान निर्धारित किए जाते हैं, तो प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि इस बदलाव की आवश्यकता क्यों पड़ी और इसके पीछे कौन-से व्यावहारिक आधार हैं।

कांतिलाल मांडोत

दिल्ली के जंतर-मंतर को धरना-प्रदर्शन के निर्धारित स्थलों की सूची से हटाने का मामला अब केवल प्रशासनिक निर्णय तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसने लोकतंत्र में नागरिकों के अधिकारों, सरकार की जिम्मेदारी और न्यायपालिका की संवैधानिक भूमिका पर एक महत्वपूर्ण बहस छेड़ दी है। दिल्ली पुलिस के 11 अक्टूबर 2026 के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दिए जाने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदर्शन स्थल निर्धारित करना प्रशासन का अधिकार है, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में सरकार को आदेश दे सकता है अथवा केवल सलाह देकर अपनी भूमिका पूरी करेगा? इसका उत्तर संविधान की व्यवस्था और न्यायिक समीक्षा की शक्तियों में छिपा है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार और प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त है। राजधानी दिल्ली जैसे महानगर में यातायात, सुरक्षा, सार्वजनिक सुविधाओं और सरकारी संस्थानों के कामकाज को ध्यान में रखकर प्रदर्शन स्थलों का निर्धारण करना प्रशासनिक जिम्मेदारी है। लेकिन प्रशासनिक अधिकारों का अर्थ यह नहीं है कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सीमित करने का असीमित अधिकार भी अधिकारियों के पास आ जाता है। सरकार का प्रत्येक निर्णय संविधान की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। यदि किसी आदेश से नागरिकों के अधिकार प्रभावित होते हैं, तो न्यायालय उसकी वैधानिकता और औचित्य की समीक्षा कर सकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का अधिकार देता है। इन अधिकारों के कारण नागरिक अपनी समस्याएं सरकार तक पहुंचा सकते हैं, नीतियों का विरोध कर सकते हैं और सार्वजनिक महत्व के विषयों पर अपनी असहमति व्यक्त कर सकते हैं। हालांकि ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। संविधान के अनुच्छेद 19(2) और 19(3) के अंतर्गत निर्धारित आधारों पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसलिए असली प्रश्न प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के अधिकार का नहीं, बल्कि प्रतिबंध की आवश्यकता, औचित्य और उसके अनुपात का है।

जंतर-मंतर लंबे समय से देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले संगठनों, सामाजिक कार्यकताओं, कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के लिए अपनी बात रखने का प्रमुख स्थान रहा है। संसद और केंद्रीय सरकारी संस्थानों के निकट होने के कारण यहां होने वाले प्रदर्शनों का संदेश जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों तक अपेक्षाकृत आसानी से पहुंचता है। यदि इस स्थान को पूरी तरह प्रदर्शन सूची से बाहर कर दिया जाता है और रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान तथा सीबीडी मैदान जैसे दूसरे स्थान निर्धारित किए जाते हैं, तो प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि इस बदलाव की आवश्यकता क्यों पड़ी और इसके पीछे कौन-से व्यावहारिक आधार हैं।

प्रदर्शन स्थल की दूरी अपने आप में किसी आदेश को असंवैधानिक नहीं बनाती। प्रशासन को भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, यातायात और नागरिक सुविधाओं का ध्यान रखना पड़ता है। जंतर-मंतर पर शौचालय, पेयजल, चिकित्सा सहायता और पर्याप्त स्थान जैसी सुविधाओं की कमी हो सकती है। ऐसे में किसी बड़े और सुविधाजनक स्थल पर प्रदर्शन आयोजित करने का सुझाव जनहित के अनुकूल भी हो सकता है। लेकिन यदि वैकल्पिक स्थानों तक पहुंचना कठिन हो, सार्वजनिक परिवहन की सुविधा पर्याप्त न हो अथवा संबंधित अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने की संभावना बहुत कम हो जाए, तो इस निर्णय के प्रभाव का निष्पक्ष आकलन आवश्यक हो जाता है।

यहीं सुप्रीम कोर्ट की भूमिका महत्वपूर्ण बनती है। प्रशासनिक निर्णय लेना और उसकी न्यायिक समीक्षा करना दो अलग-अलग विषय हैं। न्यायालय सामान्य परिस्थितियों में स्वयं यह तय नहीं करता कि शहर में कौन-सी सड़क पर प्रदर्शन होना चाहिए या किस मैदान को निर्धारित किया जाए। यह काम संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों का है। लेकिन यदि उनके निर्णय को मनमाना, भेदभावपूर्ण या मौलिक अधिकारों के विपरीत बताया जाता है, तो न्यायालय यह जांच सकता है कि फैसला कानून के अनुरूप लिया गया या नहीं। वह यह भी देख सकता है कि प्रशासन ने नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन बनाने के लिए उचित विचार किया था या नहीं।

इस मामले में उपलब्ध समाचार के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। यह कदम महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे सरकार के विरुद्ध अंतिम निर्णय या याचिकाकताओं के पक्ष में फैसला मानना उचित नहीं होगा। नोटिस जारी करने का अर्थ है कि अदालत संबंधित पक्षों का पक्ष सुनकर विवाद के कानूनी पहलुओं की जांच करना चाहती है। सरकार को यह बताने का अवसर मिलेगा कि जंतर-मंतर को निर्धारित स्थलों की सूची से हटाने का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया गया और वैकल्पिक स्थलों की व्यवस्था किस आधार पर की गई।

यदि सरकार यह स्पष्ट कर देती है कि निर्णय सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात और प्रदर्शनकारियों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर लिया गया है तथा नए स्थलों पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है, तो अदालत प्रशासनिक निर्णय में हस्तक्षेप करने से बच सकती है। इसके विपरीत, यदि आदेश के पीछे ठोस आधार नहीं मिलते, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी दिखाई देती है या नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अनुचित प्रभाव पड़ता है, तो न्यायालय सरकार को पुनर्विचार करने का निर्देश दे सकता है। परिस्थितियों और कानूनी आधारों के अनुसार वह आदेश को निरस्त करने या उसमें संशोधन करने जैसी राहत पर भी विचार कर सकता है।

यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। अदालत सरकार को सुझाव दे सकती है, उससे जवाब मांग सकती है और कानूनी निर्देश भी जारी कर सकती है। सलाह और आदेश एक समान नहीं होते। यदि न्यायालय केवल किसी वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करने का सुझाव देता है, तो उसका स्वरूप अलग होगा। लेकिन यदि अंतिम न्यायिक आदेश में सरकार या पुलिस को निर्धारित समय में निर्णय लेने, उचित प्रक्रिया अपनाने अथवा मौलिक अधिकारों के अनुरूप व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों को उसका पालन करना होगा। इसे सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाना नहीं, बल्कि संविधान के तहत न्यायिक अधिकार का प्रयोग कहा जाएगा।

इस मामले का एक व्यापक पक्ष यह भी है कि विरोध प्रदर्शन केवल राजनीतिक दलों की गतिविधि नहीं हैं। कर्मचारी, किसान, सामाजिक संगठन और अपनी समस्याओं से जूझ रहे आम नागरिक भी अपनी मांगें रखने के लिए इनका सहारा लेते हैं। यदि प्रदर्शन की अनुमति के लिए बनाए गए नियम अस्पष्ट हों, वैकल्पिक स्थलों की सुविधाओं का विवरण उपलब्ध न हो या अनुमति देने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी हो, तो इससे नागरिकों के लिए अनावश्यक कठिनाइयां पैदा हो सकती हैं। इसलिए सरकार को ऐसे स्पष्ट मानक संचालन नियम बनाने चाहिए, जिनमें स्थल चयन, अनुमति, सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, पेयजल, शौचालय और सार्वजनिक परिवहन जैसी व्यवस्थाओं का उल्लेख हो।

भारत की ताकत एकरूपता नहीं, विविधता है

प्रेरणा

गांधीजी ने आजादी की लड़ाई की रचना ऐसे की कि जाति, धर्म, भाषा, लिंग और आयु की दीवारें ढहती गईं और एक हिंदुस्तानी मन उभर कर सामने आने लगा। हर हिंदुस्तानी स्वतंत्रता संग्राम का सिपाही बनने लगा। उन्होंने पूरे देश को एक साथ मिलकर अन्याय के खिलाफ लड़ना और एक बहुसांस्कृतिक समाज में आपसी सद्भाव के साथ जीना सिखलाया। ऐसी ही कोशिश में उनका बलिदान भी हुआ।

हाल ही मैं अपने घर की दो महिलाओं के साथ घूमने के लिए मलेशिया गई थी। एक दिन निकले कहीं तो टैक्सी वाले ने सहजता से पूछाः 'किस मुल्क से आए हैं आप लोग?'

जैसे ही हमने कहा- इंडिया, वह खिल उठा- 'अच्छा, तो आप एसआरके के देश से आए हैं! इसके बाद तो उसने मुस्कुराते हुए अपनी बेबाक टिप्पणियों से ऐसे शब्द-बाण चलाए कि हममें से कोई उसका प्रतिकार नहीं कर सका। उसने बताया कि 'ट्वेल्थ फेल' उसकी पसंदीदा फिल्म है और उसने एक चुभता हुआ सवाल भी दागा- 'क्या भारत में आज भी जातिवाद है? हिंदी फिल्मों में इसे देखकर दिल बैठ जाता है।'

टैक्सी में बैठी 'जेन-जी' बेटी ने थोड़ा बचाव करते हुए कहा- जातिवाद है तो सही, पर शहरों में अब यह तेजी से खत्म हो रहा है। हम बड़े चुप ही रहे। ड्राइवर यहीं नहीं रुका, उसने भारत में महिला सुरक्षा और बलात्कार की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यह बेहद दुखद और शर्मनाक है क्योंकि महिलाओं का तो सम्मान होना चाहिए। हम उसकी बात से इन्कार नहीं कर सकीं, पर बेटी फिर बचाव में उतरीः लेकिन मुंबई बेहद सुरक्षित है! हमारे टैक्सी से उतरते-उतरते उसने कुछ ऐसा कहा कि हमने उसके सारे तीखे बोल भुला दिए, और हमारा दिल जीत लिया। उसने बेहद हैरान होकर कहा- लेकिन 'भारत का असली चमत्कार तो यह है कि इतनी भिन्नताओं, विविधताओं और अलग-अलग मजहबों के बावजूद वहां कभी कोई गृह युद्ध नहीं होता! एक विदेशी हमारे देश की ऐसी विशेषता को पहचानता भी है और इतनी समझदारी से बताता भी है, यह सुनकर हम सभी विस्मित भी रह गए और भारतीय होने के गर्व से भर भी गए।

उस सामान्य-से टैक्सी वाले की यह कोई सामान्य-सी टिप्पणी नहीं है। हम भारतीय भी इसे गहराई से समझते नहीं हैं। यह हमारे देश की अद्भुत सामाजिक संरचना है कि जहां परस्पर विरोधी विचारधाराएं भी सह-अस्तित्व में रहती हैं। कई लोग इसे 'अनेकांतवाद' भी कहते हैं लेकिन मुझको लगता है यह वाद से कहीं आगे की मनोभूमिका है। वाद तो सिद्धांत को दर्ज करते हैं, समाज जब उनको व्यवहार में उतारता है तब वह बहुत नया व गहरा बन जाता है।

सत्य, अहिंसा और करुणा की त्रिवेणी से सुजला-सुफला की इस भूमि पर सद्भाव की अविरल धारा बहती रही है। विदेशी आक्रांता अपने साथ अपनी धार्मिक रूढ़ियां लेकर आए जरूर मगर हमारे समाज ने उन्हें भी अपने में समो लिया। वे भी हमारी साझा संस्कृति के हिस्से बन गए। उनका भारतीय संस्करण कुछ अलग ही तज से तैयार हो गया। इतिहास में कई बार इस ताने-बाने पर खतरे मंडराए, लेकिन अनेकांतवाद के अदृश्य कवच ने भारत को हमेशा सुरक्षित रखा।

इस्लाम और ईसाई धर्म के प्रवेश के साथ एक-दूसरे तरह की वैचारिक व व्यावहारिक चुनौती सामने आई। ये दोनों ही संगठित और एकेश्वरवादी धर्म थे। इनका मानना था कि केवल उनका ईश्वर और उनकी पद्धति ही सत्य है और उन्हें इस सत्य से सारी दुनिया को सहमत करवाना है। ऐसी कट्टरता से हमारा सामना पहली बार ही हुआ। लेकिन हमने देखा कि उनकी धार्मिक कट्टरता भारत की आध्यात्मिक ऊर्जा के सामने तरल होती गई और वक्त के साथ-साथ उनका भी भारतीयकरण होता गया। इन धर्मों का आक्रामक कट्टरपंथ धीमा पड़ता गया। गंगा-जमुनी तहजीब की एक नई लहर फैलती गई। इतिहास ने देखा कि भारत की मिट्टी में नफरत को मोहब्बत में बदलने का एक अनूठा रसायन सक्रिय रहता है।

बीसवीं सदी में इसके समानांतर एक बार फिर हिंदू कट्टरपंथ उभरा, जिसका एकमात्र लक्ष्य 'हिंदू राष्ट्र' की स्थापना था। स्वतंत्रता के समय जब त्रावणकोर को भारत से अलग संप्रभु राष्ट्र बनाने की आवाज उठी, तो आरएसएस और हिंदू महासभा ने इस मांग का समर्थन किया। हिंदुत्व की विचारधारा की ऐसी संकीर्ण व्याख्या ने हमारे भीतर नया विभेद पैदा कर दिया। यहां से जो जहर बना व फैला वही देश को विभाजन तक पहुंचा गया। विभाजन का विनाशकारी परिणाम और अमानवीय हिंसा इसी अतिवादी सोच की संतान थे। विखंडन वाला वही वैचारिक कुनबा आज 'अखंड भारत' का खोखला नारा देकर जनता को भ्रमित करना चाहता है। अखंड भारत जैसी कल्पना का कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है। राजाओं ने अपने साम्राज्यों का विस्तार जहां तक किया हो, क्या उनसे कोई राष्ट्र निर्मित होता है? फिर तो कोई हिटलर उन सबको अखंड जर्मनी घोषित कर देगा जिसे उसने युद्ध के मैदान में हराया था। यह सब इतिहास को देखने की बीमार दृष्टि है जो शक भी पैदा करती है और विग्रह भी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत यही सब लेकर अभी-अभी विदेशी मंचों पर पहुंचे थे और बुरी तरह अस्वीकृत हो कर लौटे हैं।

यह हम सबके सोचने व समझने की बात है कि भारतीय समाज के आंतरिक विभाजन को चौड़ा करने की तमाम साम्राज्यवादी कोशिशों और विषवमन के बावजूद 1947 में केवल दो हिस्सों में क्यों बंटा? मांग तो सिखों की भी थी, दक्षिण की भी थी, पूर्वोत्तर के राज्यों की भी थी।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कैसे बहाल होगी?

राजेश पांडेय

अब तक विपक्षी दल राज्यों में अपने हितों के हिसाब से अलग-अलग संघर्ष करते रहे हैं। चुनावों के समय स्थानीय स्तर पर गठबंधन हो जाते हैं। कई बार संसद में कुछ मुद्दों पर एकता नजर आती है। लेकिन इस मर्तबा चुनावों में धांधली के मुद्दे ने विपक्षी नेताओं को अपने मतभेद, महत्वाकांक्षा और अहंकार से परे हटकर साथ आने के लिए मजबूर किया है।

लम्बे समय बाद भारत में विपक्षी दलों को किसी एक मुद्दे पर एकजुट होते देखा गया है। 12 अक्टूबर को दिल्ली में कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने, एसआईआर को रद्द करने की मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट तक कूच किया। इसके बाद कूच में शामिल वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने देश की शीर्ष अदालत में दाखिल संयुक्त याचिका में ये मुद्दे उठाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सभी विरोध प्रदर्शन सिर्फ एक ही प्रोटेस्ट का हिस्सा हैं। यह अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के एक देश, एक चुनाव के मुद्दे का जवाब है। 2014 के बाद पहली बार विपक्ष को किसी एक मुद्दे पर पूरी ताकत से एक साथ आवाज उठाते देखा गया है।

अब तक विपक्षी दल राज्यों में अपने हितों के हिसाब से अलग-अलग संघर्ष करते रहे हैं। चुनावों के समय स्थानीय स्तर पर गठबंधन हो जाते हैं। कई बार संसद में कुछ मुद्दों पर एकता नजर आती है। लेकिन इस मर्तबा चुनावों में धांधली के मुद्दे ने विपक्षी नेताओं को अपने मतभेद, महत्वाकांक्षा और अहंकार से परे हटकर साथ आने के लिए मजबूर किया है। विपक्ष को अहसास हो गया है कि यदि चुनाव आयोग के खिलाफ मिलकर अभियान नहीं चलाया गया तो उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए उसने मैदानी संघर्ष और कानूनी लड़ाई में साथ रहने का रणनीतिक फैसला लिया है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर संकट के बीच यह घटनाक्रम अच्छा संकेत है।

चुनाव आयोग करोड़ों वोटरों का हक छीन रहा है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने निर्णायक हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं समझी थी। उसने बिहार में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि पूरी प्रक्रिया कानून की दृष्टि से जायज है। एसआईआर कानूनन जायज तो है लेकिन उसका तरीका गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने नहीं देखा कि जो काम एक-दो साल में होना चाहिए वह चुनाव से कुछ माह पहले जल्दबाजी में क्यों किया जा रहा है। अब यह मुद्दे जनता के दिल-दिमाग पर दस्तक देने लगे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी की मुहिम बताती है कि युवाओं का एक वर्ग भी चुनावों में धांधली के मुद्दे पर आंदोलित है। राजनीतिक दलों ने इसे और अधिक स्पष्ट और पैना बना दिया है।

एसआईआर में धांधली के बारे में एक और खुलासा सामने आया है। चुनाव विश्लेषक प्रणव राय ने मई 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों पर एसआईआर के प्रभाव का विश्लेषण किया है। उसके अनुसार जिन 25 क्षेत्रों में सबसे ज्यादा मतदाता हटाए गए हैं, उनमें ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ वोट स्विंग 10.5 प्रतिशत हुआ है। जिन क्षेत्रों में सबसे कम वोटर बाहर हुए हैं, वहां तृणमूल के खिलाफ केवल 5.3 प्रतिशत वोट स्विंग रहा। पिछले चुनाव नतीजे बताते हैं कि तृणमूल को महिला और मुस्लिम मतदाताओं का अच्छा समर्थन मिलता रहा है। तृणमूल को महिलाओं के वोट भाजपा से 13 प्रतिशत ज्यादा मिले हैं। बंगाल में पुरुष और महिला वोटरों की संख्या लगभग बराबर है। लेकिन एसआईआर में महिलाओं के 62 प्रतिशत और पुरुषों के केवल 38 प्रतिशत वोट कम हुए हैं। राज्य में पिछले चुनावों में तृणमूल को मुसलमानों के 75प्रतिशत और भाजपा को 7-8प्रतिशत वोट मिले हैं। एसआईआर में गैर-मुसलमानों के मुकाबले मुसलमानों के 52प्रतिशत वोटर ज्यादा बाहर हुए हैं। यह विश्लेषण पूरी प्रक्रिया को संदेह के दायरे में खड़ा करता है। लगता है, जानबूझकर महिला और मुस्लिम वोटरों को बाहर किया गया है।

दो चुनाव आयुक्तों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त की मनमानी से पर्दा हटाने के बाद आयोग ने कुछ सुधार किए हैं। दोनों आयुक्तों ने नए वोटरों को शामिल करने के फार्म 6 में अतिरिक्त घोषणा को गैरकानूनी बताया था। इसे पिछले दरवाजे से नागरिकता साबित करने की कार्रवाई मानी जा रही है। फार्म 7 के जरिये थोक में वोटरों को हटाने के मामले भी सामने आ रहे हैं। यह फार्म किसी वोटर का नाम हटाने या किसी वोटर का नाम मतदाता सूची में शामिल करने पर आपत्ति जताने से संबंधित है। कई राज्यों में फार्म 7 के दुरुपयोग की शिकायतें आई हैं। उसके खिलाफ आंदोलन हुए हैं। 9 अक्टूबर को आयोग ने स्वीकार किया कि थोक में फार्म 7 दाखिल किए जाने से वोटरों को असुविधा हुई है। अब आयोग ने प्रति व्यक्ति यह फार्म जमा करने की संख्या दस तक सीमित कर दी है।

एसआईआर शुरू होने के बाद कर्नाटक, उत्तराखंड, तेलंगाना और उड़ीसा में राजनीतिक दलों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर थोक में फार्म 7 जमा करने के आरोप लगाए थे। सितंबर में बीजू जनता दल ने उड़ीसा के मुख्य चुनाव अधिकारी के सामने मामला उठाया था।

देसी सब्जियों का जवाब नहीं

बाबा मायाराम

सब्जी बाड़ी की सोच ग्रामीण परिवारों के लिए भी प्रासंगिक है, यह उनकी आजीविका का अच्छा स्रोत है। वास्तव में, यह सोच शहरी परिवारों के लिए भी बहुत उपयोगी है, जो छोटे किचिन गार्डन से भी अपनी पौष्टिक और ताजी जैविक सब्जियों की जरूरत को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। ग्रामीण बस्तियों की तुलना में शहरी बस्तियों में स्थान की कमी एक बड़ी बाधा है, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, जहां चाह होती है, वहां राह होती है। कभी-कभी जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों या छतों का भी बहुत ही उत्पादक और रचनात्मक उपयोग किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ की एक पहचान की यहां की विविधता भी है। यहां न केवल कई धान की प्रजातियां हैं, बल्कि कई प्रकार की हरी पत्तेदार सब्जियां भी हैं। यहां के लोगों को सब्जी बाजारों में इन ताजी सब्जियों को खरीदते देखा जा सकता है। छोटे गांवों, कस्बों से लेकर शहरों के यह सब्जी बाजार दैनंदिन दिनचर्या का हिस्सा हैं। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे इस रचनात्मक काम की ओर ध्यान दिया जा सके।

छत्तीसगढ़ राज्य सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। यहां की पारंपरिक खान-पान की संस्कृति भी अनूठी है। इन दिनों सब्जी बाजार में खट्टा भाजी (अमाड़ी भाजी), बांस करिल, करमत्ता भाजी और कई तरह के मशरूम बाजारों में आ रहे हैं। इसके अलावा, ऐसी भी कई हरी पत्तीदार भाजियां हैं, जो कुदरती तौर पर होती हैं, जैसे चुनचुनिया भाजी। यह सभी स्वाद में बेजोड़ हैं, और इनकी सब्जियां बनाने का तरीका भी अलग-अलग होता है।

हाल ही हमने बांस की करिल की सब्जी खाई। यह बांस की कोंपल की भाजी होती है, जिसे बांस से काट कर, धोकर और छोटे छोटे टुकड़े कर पकाया जाता है। इसकी कड़वाहट दूर करने के लिए उबाल लिया जाता है और लहसुन-प्याज और मसालों के साथ सब्जी बनाई जाती है। इसी प्रकार, यहां की खट्टा भाजी को भी काफी पसंद किया जाता है। इसकी सब्जी तो बनती ही है, गर्मी के दिनों में इसके फूल सुखाकर शरबत भी बनता है। जिसें मैंने महाराष्ट्र के वर्धा में एक बीज प्रदर्शनी के दौरान चखा था।

इन हरी पत्तीदार भाजियों व सब्जियों को धूप में सुखाकर भी रखते हैं, इसे सुखड़ी कहते हैं। यानी जब हरी पत्तीदार भाजियों का मौसम नहीं होता है, तब इसे पकाकर खाते हैं। सुखड़ी में चरौंटा, चेंच भाजी, तिवड़ा, (लाखड़ी) आदि की सुखड़ी होती हैं। इसी प्रकार, यहां रखिया (भुरा कुम्हड़ा) की बड़ी और बिजौरी भी बनाई जाती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट होती है।

यहां कई किस्म के फुटू (जंगली मशरूम) हैं। बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं। यह भी इन दिनों बाजार में आ रहे हैं। हाल ही हमने फुटू की सब्जी खाई। एक बार मुझे ग्रामीणों ने बताया था कि बोड़ा या फुटू (मशरूम) की सब्जी भी जंगल से मिलती है। दो प्रकार का होता है, जात बोड़ा (मशरूम) पहली बारिश में निकलता है, जबकि लाकड़ी बोड़ा ज्यादा बारिश होने पर निकलता है।

इसी प्रकार, यहां के कई पारंपरिक व्यंजन हैं। बिलासपुर जिले में कार्यरत जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था जेवनार मेला आयोजित करती है। जिसमें गांवों से अलग-अलग तरह की भोजन सामग्री लाती हैं, और पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं। मेले में आए लोगों को इसका स्वाद चखने को मिलता है। इससे देसी पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा मिलता है। साथ देसी अनाजों व सब्जियों को उगाने को प्रोत्साहन मिलता है। खाद्य विविधता, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता भी होती है। जन स्वास्थ्य सहयोग ने देसी अनाजों को बढ़ावा देने के लिए भी कृषि कार्यक्रम चलाया है। जिसमें वे पौष्टिक अनाज और देसी धान को उगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यहां धान के साथ पौष्टिक अनाज भी उगाए जाते हैं। जैसे यहां मडिया की खेती भी होती है। इसे रागी, नाचनी और मडुआ नाम से भी जाना जाता है। इसे हाथ की चक्की में दर कर खिचड़ी या भात बनाया जा सकता है। इसके आटे की रोटी भी बनाई जा सकती हैं। खुरमी या लड्डू भी बना सकते हैं। इसमें चूना (कैल्शियम) भरपूर मात्रा में होता है और कुछ मात्रा में लौह तत्व भी पाए जाते हैं। यहां इसके बिस्कुट भी बनाए जा रहे हैं।

इसके अलावा, छत्तीसगढ़ में कई स्वयं सहायता समूह, सरकार व संस्थाएं सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) को बढ़ावा देती है। जिसमें लौकी, कुम्हड़ा, मखना (कद्दू), बरबटी, सेमी, भिंडी, ग्वारफली, करेला, टमाटर, डोड़का (चिकनी तोरई), खट्टा भाजी, चेंच भाजी, झुरगा आदि लगाते हैं।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

यहूदियों को गोली मारना चाहता हूं, हमास के पूर्व चीफ के 10 साल के बेटे की चिट्ठी आई सामने

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्सेस ने हमास के दिवंगत प्रमुख याह्या सिनवार के 10 साल के बेटे इब्राहिम का एक कथित लेटर साझा किया है, जिसने सनसनी फैला दी है। यह पत्र गाजा पट्टी में 2024 के दौरान इजरायली सैनिकों की तरफ से बरामद किया गया था। याह्या सिनवार के खात्मे के दो साल पूरे होने पर इसे सबूत के तौर पर जारी किया गया है। बता दें कि यह पत्र बच्चे ने अपने पिता याह्या सिनवार को युद्ध की शुरुआत में लिखा था। इसमें एक तरफ जहां पिता के लिए प्यार और जुदाई का दर्द झलकता है, वहीं दूसरी तरफ हिंसा और नफरत की बातें भी साफ नजर आती हैं। गौर करने वाली बात यह है कि लेटर में 10 साल के बच्चे ने लिखा है कि वह लगातार कागज और गत्ते से पिस्तौल, टैंक और राइफल बना रहा है। उसने लिखा है कि वह एक एके-47 कलाश्निकोव राइफल उठाकर यहूदियों पर गोली चलाना चाहता है। पत्र के अंत में बच्चे ने लिखा है, हे मेरे भगवान, मैं कामना करता हूं कि युद्ध समाप्त हो जाए और मैं आपको सुरक्षित देख सकूं। अल्लाह आपकी रक्षा करे, पिता जी। मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए दुआ करें। इसके साथ ही उसने पिता के गले मिलने और साथ सोने की इच्छा भी जताई है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भारत की दो टूक, यूएन में कहा- तुरंत रुकें जहाजों पर हमले

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा के दौरान भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। भारत ने इस क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव को बेहद चिंताजनक करार देते हुए नागरिक बुनियादी ढांचों, कमर्शियल शिपिंग और खासकर भारतीय नाविकों पर हो रहे लगातार हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने गुरुवार को सुरक्षा परिषद की बहस में साफ कहा कि पश्चिम एशिया की सुरक्षा और स्थिरता भारत के लिए बेहद मायने रखती है। बहस के दौरान भारत का पक्ष रख रहे पार्वथनेनी ने रियाद और अन्य जगहों पर सऊदी अरब के नागरिक बुनियादी ढांचे और एयरपोर्ट्स पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ये हालात बहुत चिंताजनक हैं, नागरिक बुनियादी ढांचे और जहाजों पर हमले तुरंत रुकने चाहिए। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक मोहम्मद युसुफ अली की जान चली गई थी। भारत ने सऊदी अरब की संप्रभुता और उसकी सुरक्षा के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की है।

रूस के कामचटका में लगे भूकंप के तेज झटके, जमीन से 152 किमी नीचे रहा केंद्र

मॉस्को, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्व में स्थित कामचाटका प्रायद्वीप इलाके में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र जमीन से काफी नीचे यानी 152 किलोमीटर लगभग 94 मील की गहराई पर स्थित था। बता दें कि इतनी अधिक गहराई पर भूकंप आने के कारण अक्सर धरती की सतह पर होने वाले नुकसान का खतरा थोड़ा कम हो जाता है, फिर भी इतने बड़े झटकों से इलाके में हड़कंप मच गया। राहत की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी, सलाह या खतरा नहीं है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 9:05 बजे आया। इसका केंद्र धरती से लगभग 152 किलोमीटर की गहराई में उत्तरी अक्षांश 52.068° और पूर्वी देशांतर 157.164° पर स्थित था। अलग-अलग एजेंसियों के अलग-अलग आंकड़े बता दें कि अलग-अलग वैश्विक निगरानी एजेंसियों के आंकड़ों में गहराई और तीव्रता में हल्का अंतर देखा गया।

सऊदी अरब में उड़ानों पर संकट; भारत ने उमरा यात्रियों की मदद के लिए मक्का में भी खोला कंट्रोल रूम, कहा-स्थिति जांचे बिना एयरपोर्ट न जाएं

दुबई, एजेंसी। भारत और सऊदी अरब के बीच उड़ानें प्रभावित होने के कारण वहां फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से उमरा यात्रियों की मदद के लिए भारत ने मक्का में एक अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब में असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए कई घातक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वाणिज्य दूतावास ने बुधवार को बताया कि नया नियंत्रण कक्ष मक्का स्थित भारतीय हज यात्री कार्यालय में स्थापित किया गया है और जेद्दा में पहले से मौजूद चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष भी अपनी सेवाएं जारी रखेगा।

इससे पहले मंगलवार को वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से जेद्दा और मदीना आने-जाने वाले उमरा यात्रियों को सलाह दी थी कि वे अपनी विमानन कंपनियों के नियमित संपर्क में रहें और हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर पता कर लें। उमरा इस्लाम की एक धार्मिक परंपरा है, जिसे साल में किसी भी समय किया जा सकता है, जबकि हज यात्रा साल में एक निश्चित समय पर होती है। उमरा के लिए श्रद्धालु सऊदी अरब के मक्का जाते हैं, जो इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मदद की जरूरत होने पर भारतीय नागरिक मक्का स्थित नियंत्रण कक्ष से फोन के जरिए संपर्क कर सकते हैं। यात्रियों को उड़ानें रद्द होने, उनके समय में बदलाव, यात्रा के वैकल्पिक इंतजाम और जरूरत पड़ने पर ठहरने की व्यवस्था के लिए ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटर और उमरा सेवाएं देने वाली एजेंसियों के संपर्क में रहने की भी सलाह दी गई है।

वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद के लिए विमानन कंपनियों और स्थानीय अधिकारियों के नियमित संपर्क में है। उड़ानों के संचालन से जुड़ी नयी जानकारी दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर साझा की जाएगी। वाणिज्य दूतावास ने प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए जेद्दा में भी चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों को स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने, हवाई हमला होने की स्थिति में घरों के अंदर रहने और मौजूदा घटनाक्रम से जुड़े वीडियो या खबरें प्रसारित करने से बचने की बुधवार को सलाह दी। दूतावास ने बुधवार को बताया कि रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन बंद है, जबकि दम्माम, जेद्दा और मदीना से उड़ानें कुछ बाधाओं के साथ जारी हैं। दूतावास के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियों एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एअर और इंडिगो ने 17 अक्टूबर तक सऊदी अरब से आने-जाने वाली अपनी उड़ानें स्थगित कर दी हैं। वहीं, सऊदी अरब की विमानन कंपनियां सऊदिया और फ्लाइनास अपनी कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन कर रही हैं।

कैप्टन मच्छार पर हमले के बाद इजराइल सख्त; पाकिस्तानी पायलटों पर लगाया प्रतिबंध, हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमानों में भी नहीं कर सकेंगे ड्यूटी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी पायलटों और चालक दल के सदस्यों को नये प्रतिबंधों के तहत इजराइल के हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमानों में सेवाएं देने से रोक दिया गया है। पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात से इजराइल जा रहे एक विमान का अपहरण करने की कोशिश की गई थी। इस कथित साजिश को नाकाम करने के दौरान भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार घायल हो गये थे। इजराइल के सरकारी प्रसारक कान की खबर के अनुसार विमान अपहरण की कोशिश के बाद परिवहन मंत्रालय के विमानन सुरक्षा संचालन केंद्र ने नये और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। इजराइल के प्रसारक एन12 की खबर के अनुसार मंत्रालय ने एक अक्टूबर को विदेशी विमानन कंपनियों को इन प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया था। गत 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 के कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। विमान का सह-पायलट विमान को कथित तौर पर गिराने की कोशिश कर रहा था, लेकिन विमान के भारतीय कैप्टन मच्छार ने बहादुरी से मुकाबला करते हुए उसके प्रयास को विफल कर दिया था। चाकू से किए गए हमले में मच्छार घायल हो गये थे, लेकिन वह 174 यात्रियों को ले जा रहे विमान को बचाने में सफल रहे थे। नये दिशा-निर्देश के अनुसार, इजराइल के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले विमानों के पायलटों और चालक दल के सदस्यों के पास ऐसे देशों की नागरिकता या दोहरी नागरिकता नहीं होनी चाहिए, जिनके इजराइल के साथ आधिकारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं।

कैंसर का पता चलने पर जीवनभर की सेविंग खर्च कर तुरंत घूमने निकली महिला... एक महीने बाद जब चेकअप करवाया तो सिकुड़ा मिला ट्यूमर

युन्नान , एजेंसी। कैंसर की खबर मिलने के बाद 67 वर्षीय वांग यिंग इलाज कराने की बजाय एक महीने के लिए घूमने निकल गई और जब घर लौटी तो उसका ट्यूमर सिकुड़ा हुआ मिला। यह हैरान कर देने वाला मामला चीन का है जहां, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का पता चलने के बाद लोग हताश हो जाते हैं, वहीं वांग ने अपने जीवन के सबसे बड़े सपने को पूरा करने की राह चुनी। इलाज और सर्जरी से ठीक पहले उन्होंने अंटार्कटिका जाकर पेंगुइन की तस्वीरें खींचने का फैसला किया, और इस एक यात्रा ने उनकी जिंदगी में एक नया मोड़ ला दिया।

बचपन के सपने को पूरा किया और कैंसर को दी मात : चीन के युन्नान प्रांत की रहने वाली वांग यिंग एक स्कूल में प्रशासनिक पद पर कार्यरत थीं। साल 2013 में जब वह अपने रिटायरमेंट की योजना बना रही थीं, तभी एक रूटीन जांच के दौरान उन्हें थायराइड कैंसर का पता चला। डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत सर्जरी कराने का सुझाव दिया। वांग को बचपन से ही पक्षियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी का बेहद शौक था। वह अपने जीवन में 1,200 से अधिक दुर्लभ पक्षी प्रजातियों की तस्वीरें ले चुकी थीं। बीमारी की खबर सुनने के बाद उन्होंने तय किया कि अगर जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है, तो क्यों न अंटार्कटिका जाकर पेंगुइन को देखने और कैमरे में कैद करने का अपना पुराना सपना पहले पूरा किया जाए।

माइनस 10 डिग्री तापमान में लुटा दी जीवनभर की सेविंग : अंटार्कटिका की लगभग एक महीने की इस यात्रा पर करीब 1.5 लाख चीनी युआन (लगभग 22,000 डॉलर) का खर्च आना था। यह रकम उनकी पूरी बचत से भी अधिक थी, ऐसे में उनकी मां ने उनका सहयोग किया और बाकी पैसे दिए। अंटार्कटिका की विषम परिस्थितियों- माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तापमान, हाड़ कंपा देने वाली बर्फीली हवाओं और बर्फबारी- के बावजूद वांग का इरादा नहीं डगमगाया। उनका मुख्य लक्ष्य एक मां पेंगुइन को अपने चूजे को खाना खिलाते हुए फोटो खींचना था। घंटों की कड़ी मेहनत और धैर्य के बाद आखिरकार उन्होंने वह यादगार पल अपने कैमरे में कैद कर ही लिया।

मेडिकल जांच में सामने आया हैरान करने वाला रिजल्ट अंटार्कटिका के इस अद्भुत सफर से लौटने के बाद वांग जब अस्पताल में अपने फॉलो-अप चेकअप के लिए गईं, तो डॉक्टरों की रिपोर्ट देखकर सब हैरान रह गए। जांच में पाया गया कि एक महीने पहले के मुकाबले उनका ट्यूमर अब पहले से छोटा हो गया था। डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए फिलहाल तुरंत सर्जरी करने से मना कर दिया और उन्हें रेगुलर मॉनिटरिंग में रहने की सलाह दी। इस खबर ने वांग को एक नया जीवन और राहत दी। वांग यिंग अब तक दुनिया के 30 से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं।

राफेल के सामने फिसड्डी हैं चीन के जे-16 लड़ाकू विमान, मिस्र में हवाई युद्धाभ्यास ने खोली पावर पोल

बीजिंग एजेंसी। चीन के जे-16 और फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के बीच मिस्र में हुए हवाई युद्धाभ्यास ने दोनों विमानों की क्षमताओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

अगस्त के दूसरे पखवाड़े से सितंबर 2026 की शुरुआत तक चले 'ईगल्स ऑफ सिविलाइजेशन 2026' अभ्यास में पहली बार चीनी जे-16 विमानों ने मिस्र के राफेल और मिग-29एम2 विमानों के साथ हवाई युद्ध की परिस्थितियों में प्रशिक्षण लिया। चीनी रक्षा मंत्रालय ने 23 अगस्त के अभ्यास का वीडियो भी जारी किया था, जिसमें जे-16 और राफेल के बीच मध्यम तथा नजदीकी दूरी के हवाई युद्धाभ्यास का उल्लेख किया गया। बाद में कुछ रक्षा समाचार माध्यमों ने दावा किया कि करीबी मुकाबले में राफेल की फुर्ती चीनी पायलटों के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली रही। फ्रांस की कंपनी दसॉ द्वारा निर्मित राफेल दो इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। इसकी खासियत केवल गति या हथियारों की क्षमता नहीं, बल्कि उड़ान के दौरान नियंत्रण, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और अलग-अलग प्रकार के अभियानों को अंजाम देने की क्षमता भी है। इसके पंखों और आगे लगे छोटे पंखों का संयोजन विमान को हवा में नियंत्रण और दिशा बदलने में मदद करता है। डिजिटल उड़ान नियंत्रण: इसकी कंप्यूटर आधारित प्रणाली पायलट को जटिल उड़ान परिस्थितियों में विमान पर नियंत्रण रखने में सहायता देती है।

मेटेओर मिसाइल: यह दृश्य सीमा से बाहर हवा से हवा में हमला करने के लिए विकसित मिसाइल है, जो दूर हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध राफेल की क्षमता बढ़ाती है।

स्पेक्ट्रा प्रणाली: यह रडार और अन्य खतरों की पहचान, इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा तथा जवाबी कार्रवाई में सहायता करती है। चीन का शेनयांग जे-16 दो इंजन वाला भारी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। यह लंबी दूरी के अभियानों, विभिन्न प्रकार के हथियार ले जाने और आधुनिक सेंसरों के इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। इसकी प्रमुख क्षमताओं में शामिल हैं।

भारतीय मूल के पति की हैवानियत, सहकर्मी को डेट करने पर पत्नी का गला रेता; भारत भागने की फिराक में था आरोपी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो से एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। यहां भारतीय मूल के एक 31 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी 32 वर्षीय अलग रह रही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की वजह यह थी कि महिला ने अपने एक पूर्व सहकर्मी के साथ रिश्ते में होने की बात कही और उसके साथ दोबारा साथ रहने से साफ इनकार कर दिया था। आरोपी की पहचान भारतीय मूल के अंकुर पटेल के रूप में हुई है। उसकी पत्नी की एक बेटी है। दोनों आपसी अनबन के बाद इसी साल मई में अलग हो गए थे और महिला घर छोड़कर चली गई थी।

परिवार के दबाव के बाद वापस लौटी महिला : मिली जानकारी के अनुसार, परिवार के दबाव में वह कुछ समय के लिए वापस लौटी, लेकिन फिर से अलग होकर लुइसियाना चली गई और एक अन्य व्यक्ति को डेट करने लगी। इस दौरान उसने अपनी बेटी को अंकुर के पास ही रहने दिया था। महिला के अलग होने के बाद अंकुर उसे और उसके नए पार्टनर को जान से मारने की धमकी देने लगा था। वह पत्नी को उसकी बेटी से भी बात नहीं करने देता था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। घटना से करीब दो हफ्ते पहले अंकुर शिकागो में अपने रिश्तेदारों के पास रहने चला गया और बिना बताए अपनी बेटी को भारत अपने माता-पिता के पास भेज दिया।

शिकागो बुलाकर दिया खौफनाक घटना को अंजाम : मीडिया रिपोर्टस की मानें तो अंकुर ने अपनी पत्नी को बेटी से मिलाने के बहाने शिकागो बुलाया। अपनी बेटी के भारत भेजे जाने से अनजान महिला अपने नए पार्टनर के साथ शिकागो पहुंची। उसका पार्टनर बाहर गाड़ी में ही इंतजार कर रहा था, जबकि महिला अंकुर के अपार्टमेंट में चली गई।

घर पहुंचने पर महिला को पता चला कि उसकी बेटी वहां नहीं है, तो उसने अंकुर के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि वह अपने नए पार्टनर के साथ ही रहेगी। इसी बात से आग बबूला होकर अंकुर ने रसोई के चाकू से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार किए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर कई घाव पाए गए हैं। पुलिस पर लापरवाही के आरोप

बता दें कि बाहर इंतजार कर रहे महिला के पार्टनर ने जब उसे बार-बार मैसेज किए और कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची भी, लेकिन पार्टनर यह नहीं बता पाया कि महिला किस अपार्टमेंट में गई थी, इसलिए पुलिस वापस लौट गई। ऐसे में यह राज तब खुला जब अंकुर के दोस्त उससे मिलने उसके अपार्टमेंट पहुंचे, क्योंकि वह तय समय पर उनसे नहीं मिला था। दोस्तों ने देखा कि घर के अंदर वाशिंग मशीन के पास महिला का शव पड़ा था और अंकुर वहां से गायब था। भारत भागने की फिराक में था अंकुर गौरतलब है कि हत्या के तुरंत बाद अंकुर शिकागो के ओहेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा ताकि भारत भाग सके, लेकिन काउंटर बंद होने के कारण वह टिकट नहीं खरीद पाया। इसके बाद उसने एक होटल में कमरा लिया, हत्या में इस्तेमाल हथियार को ठिकाने लगाया और एक टार्गेट स्टोर से नए कपड़े खरीदे।

इंटरनेट सनसनी जैकी की मौत के कारण का खुला राज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई बर्ड फ्लू की पुष्टि

वाशिंगटन , एजेंसी। कैलिफोर्निया में वन्यजीव प्रेमियों और इंटरनेट की दुनिया की मशहूर गिद्ध प्रजाति का बाज जैकी की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई थी। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फिश एंड वाइल्डलाइफ ने हाल ही में इसकी पुष्टि करते हुए एक प्रेस रिलीज जारी की है।

बता दें कि जैकी की मौत पिछले साल अगस्त में हुई थी। सैन डिएगो जू वाइल्डलाइफ अलायंस में हुए पोस्टमार्टम और अन्य मेडिकल जांच में पता चला कि उसकी मौत का मुख्य कारण अत्यधिक संक्रामक बर्ड फ्लू (एचपीएआई) था। पूरी रिपोर्ट में क्या-क्या बातें सामने आईं? ओजाई रैप्टर सेंटर के निदेशक क्रिस एक्स्टीन ने बताया कि इस रिपोर्ट से जैकी के इलाज के दौरान सामने आए लक्षणों को समझने में मदद मिली है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह इस

वायरस का एक दुर्लभ मामला था, जिसके कारण उसके पेट में गंभीर अल्सर हो गए थे। इससे लगातार अंदरूनी ब्लीडिंग, एनीमिया (खून की कमी) और अंत में बैक्टीरियल सेप्सिस (संक्रमण) फैल गया था। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जैकी के अवशेषों का अंतिम संस्कार (क्रेमेटेड) कर दिया गया है। कैमरे के जरिए दुनिया भर में थी लोकप्रिय जैकी और उसका साथी पिछले एक दशक से अधिक समय से इंटरनेट सेंसेशन बने हुए थे। लॉस एंजिलिस के पूर्व में सैन बर्नार्डिनो पहाड़ों में बिग बीयर झील के पास पेड़ों पर बने उनके घोंसले को देखने के लिए लाखों लोग ऑनलाइन वीडियो फीड का इस्तेमाल करते थे। फ्रेंड्स ऑफ बिग बीयर वैली नामक गैर-लाभकारी संस्था ने 2015 में इस घोंसले में कैमरा लगाया था, जिसके जरिए हर साल उनके प्रजनन के मौसम और उनके संघर्षों को दुनिया भर के लोगों ने लाइव देखा था। राहत की बात यह है कि अधिकारियों के मुताबिक, शैडो के बीमार होने का कोई सबूत नहीं मिला है।

बाल्ड ईगल के इतिहास से जुड़ा अहम पहलू भी समझिए : गौरतलब है कि अमेरिकी बाल्ड ईगल कभी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गए थे, लेकिन 1970 के दशक में खतरनाक कीटनाशक डीडीटी पर प्रतिबंध लगने और कड़े संरक्षण उपायों के बाद इनकी संख्या में सुधार हुआ था। इसके बाद इन्हें संघीय लुप्तप्राय सूची से हटा दिया गया था। जैकी इसी प्रजाति के पुनरुद्धार का एक बड़ा प्रतीक बन चुकी थी, जिसकी अचानक हुई इस विदाई से वन्यजीव प्रेमियों में गहरा शोक है।

मक्का की मस्जिद के अंदर कर रहे थे गलत काम, सऊदी ने 2 बांग्लादेशियों को दी फांसी

मक्का, एजेंसी। सऊदी अरब ने मक्का की एक मस्जिद के अंदर अनैतिक कृत्य करने के दोषी दो बांग्लादेशी नागरिकों को फांसी दे दी है। बांग्लादेश के द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जेद्दा में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि उन्हें इन फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना नहीं दी गई थी।

बुधवार को सऊदी अरब के गृह मंत्रालय द्वारा जारी और सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी द्वारा प्रकाशित एक बयान के अनुसार, ये मौत की सजा मक्का क्षेत्र में दी गई। जेद्दा में बांग्लादेश के महावाणिज्य दूतावास ने इस मामले की औपचारिक स्वीकृति के लिए सऊदी अधिकारियों से संपर्क किया है।

बांग्लादेश के अधिकारियों ने क्या कहा : मिशन के एक अधिकारी ने गुरुवार को द डेली स्टार को व्हाट्सएप संदेश में बताया, ÷मंत्रालय ने वाणिज्य दूतावास को पहले से सूचित नहीं किया था।÷ अधिकारी ने आगे कहा, ÷इस संबंध में हमने सऊदी विदेश मंत्रालय को एक औपचारिक पत्र सौंपा है, जिसमें इस मामले की औपचारिक स्वीकृति का अनुरोध किया गया है। सऊदी गृह मंत्रालय ने बताया कि जिन लोगों को फांसी दी गई, उनकी पहचान नजरुल इस्लाम अब्दुल बशीर और सिती अख्तर के रूप में हुई है। मंत्रालय के अनुसार, सऊदी सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद जांच के आधार पर उन पर आरोप तय किए गए। इसके बाद उनका मामला एक सक्षम अदालत में भेज दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि अदालत ने आरोपों को सही पाया और दोनों व्यक्तियों को मौत की सजा सुनाई।

क्यों दी गई मौत की सजा : ये मौत की सजाएं ताजीर के तहत दी गई थीं, जो इस्लामी कानून के अंतर्गत एक तरह की विवेकाधीन सजा है। मंत्रालय ने इस सजा को सही ठहराने के लिए अपराध की गंभीरता और समय तथा स्थान की पवित्रता के उल्लंघन का हवाला दिया। बयान में कहा गया है कि संबंधित प्राधिकरण ने फैसले को बरकरार रखा, जिससे यह अंतिम हो गया। इसके बाद फांसी देने के लिए एक शाही आदेश जारी किया गया। हालांकि, सऊदी अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि उन दो लोगों ने मस्जिद के अंदर असल में क्या किया था। बयान में न तो मस्जिद का नाम बताया गया है।

नशे की हालत में लंदन की सड़क पर बेहोश मिलीं यूएई के शाही परिवार की महिला, पास में नंगे पैर खेल रहा था 3 साल का बच्चा

लंदन, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवार से जुड़ी एक महिला का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शाही परिवार की 32 वर्षीय महराह अल नाहयान लंदन की एक व्यस्त सड़क पर कोकीन के अत्यधिक सेवन के बाद बेहोश पाई गईं। उनके पास ही उनका तीन साल का मासूम बच्चा नंगे पैर तेज ट्रैफिक के बिल्कुल पास खेलता हुआ देखा गया।

बता दें कि यह घटना 13 जून की है। पश्चिम लंदन की सड़क पर महराह अल नाहयान को अचेत अवस्था में देखकर राहगीरों ने तुरंत मदद के लिए कदम बढ़ाया। बच्चा सड़क पर बिना जूतों के एक स्कूटर के साथ खेल रहा था और ट्रैफिक बहुत पास से गुजर रहा था, जिसे देखकर वहां मौजूद लोगों ने बच्चे को सुरक्षित संभाला और पुलिस को सूचना दी। आधे घंटे तक पूरी तरह अचेत रहीं नाहयान

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रग्स लेने के बाद वह करीब आधे घंटे तक पूरी तरह अचेत रहीं। जब उन्हें होश में लाया गया, तो उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से कथित तौर पर कहा कि यह कोई कत्लखाना नहीं है.... तुम लोग इतनी परवाह क्यों कर रहे हो? तुम इतने चिंतित क्यों हो?

तलाशी और अस्पताल में भर्ती : मिली जानकारी के अनुसार, मौके पर पहुंची पुलिस और अधिकारियों ने जब उनकी तलाशी ली, तो उनके पास से ड्रग्स लेने का सामान तो बरामद हुआ, लेकिन कोई सीधा अवैध ड्रग नहीं मिला। इस घटना के बाद उन्हें सरे स्थित प्रसिद्ध प्रायरी क्लिनिक के वोकिंग सेंटर में नशा मुक्ति के लिए भर्ती कराया गया था।

अदालत में कबूल किया जुर्म : गौरतलब है कि साउथवार्क क्राउन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान, महराह अल नाहयान ने बच्चे की उपेक्षा के आरोप को स्वीकार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, उन्हें हर महीने 8000 पाउंड का भत्ता मिलता है। हालांकि अभियोजक रियो पहलवानपोर ने अदालत को बताया कि राहगीरों ने देखा कि बच्चा अकेला और बिना जूतों के सड़क पर था और तेज ट्रैफिक के बेहद करीब होने के कारण लोगों को बीच-बचाव करना पड़ा।

बचाव पक्ष का क्या कहना है : दूसरी ओर बचाव पक्ष के वकील स्टीफन वुल्फ़ो केसी ने अदालत में दलील दी कि उनकी मुवक्किल ने मान लिया है कि उस दिन उनसे बहुत बड़ी भूल हुई थी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिस दिन वह बेहोश पाई गईं, उस दिन उन्होंने कोई ड्रग नहीं लिया था, बल्कि पिछले कुछ दिनों में किए गए नशा सेवन के कारण वह अत्यधिक थकान की स्थिति में थीं।

कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया : वकील ने कहा कि उन्हें अपनी इस गलती पर गहरा पछतावा है और वे अपनी इस लत से पूरी तरह बाहर आना चाहती हैं। उनका तीन महीने का रिहैब प्रोग्राम इसी महीने के अंत में पूरा होने वाला है, जिसके बाद वे गिल्डफोर्ड इलाके में एक प्रॉपर्टी किराए पर लेकर डे-पेशेंट के रूप में अपना इलाज जारी रखेंगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, जज ने महराह अल नाहयान को दो साल के कम्युनिटी रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम को पूरा करने और 6114 पाउंड का जुर्माना भरने का आदेश दिया है।

कोटा में किडनी संबंधी जटिलताओं से दो और गर्भवती महिलाओं की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद दो महिलाओं में किडनी संबंधी जटिलताएं विकसित हो गई हैं। इसके बाद प्रसवोत्तर देखभाल और रोगी निगरानी को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। जानकारी के अनुसार एक मरीज रेशमा की हालत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और वर्तमान में उसका गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। दूसरी मरीज, अनीता को अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

इन ताजा मामलों ने लगभग पांच महीने पहले इसी अस्पताल में हुई एक ऐसी ही घटना को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं, जब कथित तौर पर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 12 नवमाताओं में किडनी की विफलता विकसित हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप पांच की मौत हो गई थी।

किडनी संबंधी जटिलताओं की पुनरावृत्ति ने अस्पताल के उपचार प्रोटोकॉल और मरीजों की बिगड़ती स्थिति के संभावित कारणों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि, हाल के मामलों का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और इसके लिए आगे की चिकित्सा जांच और मूल्यांकन की आवश्यकता होगी।

कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद दो नवमाताओं में किडनी संबंधी जटिलताएं विकसित होने की खबर है।

रेशमा की हालत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और वर्तमान में उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

दूसरी मरीज, अनीता को अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

आगे की जांच लंबित होने के कारण हाल की जटिलताओं का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

जयपुर में पीतांबरा माई मंदिर में पूजा के दौरान विवाद, पीठाधीश गरिष्मा परिहार ने दर्ज कराई एफआईआर

जयपुर। जयपुर पश्चिम जिले के सेज थाना क्षेत्र में मंदिर में पूजा करने के दौरान हुए विवाद के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। परिवादिया गरिष्मा परिहार की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, एफआईआर संख्या 0127/2026 दिनांक 13 अक्टूबर 2026 को दर्ज की गई है। मामला भंभोरिया क्षेत्र का बताया गया है। एफआईआर में ताराचंद सैनी का नाम आरोपी के रूप में दर्ज है। शिकायत के अनुसार, परिवादिया 12 अक्टूबर को मंदिर में पूजा करने गई थीं। इस दौरान मंदिर में मौजूद एक व्यक्ति के साथ विवाद होने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज, धमकी देने और मारपीट करने के प्रयास और पूजा पाठ यज्ञ हवन में विघ्न डालने सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। परिवादिया ने घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई है

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि विवाद के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें धमकाया गया। परिवादिया ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 79, 324(4), 352 तथा 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। एफआईआर में दर्ज तथ्यों और आरोपों की जांच की जा रही है।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान में 6 कैंटर सामान जब्त

जयपुर, एजेंसी। नगर निगम जयपुर ने शहर में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6 कैंटर सामान जब्त किया है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार सतर्कता शाखा की टीम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न इलाकों में अभियान चलाकर अस्थायी अतिक्रमण हटवाए। जब्त सामान को गोदाम में भिजवा दिया गया है।

अस्पतालों और बाजारों के आसपास हटाए अतिक्रमण नगर निगम की सतर्कता शाखा ने उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में जेके लोन अस्पताल, एसएमएस अस्पताल, बांगड़ अस्पताल, गणेश मंदिर, एलबीएस कॉलेज, आदर्श बाजार, अंबाबाड़ी सब्जी मंडी, सेंट्रल स्पाइन विद्याधर नगर और 206 बीघा करधनी प्राइम कालवाड़ रोड सहित कई स्थानों पर कार्रवाई की।

यह अभियान पहले से प्राप्त शिकायतों के आधार पर चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी अतिक्रमण करने वालों का सामान जब्त किया गया और संबंधित स्थानों से अतिक्रमण हटवाए गए।

अतिक्रमण करने वालों को दी चेतावनी

नगर निगम के उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान कुल 6 कैंटर सामान जब्त कर गोदाम में जमा करवाया गया। सतर्कता टीम ने मौके पर मौजूद अतिक्रमण करने वालों को समझाइश दी और भविष्य में निर्धारित समय पर अतिक्रमण हटाने के लिए पाबंद किया। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि यदि क्षेत्र में दोबारा अवैध अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ भारी चालान सहित अन्य प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

शहर में जारी रहेगा अतिक्रमण हटाने का अभियान

नगर निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त करना और आमजन की आवाजाही को सुगम बनाना है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के आधार पर ऐसे स्थानों पर कार्रवाई की जाएगी, जहां अस्थायी अतिक्रमण से लोगों को परेशानी होती है।

कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पुल से नीचे गिरी मिनी बस, 8 लोगों की मौत

कोटा, एजेंसी । कोटा में शनिवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक बस हादसा हुआ, जिसमें भोपाल से खाटूश्याम जा रहे कम से कम 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इस दुर्घटना में करीब 15 लोग घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर यह हादसा कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। एक मिनी बस भोपाल से खाटूश्याम जा रही थी। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर मिनी बस अनियंत्रित हो गई और एक नाले के ऊपर बने पुल से जा टकराई। इसके बाद मिनी बस करीब 15 फीट की ऊंचाई से जा गिरी। इसके बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। बस दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस टीमों ने सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल के लिए भेजा और मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लिया।

बताया गया कि घायलों को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। नाले में कीचड़ व पानी के कारण रेस्क्यू में परेशानी भी हुई। यह भी बताया गया कि इस मिनी बस में 25 से अधिक श्रद्धालु सवार थे।

कोटा ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने पुष्टि की है कि इस दुर्घटना में करीब 8 लोगों की मौत हो गई है और 15 से अधिक यात्री घायल हुए हैं। उन्होंने कहा है कि भोपाल से कुछ यात्री मिनी बस में खाटूश्याम की यात्रा करने के लिए जा रहे थे। सभी लोग अलग-अलग परिवारों से हैं, लेकिन वे सभी एक-दूसरे को जानते हैं। जिसने इस यात्रा की योजना बनाई थी, वह व्यक्ति भी इस बस में सवार था। वह व्यक्ति भी घायल हुआ और मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है।

उन्होंने कहा कि कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में 8 लेन वाले हाईवे पर मिनी बस पुल से नीचे गिर गई। पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि प्रथम दृष्टया में हादसे का कारण यह माना गया है कि रात के समय वाहन चलाने की वजह से मिनी बस चालक को शायद नींद की झपकी आई थी। इसी कारण बस अनियंत्रित हुई थी।

जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि जिन घायलों की स्थिति गंभीर है, उन्हे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों का लगातार इलाज चल रहा है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री तथा कला एवं संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में कला एवं संस्कृति एवं पुरातत्व शासन सचिव शुचि त्यागी तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक पंकज धरेन्द्र की उपस्थिति में विभाग की चल रही म्यूजियम परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में अल्बर्ट हॉल म्यूजियम, जयपुर, गवर्नमेंट म्यूजियम, अलवर, गंगा गवर्नमेंट म्यूजियम, बीकानेर, गवर्नमेंट म्यूजियम, चित्तौड़गढ़, गवर्नमेंट म्यूजियम, जैसलमेर, सरदार गवर्नमेंट म्यूजियम, जोधपुर, गवर्नमेंट म्यूजियम, मंडोर (जोधपुर), गवर्नमेंट म्यूजियम, आहड़ (उदयपुर), गवर्नमेंट म्यूजियम, माउंट आबू के कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उपमुख्यमंत्री द्वारा निर्देशित किया गया कि अल्बर्ट हॉल के रेनोवेशन कार्य के दौरान वहाँ आने वाले पर्यटकों एवं आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि रेनोवेशन का कार्य विभिन्न हिस्सों में चरणबद्ध रूप से करवाने हेतु कार्ययोजना तैयार की गई है, ताकि कार्य के दौरान भी आगंतुकों का आवागमन सुचारू बना रहे तथा उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अतर सिंह भड़ाना हत्याकांड: छठे आरोपी को हिरासत में लिया गया, 30 टीमें कर रहीं फरार आरोपियों की तलाश

भरतपुर, एजेंसी। पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। वैर थाना क्षेत्र में हुई इस वारदात के मामले में पुलिस ने छठे आरोपी मुकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने अभी तक उसे मुख्य आरोपी के रूप में चिह्नित नहीं किया है। मिली जानकारी के अनुसार फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए राजस्थान के अलावा हरियाणा और मध्य प्रदेश में भी तलाश की जा रही है। इसके लिए 30 से अधिक पुलिस टीमें अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही हैं। मामले में पूर्व विधायक की पत्नी कमलेश भड़ाना की शिकायत पर 64 नामजद आरोपियों सहित करीब 70 से 80 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में मुकेश का नाम भी शामिल है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है, ताकि हत्याकांड में उसकी भूमिका स्पष्ट हो सके। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

इससे पहले पुलिस पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक की लीज को लेकर हुए धरना-प्रदर्शनों में मुकेश की भूमिका रही थी। लीज से जुड़े विवाद के दौरान अतर सिंह भड़ाना और वहां काम करने वाले कर्मचारियों के साथ उसके कई बार विवाद होने की बात भी सामने आई है।

पुलिस इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। हालांकि, मुकेश की भूमिका को लेकर अंतिम स्थिति पूछताछ और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। हत्याकांड की जांच में लीज स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके फुटेज से वारदात से जुड़े लोगों की पहचान करने और घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में मदद मिल सकती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, डीवीआर पूर्व विधायक की पत्नी कमलेश भड़ाना के पास है।

सेवा सेतु अभियान-2026: आदर्श नगर और सिविल लाइंस में शिविर, 127 जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी

जयपुर, एजेंसी। नगर निगम जयपुर की ओर से राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत शुक्रवार को आदर्श नगर और सिविल लाइंस जोन कार्यालयों में शिविर लगाए गए। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न नागरिक सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, दोनों शिविरों में जन्म-मृत्यु पंजीयन के कुल 127 प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए।

एक ही स्थान पर मिल रहीं कई नागरिक सेवाएं सेवा सेतु अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और सरकारी सेवाओं को सरल एवं सुलभ बनाना है। शिविरों में सफाई, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, नालियों की मरम्मत, सीवर लाइन लीकेज, सार्वजनिक स्थलों के रखरखाव और आवारा पशुओं को पकड़ने जैसी सेवाओं से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर कार्रवाई की जा रही है।

इसके अलावा जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, ट्रेड लाइसेंस, फायर

एनओसी, साइनबोर्ड लाइसेंस, सीवर कनेक्शन, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति, नामांतरण, भू-उपयोग परिवर्तन, पट्टा जारी करने, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र और यूडी टैक्स से संबंधित कार्य भी किए जा रहे हैं। शिविरों में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदन तथा अटल पेंशन योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जुड़े कार्यों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

आदर्श नगर में पांच प्रकरणों का निस्तारण

आदर्श नगर जोन कार्यालय में आयोजित शिविर के दौरान जन्म-मृत्यु पंजीयन के 56 आवेदनों पर तत्काल प्रमाण पत्र जारी किए गए। वहीं, भूखंडों के उपविभाजन एवं पुनर्गठन से संबंधित पांच प्रकरणों का निस्तारण किया गया। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, शिविर के माध्यम से नागरिकों को उनके लंबित कार्यों का शीघ्र समाधान उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सिविल लाइंस में 71 प्रमाण पत्र जारी

सिविल लाइंस जोन कार्यालय में आयोजित शिविर में जन्म-मृत्यु पंजीयन के 71 आवेदनों पर तत्काल प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके अतिरिक्त भवन मानचित्र से संबंधित दो प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इस प्रकार दोनों जोन में कुल 127 जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए गए और भवन मानचित्र तथा भूखंड उपविभाजन से जुड़े मामलों का भी समाधान किया गया।

सेवा सेतु अभियान से नागरिकों को मिली राहत, उमाशंकर शर्मा को मिला मकान के उपविभाजन का पत्र

आदर्श नगर के सेठी कॉलोनी निवासी उमाशंकर शर्मा ने अपने मकान के उपविभाजन के लिए आदर्श नगर जोन कार्यालय में आवेदन किया था। अभियान के दौरान आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निगम प्रशासन ने उन्हें उपविभाजन पत्र उपलब्ध करा दिया।

हर माह पुरस्कृत होंगे सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने : प्रदेश के थानों में 31 अक्टूबर तक चलेगा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

ड्रोन फोटो–वीडियोग्राफी से पहले और बाद की स्थिति का होगा तुलनात्मक आकलन

जयपुर। राजस्थान के सभी पुलिस थानों में 31 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान थानों में व्यापक साफ-सफाई के साथ बुनियादी व्यवस्थाओं में भी सुधार किया जाएगा। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस थानों को जिला पुलिस, रेंज और पुलिस मुख्यालय स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

पखवाड़ा समाप्त होने के बाद भी हर माह सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने का चयन कर उसे सम्मानित किया जाएगा, ताकि स्वच्छता केवल पखवाड़े तक सीमित न रहकर

पुलिसकर्मियों की नियमित कार्यशैली का हिस्सा बन सके।

केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में शुक्रवार को नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। इसमें महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक के बाद डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने प्रदेश के पुलिस अधिकारियों को 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी पुलिस रेंज के महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, जिला पुलिस अधीक्षक और डीसीपी को अपने अधीनस्थ सभी थानों में स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

ड्रोन से पहले और बाद की स्थिति का होगा आकलन

अभियान के तहत पुलिस थाना परिसर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई कराई जाएगी। कार्य शुरू होने से पहले ड्रोन से फोटो और वीडियोग्राफी कराकर पुलिस मुख्यालय को भेजी जाएगी। पखवाड़े के दौरान किए गए कार्यों के बाद दोबारा ड्रोन शूट कराया जाएगा, जिससे अभियान से पहले और बाद में थानों की स्वच्छता में हुई प्रगति का सटीक व तुलनात्मक आकलन किया जा सके।

मालखानों और जब्त वाहनों के निस्तारण पर विशेष फोकस

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने थानों के मालखानों में रखी सामग्री और जब्त वाहनों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, आमजन के अनुकूल स्वागत कक्ष (रिसेप्शन) तैयार करने, डिजिटल इंफॉर्मेशन बोर्ड स्थापित करने, पुलिस बैरकों की स्वच्छता, परिसर की साफ-सफाई और रंग-रोगन जैसे कार्य भी प्राथमिकता से कराए जाएंगे।

तीन स्तरों पर दिए जाएंगे पुरस्कार

स्वच्छता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थानों को तीन स्तरों पर पुरस्कृत किया जाएगाः

जिला स्तरः जिला पुलिस अधीक्षक अपने जिले के सर्वश्रेष्ठ थाने का चयन कर पुरस्कृत करेंगे।

रेंज स्तरः पुलिस महानिरीक्षक द्वारा रेंज के श्रेष्ठ थाने को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यालय स्तरः राज्य स्तर पर पुलिस मुख्यालय द्वारा उत्कृष्ट थाने को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

बैठक में उप महानिरीक्षक पुलिस कुंवर राष्ट्रदीप, आलोक श्रीवास्तव सहित पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में 'नारी चौपाल-सशक्त बालिका-सुरक्षित समाज' सप्ताह का आयोजन

जयपुर, एजेंसी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 11 से 16 अक्टूबर तक 'नारी चौपाल-सशक्त बालिका-सुरक्षित समाज' सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत बालिकाओं एवं महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण, लैंगिक समानता, बाल विवाह निषेध, शिक्षा तथा आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु राज्यभर में नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

प्रथम दिन 11 अक्टूबर को जागरूकता एवं शुभारम्भ दिवस आयोजित कर जिला स्तरीय जागरूकता रैली एवं शपथ कार्यक्रम हुआ। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग की ओर से नगरीय क्षेत्रों में जागरूकता रैलियों का आयोजन हुआ। रैलियों के माध्यम से बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा, अधिकारों एवं उज्ज्वल भविष्य के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। साथ ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाकर बालिकाओं को सम्मान, सुरक्षा एवं शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया। 12 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों पर पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र के सलाहकारों ने

माय भारत पोर्टल रजिस्ट्रेशन करवाया व पोर्टल संचालन की जानकारी दी एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यशालाओं का आयोजन किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया एवं लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही तनाव प्रबंधन, परीक्षा के दबाव, अकेलेपन, पीयर प्रेशर तथा सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में जागरूक किया गया। 13 अक्टूबर को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें अधिनियम के प्रावधानों, रोकथाम के उपायों एवं संबंधित विभागों की भूमिका के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की जानकारी एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। चौथे दिन 14 अक्टूबर को आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण हेतु नगरीय क्षेत्रों में योजना सेतु कैम्प आयोजित किए गए। कैम्प में महिलाओं को नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, जिला उद्योग केन्द्र एवं राजीविका की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा स्वरोजगार, उद्यम स्थापना, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन के अवसरों से जोड़ने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

शीर्ष नौ कंपनियों की संपत्ति में 3.65 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

टीसीएस, भारती एयरटेल और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ में

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार उछाल दर्ज की गई, जिसका सीधा फायदा सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ को मिला। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.65 लाख करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल और इन्फोसिस इस तेजी से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाली कंपनियां रहीं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,256.94 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 2.77 प्रतिशत के लाभ में रहा। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसके बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सबसे अधिक लाभ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपये बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 61,406.53 करोड़ रुपये बढ़कर 11,88,815.45 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत में भी 55,893.05 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी अपने बाजार पूंजीकरण में 53,047.56 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की और वह 16,37,437.19 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी क्रमशः 32,379.05 करोड़ रुपये और 30,769.95 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इस सकारात्मक रुझान के विपरीत, लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 9,232.26 करोड़ रुपये घटकर 4,99,725.06 करोड़ रुपये पर आ गया।

मनरेगा की जगह नया ग्रामीण रोजगार कानून लागू

रोजगार के दिन बढ़े, आदिवासियों के 50 अतिरिक्त दिनों पर असमंजस

नई दिल्ली।

ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाले कानून में एक बड़ा बदलाव आया है। मनरेगा की जगह अब विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 1 जुलाई 2026 से लागू हो गया है, जिसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। यह पहले से चली आ रही 100 दिनों की सीमा में 25 दिनों की बढ़ोतरी है। हालांकि, इस नए कानून के लागू होने के बाद वन क्षेत्रों में रहने वाले कुछ पात्र आदिवासी परिवारों को मिलने वाले अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। दरअसल, जनवरी 2014 में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया था। इसके तहत, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के अंतर्गत जमीन का अधिकार प्राप्त करने वाले उन अनुसूचित जनजाति परिवारों को मनरेगा के 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का मजदूरी रोजगार देने का प्रावधान था, जिनके पास एफआरए के तहत मिली जमीन के अलावा कोई अन्य निजी जमीन नहीं थी। इस सुविधा से ऐसे परिवारों को कुल 150 दिन का रोजगार मिल पाता था, जो उनकी आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार था। अब नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 की धारा 5 में पात्र ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी तो दी गई है, लेकिन इसमें अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

एचडीएफसी बैंक में नेतृत्व बदलाव, कैजाद भरूचा 31 साल बाद छोड़ेंगे पद

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा ने लगभग 31 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा के बाद अपने पद से हटने का फैसला किया है। बैंक ने बताया कि भरूचा ने 31 दिसंबर से अपनी सेवाएं समाप्त करने का अनुरोध किया है। उनका यह कदम ऐसे समय में आया है जब वह बैंक के अगले प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के प्रमुख दावेदारों में गिने जा रहे थे। साठ वर्षीय कैजाद भरूचा ने 1986 में अपना बैंकिंग करियर शुरू किया और अक्टूबर 1995 में एचडीएफसी बैंक से जुड़े।

जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रम और रुप.-डॉलर विनिमय दर पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई।

इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में कंपनियों के तिमाही नतीजे, रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और कच्चे तेल की कीमतें दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों का मानना है कि इसके साथ ही पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रम और रुपये-डॉलर विनिमय दर पर भी निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। दशहरा के अवसर पर मंगलवार को बाजार बंद रहेगा, जिससे कारोबारी सप्ताह छोटा होगा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों का सिलसिला तेज होने से शेयर और क्षेत्र विशेष में गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान जिंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इन्फोसिस, कोफोर्ज और क्रिसिल जैसी प्रमुख कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। इन नतीजों का बाजार की चाल पर सीधा असर देखने को मिलेगा। इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। बैंकिंग शेयरों में उत्साह, वैश्विक कारकों पर पैनी निगाह हाल ही में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे बड़े बैंकों द्वारा मजबूत तिमाही नतीजे घोषित किए जाने के बाद बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की विशेष दिलचस्पी बनी रहने की उम्मीद है। इन बैंकों ने सितंबर तिमाही में बेहतर एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि लगातार दो सप्ताह की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख बना है, लेकिन इस तेजी को बरकरार रखना बाजार के लिए चुनौती होगी। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, वैश्विक बॉण्ड बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रहने का संकेत दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवेशक यह देखना चाहेंगे कि हालिया तेजी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों से आगे अन्य क्षेत्रों तक फैलती है या नहीं। वहीं वैश्विक बाजारों में अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। इन कारकों का असर आयातित महंगाई, रुपये की विनिमय दर और कंपनियों की लाभप्रदता पर पड़ सकता है।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी के दाम में स्थिरता

अक्टूबर की शुरुआत में बढ़े कमर्शियल सिलेंडर के दाम होटल-रेस्तरां के लिए चुनौती बने

नई दिल्ली।

आम जनता और कारोबारियों की नजर एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों पर टिकी हुई है। इस महीने की समीक्षा के बाद, घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है क्योंकि उनकी कीमतों में कोई नया बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम अक्टूबर की शुरुआत में ही बढ़ा दिए गए थे, जिससे उनके मासिक बजट पर सीधा असर पड़ रहा है। आज भी, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में यह सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये, कोलकाता में 968 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है। यह स्थिरता लाखों परिवारों के लिए एक राहत की खबर है, जो अपने मासिक खर्चों को लेकर चिंतित रहते हैं। इसके विपरीत, 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर दिल्ली में अब 2,810 रुपये में मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति एलपीजी के दामों को निर्धारित करती है। तेल विपणन कंपनियां हर महीने की शुरुआत में कीमतों की समीक्षा करती हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में बढ़कर 16,333 करोड़ पहुंचा

ऋण वितरण, ब्याज आय और जमा में मजबूत वृद्धि से बैंक ने दर्ज किया शानदार वित्तीय प्रदर्शन

नई दिल्ली।

निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में रिकॉर्ड तोड़ वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं।

बैंक का समेकित मुनाफा 22.3 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 16,333.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 13,357.06 करोड़ रुपये था। यह शानदार प्रदर्शन मुख्य रूप से ऋण वितरण में जबरदस्त उछाल, शुद्ध ब्याज आय में वृद्धि और ग्राहकों की जमा राशि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के कारण संभव हुआ है।

इस तिमाही में बैंक की कुल आमदनी भी 15.8 फीसदी बढ़कर 88,161.18 करोड़ रुपये रही, जिसमें ब्याज से होने वाली आय 55,991.91 करोड़ रुपये थी। बैंक के परिचालन खर्च बढ़ने के बावजूद, उसके प्रावधानों में कमी आई। टैक्स को छोड़कर यह राशि 909.31 करोड़ रुपये से घटकर 895.21 करोड़ रुपये रह गई, जो बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार का सकारात्मक संकेत है। 30 सितंबर 2026 तक बैंक के दिए गए कर्ज (एडवांस) में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, जो 14,92,161.12 करोड़ रुपये से बढ़कर 19,35,385.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। वहीं ग्राहकों की जमा रकम भी बढ़कर 20,91,538.51 करोड़ रुपये हो गई, जो बैंक में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

भारत ने घटाया रूसी कच्चे तेल का आयात, वाडिनार बना सबसे बड़ा खरीदार

सितंबर में निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो तक पहुंचा

नई दिल्ली।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी कच्चे तेल पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में एक बड़ी खामी सामने आई है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत, तुर्किये और ब्रूनेई जैसे देशों की रिफाइनरियां रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर उससे बने ईंधन उत्पादों को पश्चिमी देशों को निर्यात कर रही हैं। सितंबर में यह निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो (लगभग 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जबकि इन पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। सीआरईए की रिपोर्ट बताती है कि इन रिफाइनरियों से यूरोपीय संघ ने 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो, अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो और न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद खरीदे। अनुमान है कि इन उत्पादों में 29.5 करोड़ यूरो मूल्य के उत्पाद सीधे रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे। गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी इस व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी है। इसने सितंबर में यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर पहुंचने वाले सात में से छह ईंधन शिपमेंट की आपूर्ति की। जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को भी 12.2 करोड़ यूरो मूल्य का सर्वाधिक निर्यात किया। जुलाई से सितंबर के दौरान, जामनगर के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। सीआरईए ने इस स्थिति को प्रतिबंधों में एक

खामी बताया है। संगठन का कहना है कि यूरोपीय संघ का प्रतिबंध केवल शुद्ध कच्चा तेल निर्यातक देशों को छूट देता है, जिससे उन देशों की रिफाइनरियों को रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने की अनुमति मिल जाती है, जो बाद में अपने उत्पादों को प्रतिबंध लगाने वाले देशों को बेचते हैं।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि प्रतिबंध देश के बजाय रिफाइनरी के स्तर पर लागू किए जाने चाहिए, ताकि पिछले छह महीनों में रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने वाली किसी भी रिफाइनरी से बने तेल उत्पादों के आयात पर रोक लगाई जा सके।

हालांकि, सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घट गया, जो अप्रैल के बाद सबसे निचला स्तर था। जामनगर में 27 प्रतिशत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पारादीप रिफाइनरी में 21 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

टाटा ट्रस्ट देश में स्थापित करेगा 40-50 गैर-लाभकारी अस्पताल

वित्त वर्ष 2025-26 में 1,556 करोड़ परोपकार पर किया खर्च

मुंबई।

देश के प्रमुख परमार्थ संगठनों में शुमार टाटा ट्रस्ट ने बीते वित्त वर्ष (2025-26) में परोपकारी कार्यों पर 1,556.31 करोड़ रुपए का वितरण किया है। ट्रस्ट अब देश भर में 40 से 50 गैर-लाभकारी सामान्य अस्पतालों का एक विशाल नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। चेयरमैन नोएल टाटा ने वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही। न प्रस्तावित अस्पतालों में सक्षम मरीज आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के उपचार में सहायक होंगे। नोएल टाटा ने बल दिया कि परमार्थ का आकलन केवल खर्च या पहुंच से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आए दीर्घकालिक बदलाव से होना चाहिए। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यय में ग्रामीण विकास को सर्वाधिक 457.62 करोड़ रुपए मिले, इसके बाद शिक्षा और कैंसर उपचार प्रमुख क्षेत्र रहे। व्यक्तिगत अनुदान में चिकित्सा सहायता सबसे ऊपर रही। ट्रस्ट की 2026-31 की स्वास्थ्य रणनीति का लक्ष्य 75 विकास खंडों और 100 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त कर 25 लाख लोगों तक पहुंचना और 20 हजार स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना है। टाटा ट्रस्ट के कैंसर उपचार कार्यक्रम के तहत 1 लाख से अधिक बाह्य रोगी परामर्श दिए गए। नोएल टाटा ने भारतीय

प्रतिभा पलायन और परोपकार के बदलते स्वरूप पर भी प्रकाश डालते हुए, सबसे बड़ा बनने के बजाय सबसे बेहतर बनने की महत्ता पर जोर दिया।

महंगाई भत्ते पर टिकी नजरें, 21 अक्टूबर को अहम बैठक संभव

14 अक्टूबर की कैबिनेट में नहीं हुआ ऐलान, अब 3-4 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जुलाई 2026 से प्रभावी होने वाले महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी का बेसब्री से इंतजार है। 14 अक्टूबर की कैबिनेट बैठक में डीए वृद्धि पर कोई फैसला न होने से उनका इंतजार और बढ़ गया है, अब सबकी निगाहें 21 अक्टूबर को होने वाली अगली बैठक पर हैं।

जहां रेलवे कर्मचारियों को हाल ही में परफॉर्मेंस-लिंक्ड बोनस का तोहफा मिला है, वहीं केंद्रीय कर्मचारियों को अभी भी डीए वृद्धि का बेसब्री से इंतजार है। कर्मचारियों को दशहरे के बाद इस संबंध में कोई अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है। 21 अक्टूबर को कैबिनेट की अगली बैठक निर्धारित है, और ऐसी प्रबल संभावना है कि इस बैठक में सरकार डीए बढ़ोतरी को आधिकारिक मंजूरी दे सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर आधिकारिक तौर पर किसी तारीख की पुष्टि नहीं की है, और अतीत में भी घोषणाएं अलग-अलग समय पर हुई हैं।

सैटेलाइट इंटरनेट पर बढ़ा विवाद, स्टारलिंक और रिलायंस आमने-सामने

स्टारलिंक ने तैयारियों का किया दावा; रिलायंस ने प्रतिस्पर्धा और नियमों के पालन पर दिया जोर

मुंबई।

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के आगमन से पहले ही एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। स्टारलिंक ने जहां अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारियों का दावा किया है, वहीं रिलायंस ने भारतीय नियमों के पालन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया है। इस विवाद में सरकार ने भी सभी कंपनियों के लिए समान नियमों का हवाला दिया है। भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के बाजार में प्रवेश को लेकर स्टारलिंक और रिलायंस के बीच बयानबाजी अब गरमा गई है। मस्क ने भारत में स्टारलिंक की एंट्री में रुकावटों पर सवाल उठाए थे, जिसके बाद रिलायंस ने साफ किया कि वह किसी भी प्रतिस्पर्धी से नहीं डरती। अब स्टारलिंक ने भी अपना पक्ष रखते हुए भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने की अपनी तैयारियों पर जोर दिया है।

स्टारलिंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह पांच साल से अधिक समय से भारत में काम कर रही है और देश में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी के अनुसार, उसने आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा व्यवस्था तैयार कर ली है, हालांकि, सेवा शुरू करने के लिए सभी सरकारी शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है। दूसरी ओर, रिलायंस ने स्पष्ट किया है कि उसे प्रतिस्पर्धा से कोई डर नहीं, बल्कि वह ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में विश्वास रखती है। कंपनी ने जियो के उदाहरण से अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। रिलायंस ने सभी कंपनियों का स्वागत करते हुए भारतीय कानूनों और नीतियों के पालन पर जोर दिया।

सॉफ्टबैंक की निकासी के बावजूद लेंसकार्ट में निवेशकों का बढ़ता भरोसा

भारतीय म्यूचुअल फंड और एफपीआई ने हाथों-हाथ खरीदे बेचे गए शेयर

नई दिल्ली।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी घटाने के बावजूद भारतीय म्यूचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के सभी बेचे गए शेयरों को तत्काल खरीद लिया है। यह घटनाक्रम कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में लगातार बढ़ोतरी पर निवेशकों के गहरे भरोसे को दर्शाता है। हाल ही में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक ने इस साल दो ब्लॉक डील्स के जरिए लेंसकार्ट में अपनी हिस्सेदारी मार्च के 13.13 फीसदी से घटाकर अब 7.27 फीसदी कर दी है।

इसके बावजूद, निवेशकों का यह मजबूत विश्वास कंपनी के दमदार वित्तीय नतीजों और मुनाफे में तेज बढ़ोतरी के कारण कायम है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड एसबीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड है, जिसकी हिस्सेदारी 3 फीसदी है, जबकि बाद कोटक टेक्नोलॉजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है। बीते एक साल में लेंसकार्ट के शेयर ने बाजार के मुकाबले बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसमें 43.4 फीसदी की तेजी देखी गई है, जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 11.7 फीसदी की गिरावट आई है। विश्लेषकों का मानना है कि यह वृद्धि केवल अत्यधिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में मजबूत बढ़ोतरी का सीधा नतीजा है।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में बाजार से 52,100 करोड़ निकाले

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और डॉलर की मजबूती बनी वजह

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर माह में अब तक भारतीय शेयर बाजार से बड़े पैमाने पर 52,100 करोड़ रुपए की निकासी की है। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी पूंजी भारत से बाहर निकली है, जिससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव और बढ़ गया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिका में बॉन्ड पर बढ़ता प्रतिफल और डॉलर की मजबूती इस निकासी के प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इस ताजा निकासी के साथ, चालू वर्ष 2023 में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से कुल 3.12 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पिछले वर्ष 2022 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से कहीं अधिक है। इससे पहले, जुलाई में 20,200 करोड़ रुपए और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपए का निवेश देखा गया था। चॉइस वेल्थ के एक निवेश रणनीतिकार ने इस निरंतर बिकवाली के पीछे कई कारणों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, अमेरिका में सरकारी बॉन्ड पर ऊंचे प्रतिफल, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुख्य वजहें हैं। अमेरिका में बढ़ती महंगाई से ब्याज दरों में और वृद्धि की आशंका है, जिससे अमेरिकी परिसंपत्तियां विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महंगा कच्चा तेल भारतीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है और उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी के कारण भी पूंजी उन बाजारों की ओर आकर्षित हो रही है। हालांकि, 16 अक्टूबर को विदेशी निवेशकों ने कुछ लिवाली भी की थी। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के निवेश रणनीतिकार ने इसे अमेरिका में 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने का अस्थायी परिणाम बताया।

एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में करेगी विस्तार, 30 गीगावाट का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में नए स्थलों की तलाश

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का व्यापक विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने वर्ष 2047 तक देश में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सहित कई नए राज्यों में संभावित स्थलों की तलाश की जाएगी। यह पहल देश में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एनटीपीसी 2032 तक कम से कम 2 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने पर काम कर रहा है।

यह केंद्र सरकार के 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी बिहार, मध्य प्रदेश और ओडिशा में परमाणु बिजली परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर चुकी है, जिसमें बांका (बिहार), बसई (मध्य प्रदेश) और नबरंगपुर (ओडिशा) को संभावित स्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी उपयुक्त स्थानों की तलाश करेगी।

हालांकि, संभावित स्थल के चयन के बाद भी तकनीकी और नियामक प्रक्रियाओं की लंबी श्रृंखला पूरी करनी होगी। एनटीपीसी औसतन 1,400 मेगावाट क्षमता वाली परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसमें 700-700 मेगावाट की दो इकाइयां होंगी।

उद्योग के अनुमान के अनुसार, प्रति गीगावाट क्षमता के लिए लगभग 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये का निवेश अपेक्षित है। इन परियोजनाओं के लिए पर्याप्त भूमि, निरंतर जलापूर्ति और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक होगी।

पैरा एशियन गेम्स का शानदार आगाज, सिमरन और प्रमोद ने की अगुवाई

आइची नागोया। एशियन गेम्स 2026 के शानदार समापन के बाद अब बारी है पैरा एशियन गेम्स की। रविवार को पांचवें एशियाई खेलों की शुरुआत हो गई। उद्घाटन समारोह में भारत की अगुवाई पैरा अथलीट प्रमोद भगत और सिमरन सिंह ने की। दोनों भारतीय दल के ध्वजवाहक थे।

281 सदस्यीय दल को दी है मंजूरी

जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले इन खेलों के लिए खेल मंत्रालय ने 168 एथलीटों सहित कुल 281 सदस्यों के भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 98 टीम अधिकारी व सपोर्टिंग स्टाफ और 15 कॉन्टिजेंट स्टाफ शामिल हैं। पिछले साल चीन के हांगझू में हुए संस्करण की तुलना में इस बार दल का आकार काफी छोटा है, जहां भारत ने 303 एथलीट उतारे थे। इस बार पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्तूबर तक चलेगा।भारतीय दल में गिरावट की मुख्य वजह ब्लाइंड चेस, पैरा-रोइंग और पैरा-कैनोइंग जैसी स्पर्धाओं का इस बार शामिल न होना है, जिनमें भारत ने पहले हिस्सा लिया था। इसके अलावा, आयोजन समिति की ओर से कई खेलों में कड़े कोटा नियम भी लागू किए गए हैं। उदाहरण के लिए, पैरा एथलेटिक्स में पिछली बार भारत ने 123 एथलीटों का सबसे बड़ा दल भेजा था, जिसे कोटा प्रतिबंधों के कारण इस बार घटाकर 62 कर दिया गया है। कुल 168 एथलीटों में 112 पुरुष और 56 महिलाएं हैं जो 11 अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इन खिलाड़ियों पर होगी नजर

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना खिताब बचाने उतरेंगे। उनके अलावा पैरा-स्पोर्ट्स के अन्य दिग्गज जैसे धरमबीर नैन, प्रवीण कुमार और नवदीप सिंह भी पैरा एथलेटिक्स स्क्वाड का हिस्सा हैं। प्रीति पाल, दीप्ती जीवनजी, निशद कुमार, सचिन सरजेराव खिलारी और होकातो होताझे सेमा जैसे पैरालंपिक पदक विजेता भी प्रबल दावेदार के रूप में नजर आएंगे। शूटिंग दल की अगुवाई दो बार की पैरालंपिक चैंपियन और एशियाई पैरा गेम्स की डिफेंडिंग चैंपियन अवनि लेखरा करेंगी, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उतरेंगी। पैरा तीरंदाजी में 19 वर्षीय शीतल देवी महिलाओं का कंपाउंड खिताब बचाने के लिए वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2023 के संस्करण में मिक्स्ड टीम सहित दो पदक और डबल्स इवेंट में रजत पदक जीता था। पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार और प्रमोद भगत एक मजबूत पैरा-बैडमिंटन ग्रुप की कमान संभालेंगे, जिसमें सुहास यतिराज, तुलसीमथिया मुरुगेसन और नित्या स्रे सुमाथी सिवन जैसे धुरंधर भी शामिल हैं।

एशियाई पैरा गेम्स में भारत का सफर लगातार शानदार रहा है। 2010 में 14 पदकों से शुरू हुआ यह सफर इंचियोन में 33, जकार्ता में 72 और तीन साल पहले 100 का आंकड़ा पार करके 111 तक पहुंचा, जो भारतीय खेल इतिहास का एक स्वर्णिम पल था। इस बार प्रतियोगिताएं 19 अलग-अलग वेन्यू पर खेली जाएंगी, जिसमें नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक्स स्टेडियम मुख्य एरिना होगा।

संक्षिप्त समाचार

इंटर मियामी की जीत में चमके लियोनल मेसी, दागे दो गोल

न्यूयॉर्क। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के दो गोल और एक असिस्ट की मदद से इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मुकाबले में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। मेसी ने दोनों गोल करने से पहले टीम के शुरुआती गोल का मौका भी बनाया। पहले हाफ के आखिरी क्षणों में जर्मन बेर्टेरामे ने मेसी और लुईस सुआरेज की मदद से गोल कर इंटर मियामी का खाता खोला। एमएलएस में अपने शुरुआती 26 मुकाबलों में बेर्टेरामे का यह नौवां गोल था। मेसी ने इसके बाद 56वें और 60वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त 3-0 कर दी। दोनों गोल में बेर्टेरामे ने मदद की अहम भूमिका रही, जबकि मेसी के दूसरे गोल में सुआरेज का भी योगदान रहा। मेसी के नाम अब गोल और मदद मिलाकर

कुल 40 गोल योगदान दर्ज हो चुके हैं। वह लॉस एंजिलिस एफसी के कार्लोस वेला के 2019 में बनाए गए 49 गोल योगदान के रिकॉर्ड से नौ पीछे हैं। इंटर मियामी के इस स्टार खिलाड़ी के पास रिकॉर्ड तोड़ने के लिए चार मुकाबले शेष हैं। इंटर मियामी के गोलकीपर डेने सेंट क्लेयर ने दो बचाव किए, लेकिन 89वें मिनट में फाफा पिकॉल्ट ने पेनाल्टी पर गोल कर टीम को क्लीन शीट हासिल करने से रोक दिया।

हार्दिक का विकल्प ढूंढना मुश्किल

पूर्व भारतीय कप्तान ने किया पांड्या को समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि हार्दिक पांड्या की जगह लेना आसान नहीं है ऐसे में भारत को उनके विकल्प तलाशने की कोशिश करने की जगह टीम को ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहिए जो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सके। उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। गावस्कर ने कहा कि भारत को चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैच में उतरना चाहिए, जबकि ऐसे ऑलराउंडर खिलाड़ियों को पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका निभानी चाहिए जो बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। बल्लेबाजी क्रम को लंबा करने के लिए गेंदबाजी की मजबूती से समझौता नहीं करना चाहिए।वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार रात बंगलूरू में पांचवां और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद गावस्कर ने कहा, हम कभी-कभी हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनकी क्षमता का खिलाड़ी नहीं मिलता है, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़िए, जो टीम के लिए थोड़ी अलग भूमिका निभा सके।

स्पिन गेंदबाजों का समर्थन करने कहा

गावस्कर ने भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी विकल्पों की पहचान करने और उन्हें लगातार समर्थन देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भले ही इन गेंदबाजों को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह न मिले, लेकिन टीम के व्यापक ढांचे में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से प्लेइंग-11 का हिस्सा हों या नहीं, लेकिन टीम के बड़े समूह में शामिल हैं।

नमन धीर का दिया उदाहरण

गावस्कर ने नमन धीर का उदाहरण देते हुए कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देकर अलग भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह कर रहे हैं और इस मैच में उनकी बल्लेबाजी भी देखिए। इस सीरीज से यह सीख मिलती है कि गेंदबाजी में भारत को कम से कम चार नियमित गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। पांचवां और छठा विकल्प ऑलराउंडर हो सकते हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकें। नमन धीर बल्लेबाज हैं, लेकिन वह दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं।

गेंदबाजी कमजोर हो सकती है

गावस्कर ने आगाह किया कि बल्लेबाजी क्रम को आठवें नंबर तक बढ़ाने की कोशिश में भारतीय टीम की गेंदबाजी कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी लेकर उतरते हैं, तो अपनी गेंदबाजी को कमजोर कर देते हैं और इसी वजह से आपको हार का सामना करना पड़ता है। हमें गेंदबाजी देखने का मौका ही नहीं मिला। यह देखना दिलचस्प होता कि नौ ओवर के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाज किस तरह प्रदर्शन करते।

रणजी ट्रॉफी: पहली पारी में सस्ते में आउट हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पंजाब की ओर से मैच की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। न्यू चंडीगढ़ में रविवार को खेले जा रहे इस एलीट ग्रुप बी मुकाबले के पहले दिन गिल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आगामी दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने घरेलू लाल गेंद के क्रिकेट में खेलने का फैसला किया था और वह इस मुकाबले के लिए अंतिम समय में पंजाब की टीम से जुड़े थे। छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच के 26वें ओवर की पहली गेंद पर विहान मल्होत्रा के आउट होने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल नंबर चार पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने अपनी पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर खाता खोला, लेकिन 27वें ओवर की तीसरी गेंद पर स्पिनर अजय मंडल ने उनकी रक्षात्मक तकनीक को भेदते हुए उन्हें बोल्ड कर दिया। आउट होने से पहले गिल ने पांच गेंदों का सामना किया।इस मैच में गिल बल्ला नहीं चला, लेकिन इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। इस वर्ष उन्होंने तीन टेस्ट मैचों की चार पारियों में 50.00 की औसत से 200 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

वैभव को लेकर बोले अय्यर- इंतजार करना ही पड़ता है

बंगलूरू, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच टी20 मैचों की सीरीज में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव को मौका नहीं मिलने की वजह बताई है। बंगलूरू में शनिवार को बारिश की वजह से पांचवां टी20 धुलने के बाद वैभव को सीरीज में मौका नहीं मिलने पर अपनी राय रखते हुए अय्यर ने कहा कि संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के टॉप-3 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से वैभव को मौका नहीं मिला।

अय्यर ने कहा, मुझे पता है कि वैभव के दिमाग में क्या चल रहा होगा, खासकर जबरदस्त आईपीएल सीजन के बाद। लेकिन आपको कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं। मैं बस उनसे कहता रहता हूं कि आपको मौका मिलेगा। सैमसन और अभिषेक ने हमारे लिए विश्व कप जीता है। वे लगातार रन बना रहे हैं। अगर आप अपने प्रोसेस में निरंतरता बनाए रखते हैं और आपका माइंडसेट थोड़ा हल्का है, तो अभी मौका मिलने के बारे में ज्यादा न सोचें।

शानदार रहा वैभव का प्रदर्शन...

सूर्यवंशी ने चार जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने उस सीरीज में तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव का प्रदर्शन अच्छा रहा था। तीन मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इसके बाद अफगानिस्तान सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। एशियन गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 21 गेंदों पर 38 और फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नौ गेंदों पर 15 रन उनके बल्ले से निकले। इसके बाद वैभव को अपने अगले मौके का इंतजार है। वैभव को भारतीय टीम के साथ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। यह सीरीज 22 अक्तूबर से शुरू हो रही है। देखना होगा कि वैभव को न्यूजीलैंड में मौका मिलता है या नहीं।

श्रेयस को सीरीज बराबरी पर छूटने का मलाल, बोले- अलग हो सकता था नतीजा

बंगलूरू, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में निर्णायक मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसके साथ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि इस सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था, अगर उनके गेंदबाजों ने दो मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती। बारिश के कारण एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाला पांचवां और आखिरी मैच रद्द करना पड़ा। नौ-नौ ओवरों के इस मुकाबले में भारत का स्कोर 7.4 ओवर में 118/5 था। अय्यर ने कहा, अगर हमने दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी की होती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्हें (वेस्टइंडीज को) श्रेय देना चाहिए, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। पूरी सीरीज में होप ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। हार के बाद भी वापसी करने की उनकी क्षमता काबिले तारीफ है। हम जिस तरह से खेलते हैं, उसमें एक आक्रामक मानसिकता होती है।

युवा खिलाड़ियों को धैर्य और प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत

15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारत की ओपनिंग स्लॉट पहले से भरे होने के कारण अपने मौके का इंतजार करना पड़ रहा है। इस पूरी सीरीज में वैभव को एक अदद मौका नहीं मिल सका। अय्यर ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को धैर्य रखने और अपनी प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं उनसे बस यही कहता रहता हूं कि आपको मौका जरूर मिलेगा। अगर अपनी प्रक्रिया को लेकर लगातार अच्छा काम करते हो, तो कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो बेहतरीन ओपनर हैं, वैभव के साथ हमारी यही बातचीत होती रही है। भारत अब गुरुवार से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए सीधे न्यूजीलैंड जा रहा है। इस व्यस्त शेड्यूल को लेकर अय्यर ने कहा, यह किसी आम दिन जैसा ही है। भारत में तो हम लगातार यात्रा करते ही रहते हैं। हम इसे काफी अच्छे से संभाल रहे हैं।मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से वेस्टइंडीज के पास 2002 के बाद भारत में अपनी पहली सीरीज जीतने का मौका हाथ से निकल गया। इससे पहले वे वनडे सीरीज 1-2 से हार गए थे। चार मैचों में दो शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम सीरीज जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी।

क्यों होती है बेचैनी

आपाधापी व कोलाहल से परिपूर्ण इस युग में उत्तेजना या बेचैनी की शिकायत एक आम बात है। एक अध्ययन के अनुसार 20 से 34 फीसदी लोग इस शिकायत से ग्रस्त हैं।

लक्षण

उत्तेजना या बेचैनी जैसी शिकायत में व्यक्ति किसी भी काम को शुरू करने से पहले ही घबराने लगता है। उसका दिल तेजी से धड़कने लगता है, हाथ-पैरों में थरथराहट होती है और पेट में हलचल महसूस होती है। इस रोग का सीधा संबंध हमारे शरीर के तंत्रिका तंत्र से होता है। उत्तेजना से संबंधित दो तरह की बीमारियां प्राय: ज्यादातर लोगों में पाई जाती हैं।

कुछ अनजाने डर

इसे चिकित्सकीय भाषा में 'पैनिक डिसार्डर' भी कहते हैं। इस मर्ज में रोगी बिना किसी कारण के उलझन महसूस करने लगता है। मानो उसकी सांसें रुक जाएंगी और दिल जोर से धड़कने लगता है और उसे घुटन-सी महसूस होने लगती है। ऐसे रोगी भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाते, उन्हें लिफ्ट पर चढ़ने में डर लगता है कि कहीं लिफ्ट न गिर जाए। इसी प्रकार की एक दूसरी समस्या को चिकित्सकीय भाषा में सामान्य उत्तेजना गड़बड़ी (जनरल एंग्जाइटी डिसार्डर) कहते हैं। इस रोग में रोगी दिन-भर घबराता रहता है। वह मामूली आहट से भी सहम जाता है। इस वजह से उसे नींद नहीं आती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

उपचार

इस तरह की मानसिक बीमारियों के उपचार के लिए अब यूएसएफडीए एप्रूव्ड जैसी कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हो चुकीं हैं। इन दवाओं के सेवन से 12 से 15 सप्ताह के अन्दर रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है, इसके साथ ही रोगी को मनोचिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाता है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

पोस्टपार्टम अवसाद और 'बेबी ब्लू', दोनों ही स्थितियां एक दूसरे से अलग हैं, इन दोनों प्रकार के अवसाद के लक्षण भिन्न है। 'बेबी ब्लू' प्रसव पूर्व होने वाली ऐसी अवस्था है, जो सबसे सामान्य है और हर तीन में से एक महिला में यह स्थिति पाई जाती है। प्रसव के बाद कुछ हफ्तों में शरीर में हुए हार्मोनल परिवर्तन की वजह से ये विकार होता है। प्रसव के बाद नई मां अक्सर भावनात्मक रुप से संवेदनशील हो जाती है, कुछ ही क्षण में वह खुश हो जाती है और अगले कुछ क्षणों में दुखी। 'बेबी ब्लू' विकार से और भी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन इससे आमतौर पर एक मां की जिम्मेदारी और कार्य में हस्तक्षेप नही होता और कुछ सप्ताह बाद यह बीमारी खत्म हो जाती है।

पोस्टपार्टम अवसाद एक अलग स्थिति है। यह समस्या प्रसव के पहले, दूसरे या तीसरे महीनों में किसी भी समय शुरू हो सकती है। इसमें दु:ख और निराशा महसूस होती है या व्यक्ति कभी-कभी खुद को बेकार और दोषी मानता है। नई मां किसी भी कार्य या बात में एकाग्रता या रुचि लेने मे असमर्थ हो जाती है, यहां तक कि बच्चे की जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाती। कुछ मामलों में बच्चों की जरूरतों को लेकर वो अति व्याकुल भी हो सकती है। वह बहुत चिंतायुक्त, संवेदनशील बन जाती है और उसके मन में इस तरह के परेशान करने वाले विचार बार-बार आने से उसको बच्चे के स्वास्थ्य की भी चिंता होने लगती है। ऐसे में नई मां बार-बार एक ही कार्य करती है, जैसे बच्चे कि बार-बार जांच करती है या फिर लगातार बच्चों के चिकित्सक को फोन करके सवाल पूछती है।

इस विकार के कुछ दुर्लभ मामलों में, लगभग 1000 में से 1 मामले में इस विकार वाली महिला (साइकोटिक) मनोरोगी बन जाती है। जिसमें वह वास्तविकता की पहचान करने में असमर्थ होती है। इस स्थिति को कभी-कभी पोस्टपार्टम मनोविकृति कहा जाता है। इस विकार में मां को मतिभ्रम होता है (जैसे ऐसी आवाजें या महक आना जो वहां नही है) या झूठे भ्रम होना (जैसे उनके बच्चे को शैतान ने पकड़ लिया है) इस प्रकार की हालत मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक है और अगर ये विकार एक बार हुआ है तो उसकी दूसरे बच्चे के दौरान होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोस्टपार्टम अवसाद 10 में से 1 नई मां में होता है। एक महिला में प्रसव के बाद ये अवसाद हो सकता है, अगर उसमें निम्नलिखित लक्षण हो–

- अगर उस महिला मे पहले से अवसाद इतिहास है।
- पहली गर्भावस्था के दौरान अवसाद हुआ हो।
- शादीशुदा जिंदगी में परेशानी, मित्रों या परिवार मे सहायक सदस्यों की कमी।
- अपने नए शिशु की देखभाल के लिए कठिनाई, खासकर अगर बच्चे को गंभीर चिकित्सा समस्याएं हैं।
- किशोर माताओं, खासकर यदि वे गरीब आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों से हैं।
- इस तरह के लक्षणो वाली महिलाओ मे पोस्टपार्टम अवसाद कि विशेष रूप से उच्च जोखिम होती है।

आधे से भी कम महिलाएं जिनको पोस्टपार्टम अवसाद होता है, वो उनकी समस्याओं के लिये चिकित्सा कराती है।

कुछ महिलाएं इस बात से अनजान होती की उनको पोस्टपार्टम अवसाद है और वह इलाज से ठीक हो सकता है। कुछ महिलाएं ऐसा सोचती है की उनको तो एक बच्चा होने के बाद खुश होना चाहिये फिर उनको उदासी क्यों हो रही है, इस तरह के अजीब लक्षणों से उनको शर्मिंदगी होती है और वी किसी से मदद भी नहीं ले पाती।

प्रसव के तुरंत बाद की अवधि को पोस्टपार्टम कहते है। इस अवधि के दौरान एक औरत में अवसाद के लक्षण दिखते है और इसीलिए इसे पोस्टपार्टम (प्रसव के पश्चात आने वाला) अवसाद कहा जाता है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

एक महिला जिसको पोस्टपार्टम अवसाद है, उसमें निम्नलिखित लक्षणों में से कोई भी लक्षण हो सकते हैं–

- टीयर फुलनेस निराश लगना और रोना आना।
- कभी-कभी बच्चे के सुरक्षा को ले के सनकी, मजबूर या बेचैन होना।
- कभी बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी को ले के खुद को सक्षम ना समझना।
- खुद को निकम्मा, बेकार या दोषी समझना।
- अतिसंवेदनशिल होना या दबाव महसूस होना।
- सभी गतिविधियों में से रुचि चली जाना या किसी बात पर आनंद होना एक मां होने पर भी आनंद ना होना।
- भूख में परिवर्तन (या तो ज़्यादा खाना या आहार में कमी होना)।
- नींद में समस्या (नींद ना लगना, या जल्दी जाग जाना)।
- उत्तेजित दिखना या अत्यंत धीमा होना।
- सामान्य से बहुत थकान होना, जो एक बच्चे में सामान्य है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

यदि आप गर्भवती हैं, तो आपके जीवन शैली में मातृत्व के बाद होने वाले बदलावों की पहले ही तैयारी करके खुद को पोस्टपार्टम अवसाद के जोखिम से बचाने मे सक्षम किया जा सकता है। आप दूसरी माताओ या डॉक्टरों से बात करके नवजात शिशु की देखभाल के बारे मे पूछ सकती हैं और इसमें कोई संकोच की बात नहीं। अगर आपको नवजात शिशु और आप में योग्य तालमेल निर्माण होने में समय लगता है तो आपको अपने साथी या डॉक्टर, जिनको आपकी परवाह है, उनसे मदद लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। अक्सर, जिनमें पोस्टपार्टम अवसाद का एक इतिहास है उनके लिए अवसाद के एण्टीडिप्रेसेंट उपचार के बिना मुकाबला करना मुश्किल होता है। इसलिए प्रसूति के तुरंत बाद डॉक्टर एण्टीडिप्रेसेंट दवा देना शुरू कर सकते हैं। इसके बारे में आपको पहले ही डाक्टर से बात करना चाहिए। एक सामान्य नियम के रूप में डॉक्टरों को दवा की राशि गर्भावस्था के दौरान कम से कम निर्धारित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी अवसाद का जोखिम भ्रूण के जोखिम से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि आप अपने डॉक्टर के साथ इन बातों पर चर्चा करें।

चिकित्सा के नए आयाम

एलोपैथी आज दुनिया-भर में सर्वाधिक प्रचलित चिकित्सा प्रणाली है। नित नई औषधि-तत्वों की खोज हो रही है। ज्यादातर दवाओं के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों का रुझान सैकड़ों वर्षों से व्यवहृत और निरापद चिकित्सा पद्धतियों की तरफ देखा जा रहा है।

धब्बेदार अध:पतन

धब्बेदार अध:पतन एक कठिन रोग है और वह एक नंबर के हैं। एफडीए इलाज को मंजूरी दी गई है। कई तरीकों से काम धीमा करने के लिए, रोक या धब्बेदार अध:पतन के प्रभाव को रिवर्स, कोई भी एक निर्णायक इलाज का परिणाम विश्वसनीय होता है। अध: पतन की जगह लेने के लिए कई परीक्षण हो रहे हैं। इनका उपचार किसी भी हालत के लिए उपयुक्त हो सकता है, अपने नेत्र चिकित्सक के साथ चर्चा करके ठीक तरह से उपचार कर सकते हैं। इसकी स्थिति सक्रिय होती है। धब्बेदार अध: पतन का व्यवहार शुष्क रहता है। यह इंजेक्शन के माध्यम से प्राप्त होता है।

लाभ

अध: पतन प्रोस्टाग्लैंडीन है, इससे रक्त प्रवाह, रेटिना के बीच रक्त प्रवाह के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार से कोशिकाओं की रक्षा में मदद करता है।

जीभ का स्वाद बिगड़ जाए तो...

- राई – पानी में 10 ग्राम राई को डालकर उबाल लें। इस पानी से प्रतिदिन सुबह-शाम कुल्ला करने से जीभ का स्वाद ठीक हो जाता है।
- नौसादर – 5 ग्राम नौसादर और 5 ग्राम कालीमिर्च को पीसकर इसमें शहद मिलाकर जीभ पर रगड़ें तथा लार को बाहर गिरने दें। इससे जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- दालचीनी – जीभ पर कड़वाहट महसूस होने पर दालचीनी या बच को पीसकर और छानकर इस चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- अमलतास – 20 ग्राम अमलतास के गूदे को 250 ग्राम गर्म दूध में मिलाकर कुल्ला करें। इससे अफीम तथा कोकीन के सेवन करने के कारण खराब हुआ जीभ का स्वाद फिर से ठीक हो जाता है।

चमत्कारिक पुष्प औषधि रेस्क्यू रेमेडी

कैसे हुई खोज

रेस्क्यू रेमेडी चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक रहे हैं डॉ. एडवर्ड बेच जो लन्दन में प्रमुख एलोपैथिक डॉक्टर थे। इस चिकित्सा पद्धति से असन्तुष्ट होने से उन्होंने होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त की और होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा कार्य करना शुरू किया, लेकिन शीघ्र ही वे होम्योपैथिक पद्धति से भी असन्तोष का अनुभव करने लगे और किसी और भी सरल लेकिन सफल चिकित्सा पद्धति की खोज में लग गये। प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनका ध्यान फूलों की तरफ गया। उन्होंने विचार किया कि स्वभावत: मनुष्य का मन फूलों की तरह कोमल होता है और मूलत: मनुष्य का अन्तर्मन सौम्य, सरल और भावुक होता है। इसका यह प्राकृतिक रूप मन के जिन छह शत्रुओं से बनता या बिगड़ता है, उनके नाम हैं काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर। इन्हीं विकारों के प्रभाव से मनुष्य अपना प्राकृतिक स्वरूप याने स्वाभाविक अवस्था खो देता है। स्वाभाविक अवस्था का होना स्वास्थ्य है और इसे खो देना अस्वास्थ्य है, रोग है। मनुष्य की स्वाभाविक अवस्था फूलों के समान है और यदि यह अवस्था बिगड़ जावे तो इसे सुधारने के लिये फूलों का प्रयोग किया जा सकता है।

चिकित्सा के क्षेत्र में जो विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं, उनमें एक नाम बेच फ्लावर रेमेडीज का भी मौजूद है। इसे रेस्क्यू रेमेडी भी कहते हैं। इस पद्धति की दवाएं चोट लगने की स्थिति में कारगर होती हैं। इनका संक्षिप्त परिचय आइए, जानते हैं।

सन 1930 से 1936 तक के 6 वर्ष डॉ. एडवर्ड बेच ने इसी खोज में गुजार दिये और हजारों फूलों पर रिसर्च करने के बाद 38 प्रकार के फूलों को मनुष्य के विकारों को दूर करने में सक्षम पाया और इन 38 प्रकार के फूलों से उन्होंने 38 दवाइयां बनाईं, जो इन्हीं डॉ. के नाम से बेच फ्लावर रेमेडीज के नाम से जानी जाने लगीं। इन 38 दवाओं में से 5 दवाइयां मिलाकर जो 39वीं दवा बनाई गई, उसका नाम रेस्क्यू रेमेडी रखा गया, क्योंकि यह दवा किसी भी खतरनाक और गम्भीर स्थिति से छुटकारा (रेस्क्यू) दिलाने वाली है। इन पांचों दवाइयों की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है–

राकरोज

यह दवा किसी भी दुर्घटना के कारण मन में जो डर या दहशत बैठ जाती है, उसके असर को दूर करती है। जब किसी भी दुर्घटना के कारण मन में इतना डर बैठ जाए कि हर समय वही घटना आंखों के सामने घूमती रहे तो यह दवा बहुत अच्छा काम करती है और मनुष्य शीघ्र ही सामान्य मानसिक अवस्था में आ जाता है।

स्टार ऑफ बेथलहम

यह दवा मानसिक आघात के असर को दूर करती है। कभी-कभी किसी दुर्घटना में शरीर के भीतर अन्दरुनी चोट लगती है, जिसका तत्काल पता नहीं चलता, पर बाद में शरीर में कष्ट पैदा हो जाता है। कई बार ऐसी किसी घटना का मन पर ऐसा गहरा असर होता है कि कई वर्ष गुजर जाने पर भी उसका असर नहीं जा पाता। उस स्थिति में यह दवा पूर्ण सकारात्मक प्रभाव मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर करती है।

क्लेमेटिस

जब किसी दुर्घटना के कारण कोई बेहोश हो जाए या अस्वाभाविक रूप से सो जाए, बेसुध हो जाए या कोई ख्याली पुलाव पकाता रहता हो तो यह दवा उसे सामान्य मानसिक अवस्था में ले आती है।

इम्पेशेंस

किसी दुर्घटना के बाद की उत्तेजित अवस्था और चिड़चिड़ेपन की स्थिति इस दवा के सेवन से दूर हो जाती है।

बाल सफेद हो रहे हों तो...

एक चम्मच भर आंवला चूर्ण दो घूंट पानी से सोते समय अंतिम वस्तु के रूप में लें। असमय बाल सफेद होने और चेहरे की कान्ति नष्ट होने पर जादू का सा असर करता है। (साथ ही स्वर को मधुर और शुद्ध बनाता है तथा गले की घर-घराहट भी इससे ठीक हो जाती है।

एक और उपाय है

आंवला चूर्ण का लेप – सूखे आंवलों के चूर्ण को पानी के साथ लेई बनाकर इसका खोपड़ी पर लेप करने तथा पांच दस मिनट बाद केशों को जल से धो लेने से बाल सफेद होने और गिरने बन्द हो जाते है।

आंवला जल से सिर धोएं

25 ग्राम सूखे आंवलों को मोटा कूटकर किए हुए टुकड़ों को 250 ग्राम पानी में रात को भिगो दें। प्रात: फूले हुए आंवलों को कड़े हाथ से मसलकर सारा जल पतले स्वच्छ कपड़े से छान लें। अब इस निथरे हुए जल को केशों की जड़ों में हल्के-हल्के अच्छी तरह मलिए और दस बीस मिनट बाद केशों को सादे पानी से धो डालिए। रूखे बालों को सप्ताह में एक बार और चिकने बालों को सप्ताह में दो बार धोना चाहिए।

हॉलीवुड की इस बात के मुरीद हुए विद्युत

हाल ही में खास बातचीत में अभिनेता विद्युत जामवाल ने आने वाली फिल्म के किरदार, हॉलीवुड में काम करने के अनुभव, अनुशासन, एआई और अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की।

'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम का किरदार ऑफर हुआ तो पहला विचार क्या था?
मैं धालसिम के कैरेक्टर के बारे में जानता तो था ही। जब मुझे पता लगा कि 'स्ट्रीट फाइटर' की कास्टिंग हो रही है और इस सिलसिले में मुझे फोन किया गया, तो मुझे लग तो रहा था कि यही किरदार होगा। मैं काफी एक्साइटेड था। यह जापानी वीडियो गेम पर आधारित है। धालसिम योगा मास्टर हैं और अपनी योगा की शक्तियों का इस्तेमाल लड़ने के लिए करते हैं। डायरेक्टर ने बताया कि मुझे अपने बाल शेव करने पड़ेंगे। वैसे कैरेक्टर के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी, उन्होंने मास्क भी पहनाया था।

हॉलीवुड में काम करने के अनुभव में सबसे अलग क्या लगा?
अधिकतर चीजें अलग ही हैं। वहां डिसिप्लिन के जो मायने हैं, वो बिल्कुल अलग हैं। वहां टाइम पर आना कोई बड़ी बात नहीं है। वहां टाइम पर ही आना होता है।

किरदार के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कितना करना पड़ा?
जब प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कास्टिंग कर रहे थे और उन्होंने हिंदुस्तान को देखा तो उन्होंने पूरी हिस्ट्री देखी कि किस आदमी ने अपनी लाइफ में इतना समय इस चीज में बिताया है। हर कैरेक्टर उन्होंने ऑथेंटिक लिया है, जो उनकी रियल लाइफ जैसी है। चाहे वो फिफ्टी सेंट हों, जेसन मोमोआ हों या कोडी रोड्स। सबको उन्होंने उनकी पर्सनालिटी के आधार पर लिया। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं। मुझे कोई अलग से ट्रांसफॉर्म नहीं करना पड़ा। बस मेरे किरदार के लिए बाल उड़ा दिए।

प्रोस्थेटिक लुक तैयार करने में कितना वक्त लगता था?
वैसे, ये जितने भी एक्टर्स हैं हमारी फिल्म में, हर आदमी एक कैरेक्टर में है। उसका जो रूप है, वो वीडियो गेम के आधार पर है। हर आदमी को समय लगता था। हां, मुझे बाकियों से दो घंटे ज्यादा लगते थे। हर दिन तीन-चार घंटे प्रोस्थेटिक मेकअप के लिए लगते थे। मान लीजिए अगर सबका सुबह शूट का कॉल टाइम छह बजे होता था तो मैं चार बजे पहुंच जाता था। लेकिन मुझे कभी इस बात का दुख नहीं हुआ, बल्कि एक्साइटमेंट होती थी।

करीब 15 साल के करियर की इस जर्नी को कैसे डिफाइन करेंगे?
बहुत अच्छी किस्मत। ये जर्नी सिर्फ किस्मत पर आधारित रही है। बाकी सब डिसिप्लिन और हार्डवर्क है। मुझे लगता है किस्मत ने भी साथ दिया।

हॉलीवुड में आपने डिसिप्लिन का जिक्र किया। क्या भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में भी इस बदलाव की जरूरत है?
देखिए, डिसिप्लिन जिस तरह से लोग सोचते हैं, डिसिप्लिन सिर्फ टाइम पर आना नहीं है। कचड़े को कचरे के डिब्बे में डालना भी डिसिप्लिन है। क्या वो हिंदुस्तान में चेंज किया जा सकता है? अब देखिए न, चाट की दुकान पर जितना कचरा डिब्बे के अंदर होता है, उससे ज्यादा बाहर होता है। अब वो तब्दीली कहां से लाई जाए, मैं नहीं बता पाऊंगा। हां, लाई जा सकती है। कोशिश की जा सकती है। लेकिन क्या बदलाव आ रहा है? अभी तो नहीं दिख रहा मुझे।

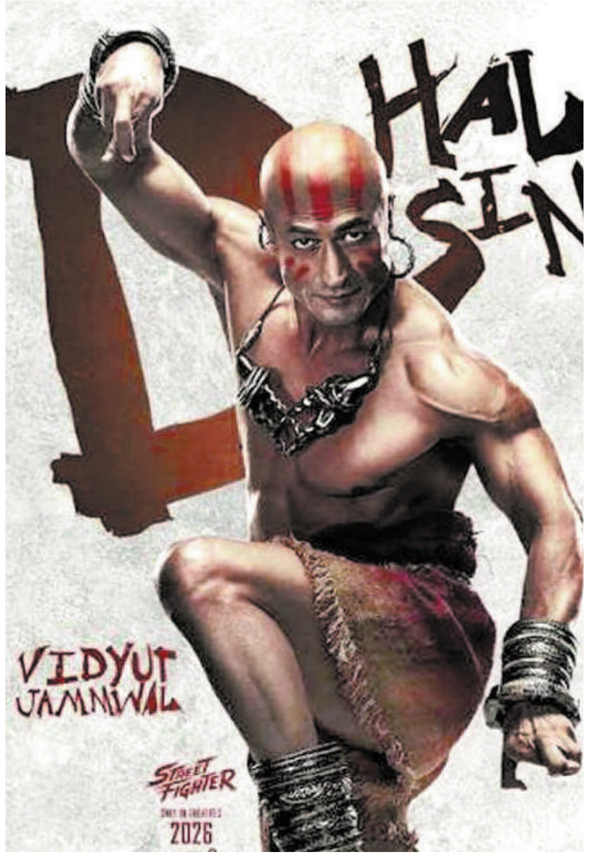

संजय लीला भंसाली संग काम करेंगी करीना, धनुष भी दिख सकते हैं

करीना कपूर और फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली लंबे इंतजार के बाद एक प्रोजेक्ट के लिए साथ आने जा रहे हैं। भंसाली प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म में करीना मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आतिश कपाड़िया को दी गई है। कपाड़िया 'खिचड़ी' जैसी चर्चित सिटकॉम और नेटफ्लिक्स की सीरीज 'चुंबक' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि करीना को हाल ही में भंसाली के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। इसके बाद दोनों के साथ काम करने की चर्चा और तेज हुई। वहीं करीना फिल्ममेकर एस. मिश्रन की एक माइथो जंगल एडवेंचर फिल्म में काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। चर्चा है कि धनुष भी भंसाली की इस फिल्म में दिख सकते हैं।

क्या दीपिका के समर्थन में उतरीं इशिता दत्ता?

आठ घंटे शिफ्ट वाली मांग पर कहा

पिछले दिनों जब दीपिका पादुकोण फिल्म 'स्पिरिट' से अलग हुईं, तो ऐसी खबरें आईं कि यह फैसला उनकी तरफ से 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करने की वजह से लिया गया था। तब से बॉलीवुड में काम के लंबे घंटों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में 'दृश्यम 3' की अभिनेत्री इशिता दत्ता ने दीपिका की मांग का समर्थन किया।

आठ घंटे की शिफ्ट की मांग पर क्या बोलीं इशिता

बातचीत में इशिता ने कहा, 'आठ घंटे की शिफ्ट देना या न देना आपकी निजी पसंद है, इसलिए प्रोडक्शन हाउस मना कर सकता है। मगर इसे लेकर इतना बड़ा मुद्दा बनाना और इसे गलत ठहराने की कोशिश करना गलत है। ऐसे कई कलाकार हैं जो 12-15 घंटे काम करने के लिए तैयार हैं। लेकिन आप किसी दूसरे व्यक्ति की मांग को 'अनुचित' बताकर उसे कमतर नहीं आंक सकते।'

क्या है अभिनेत्री की इच्छा

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'जब आप खुद एक बच्चे की मां बनती हैं, तब आपको समझ आता है कि इसमें कितनी मेहनत और समय लगता है। अगर मेरे पास भी ऐसी स्थिति होती जहां मैं मांग रख सकती, तो शायद मैं भी मांगती। मुझे नहीं लगता कि मैं अभी उस मुकाम पर हूं।'

दीपिका कैसे लड़ती हैं अपनी लड़ाइयां

इससे पहले दीपिका पादुकोण ने बातचीत में बॉलीवुड में काम के माहौल और वेतन में समानता को लेकर चल रही बहस पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कई स्तरों पर ऐसा किया है। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि जहां तक वेतन की बात है, मुझे इससे जुड़ी हर स्थिति का सामना करना पड़ा है। मुझे नहीं पता कि इसे क्या नाम दूं, मगर मैं हमेशा अपनी लड़ाइयां चुपचाप लड़ती आई हूं। पता नहीं क्यों, कभी-कभी ये बातें सार्वजनिक हो जाती हैं, जो मेरे तरीके से अलग है और मेरी परवरिश भी ऐसी नहीं रही है।'

'द पैराडाइज' के बाद अगले प्रोजेक्ट में जुटे राघव जुयाल

एक्टर राघव जुयाल हाल ही में साउथ फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आए थे। फिल्म में राघव ने विलेन का किरदार निभाया था, वहीं एक्टर नानी लीड रोल में थे। अब इसके बाद राघव जुयाल अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में जुट गए हैं। दरअसल, राघव जुयाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग से जुड़ी जानकारी बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने बताया कि वे उनकी अगली फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग में लग गए हैं। इसके साथ उन्होंने एक बड़ा और भावुक नोट भी लिखा। राघव ने लिखा, 'आज मैं अपने करियर की सबसे अहम फिल्म की शुरुआत कर रहा हूं। ऐसा इसलिए नहीं कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म है, बल्कि इसलिए कि 12-13 साल पहले मैंने इसे देखा था, इसके सपने देखे थे और अपने मन में इसे जी भी लिया था।'

लीड रोल में नजर आएंगे राघव

उन्होंने आगे कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए इसलिए खास है, क्योंकि यह मुझे फिर से वहीं ले आई है, जहां से मैंने कभी शुरुआत की थी। यह मुझे याद दिलाती है कि जब आप किसी चीज को पाने के लिए लगातार मेहनत करते हैं, उसे अपने सपनों में जीते हैं और हकीकत बनने से पहले ही उस पर विश्वास करते हैं, तो कभी-कभी पूरी कायनात उसे सच करने का रास्ता बना देती है। इस फिल्म को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि आज मैं उस फ्रेंचाइजी का मुख्य अभिनेता हूं, जिसमें कभी मैं पीछे खड़े होकर, दूर से सब कुछ देखा करता था।' सपना पूरा होने की बात करते हुए राघव ने लिखा, 'यह वही फिल्म है, जिसका हिस्सा बनने का सपना मैंने वर्षों पहले देखा था और जिस पर मुझे पूरा भरोसा था। अब आखिरकार मेरा यह सपना सच होने जा रहा है। मैं इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा दूंगा। यह अब तक की सबसे बेहतरीन डांस फिल्म होगी और मैं इसमें ऐसा प्रदर्शन देने का इरादा रखता हूं, जैसा किसी डांस फिल्म में पहले कभी नहीं देखा गया। कुछ सपने पूरे होने में वर्षों लग जाते हैं। लेकिन जब वे पूरे होते हैं, तो एहसास होता है कि शायद वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे।

हार्ट कंट्रोलर के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उतरीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपने ईडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक) ट्रैक 'हार्ट कंट्रोलर' के साथ म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य गायिका और लेखिका की भूमिका निभाई। अपने म्यूजिकल सफर के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने बताया कि वह लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हैं और अपनी ऑन-स्क्रीन इमेज से हटकर इस जॉनर को आजमाना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह ट्रैक उनके म्यूजिकल एक्सप्रेशन, भारतीय संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाता है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'भारत की पहली बॉलीवुड ईडीएम सिंगर बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिन्हें एक फुल-लेंथ ईडीएम रिकॉर्ड/ट्रैक के लिए लीड वोकलिस्ट के तौर पर पेश किया गया है। किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए यह पहली बार है और बॉलीवुड के इतिहास में भी ऐसा पहली बार हुआ है।'

'दृश्यम 3' की सफलता के बाद करियर में बदलाव चाहते हैं जयदीप

अभिनेता जयदीप अहलावत अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब अभिनेता को उम्मीद है कि 'दृश्यम 3' की सफलता उनके करियर में अच्छे बदलाव लेकर आएगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वह आगे किस तरह के किरदार निभाना चाहते हैं। बातचीत के दौरान जयदीप अहलावत से पूछा गया कि किसी फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने से एक अभिनेता के करियर पर क्या असर पड़ता है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि इससे उनके करियर में क्या बदलाव आएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये बदलाव अच्छे होंगे। अभिनेता ने कहा, 'ब्लॉकबस्टर सफलता से मेरा करियर किस तरह बदलेगा, मुझे नहीं पता। लेकिन जो भी बदलाव होगा, उम्मीद है कि वह अच्छा होगा। मैं चाहता हूं कि मुझे अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों के ऑफर मिलें। मैं यह नहीं चाहता कि मुझसे बार-बार पुलिसवाले का किरदार निभाने के लिए कहा जाए।'

शाहरुख के साथ आएंगे नजर

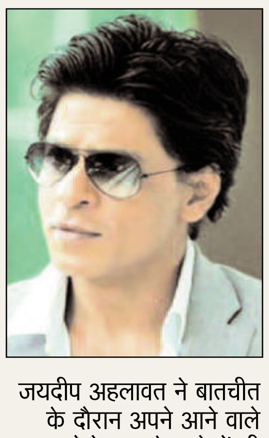

जयदीप अहलावत ने बातचीत के दौरान अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इसके अलावा फिलहाल उनकी किसी दूसरी फिल्म की रिलीज तय नहीं है। अभिनेता ने कहा, 'किंग' इस साल शाहरुख खान सर के साथ रिलीज हो रही है। इसके अलावा मेरी कोई और फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009